भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

25 दिसम्बर- 31 दिसम्बर 2024

Merry Christmas

jagrukjanta.net

पौष, पक्ष - कृष्ण, तिथि - दशमी , संवत 2081 पृष्ठ : 8+4 जयपुर, बुधवार वर्ष-10, अंक-43, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

बाबा साहब के नाम पर कांग्रेस कर रही है झूठ की राजनीति, राहुल गांधी देश से मांगे माफी

कांग्रेस सत्ता लोलुप पार्टी, केवल सत्ता हासिल करना ही उद्देश्य-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास हमेशा से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को अपमानित करने और उनका मजाक उड़ाने का रहा है और आज यह पार्टी उनके नाम पर हक मांगने का ढोंग कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपने नेताओं और जवाहर लाल नेहरू द्वारा बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के अपमान के लिए पूरे देश से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के कारण ही देश के पहले कानून मंत्री बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। यहां तक की बाबा साहब को इस्तीफे के बाद सदन में बोलने तक नहीं दिया गया। कांग्रेस पार्टी को जवाब देना चाहिए कि उसने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के त्यागपत्र को जनता के सामने क्यों नहीं आने दिया? उन्होंने कहा कि नेहरू ने एडविना माउंटबेटन को भी पत्र लिखकर बाबा साहब अंबेडकर के कैबिनेट में न रहने की खुशी जाहिर की थी। ऐसी सोच वाली कांग्रेस पार्टी आज बाबा साहब के नाम पर झूठ की राजनीति कर रही है, जो बहुत ही शर्मनाक स्थिति है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब

अंबेडकर को 1952 के लोकसभा चुनाव और 1954 के उपचुनाव में हरवाया। इस पार्टी के शासन में उन्हें भारत रत्न तक नहीं दिया। देशभर में नेहरू, इंदिरा गांधी, संजय गांधी और राजीव गांधी के नाम पर सैकड़ों स्मारक, अस्पताल और सड़कों के नाम रख दिए गए मगर बाबा साहब का एक भी स्मारक नहीं बनने दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने कभी अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की बात नहीं की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी को सत्ता लोलुप बताते हुए कहा कि यह पार्टी सत्ता के बिना नहीं रह सकती। कांग्रेसी नेताओं का प्रयास रहता है कि येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करे, फिर चाहे झूठ, धर्म या जातिवाद की राजनीति ही क्यों ना करनी पडे। जबकि वर्ष 2014 के बाद यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा नीत केन्द्र सरकार डॉ. अम्बेडकर, डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय के दिखाए अन्त्योदय और गरीब कल्याण के मार्ग पर चल रही है। भाजपा सरकारों के समय में ही देश में बाबा साहब की स्मृति में पंचतीर्थों का विकास किया गया। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी की सरकार आई, तो दिल्ली में अंबेडकर सेंटर बनकर तैयार हुआ। मोदी जी की सरकार ने लंदन में जहां बाबा साहब रहे थे, वहां उनकी एक स्मृति बनवाई, दिल्ली में उनके निवास स्थान पर स्मृति स्थापित की, नागपुर की दीक्षा भूमि और मुंबई की चैत्य भूमि में भी स्मृतियां बनाई। कांग्रेस लंबे समय तक शासन में रही, लेकिन उसने बाबा साहब को कभी सम्मान नहीं दिया, जबकि भाजपा समर्थित सरकार ने बाबा साहब को भारत रत्न देने का काम किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी गृह मंत्री अमित शाह के भाषण के एक बहुत ही छोटे से अंश को बिना किसी संदर्भ के प्रस्तुत कर, खुद के लिए राजनीति करने का बेहूदा प्रयास कर रही हैं मगर देश की जनता सब समझती है।

पुंछ के मेंढर में बड़ा हादसा, भारतीय सेना का वाहन 300 फीट गहरी खाई में गिरा, 5 जवानों की मौत, 12 घायल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पुंछ। जम्मू कश्मीर के पुंछ में बड़ा हादसा हुआ है। पुंछ जिले की मेंढर सब डिविजन के बलनोई क्षेत्र में भारतीय सेना का वाहन गहरी खाई में गिर गया है। इस घटना में 5 जवानों की मौत हो गई है और 12 जवान गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस हादसे में एक जवान सुरक्षित है। मिली जानकारी के मुताबिक, वाहन में कुल 18 जवान सवार थे।

क्या है पूरा मामला?

पुंछ जिले के मेंढर सब-डिविजन के मानकोट सेक्टर स्थित बलनोई इलाके में एक भारतीय सेना का वाहन 300 फीट गहरी खाई में गिरने से बड़ा हादसा हो गया। सूत्रों के अनुसार, सेना के जवान वाहन में सवार होकर अपनी पोस्ट की ओर जा रहे थे, जब रास्ते में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और यह हादसा हो गया।

पुलिस सूत्रों ने बताया की है कि वाहन में कुल 18 जवान सवार थे। घायलों में से कुछ की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, और राहत व बचाव दल मौके पर पहुंचकर घायलों को सुरक्षित निकालने का प्रयास कर रहे हैं। यह घटना स्थ्पष्ट के पास के हुई है जो कि पुलिस पोस्ट मानकोट और थाना मेंढर के अंतर्गत आता है।

कश्मीर में पड़ रही भीषण ठंड

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में इन दिनों भीषण ठंड पड़ रही है। शीत लहर के बीच यहां बार-बार अघोषित बिजली कटौती भी हो रही है। ठंड से बचाने वाले बिजली से चलने वाले आधुनिक उपकरण नाकाम साबित हो रहे हैं। कश्मीर अब फिर से ठंड से बचाव के अपने पारंपरिक तरीकों की ओर लौट रहा है। कश्मीर में 40 दिनों की सबसे भीषण सर्दी चिल्ला-ए-कलां जारी है। श्रीनगर में हालही में 33 साल में सबसे अधिक ठंडी रात रही थी और यहां न्यूनतम तापमान शून्य से 8.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया था। घाटी के अन्य स्थानों पर भी तापमान शून्य से नीचे रहा था, जिसके कारण कई इलाकों में जलापूर्ति करने वाली पाइप लाइन में भी पानी जम गया था। ठंड बढ़ने और अघोषित बिजली कटौती की वजह से भी रोड एक्सीडेंट हो रहे हैं क्योंकि कई बार ड्राइवर्स को ठंड की वजह से विजन क्लीयर नहीं हो पाता और वह हादसे का शिकार हो जाते हैं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- »मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- »सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- »असाध्य घाव/शुगर के घाव
- »कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- »अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- »डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

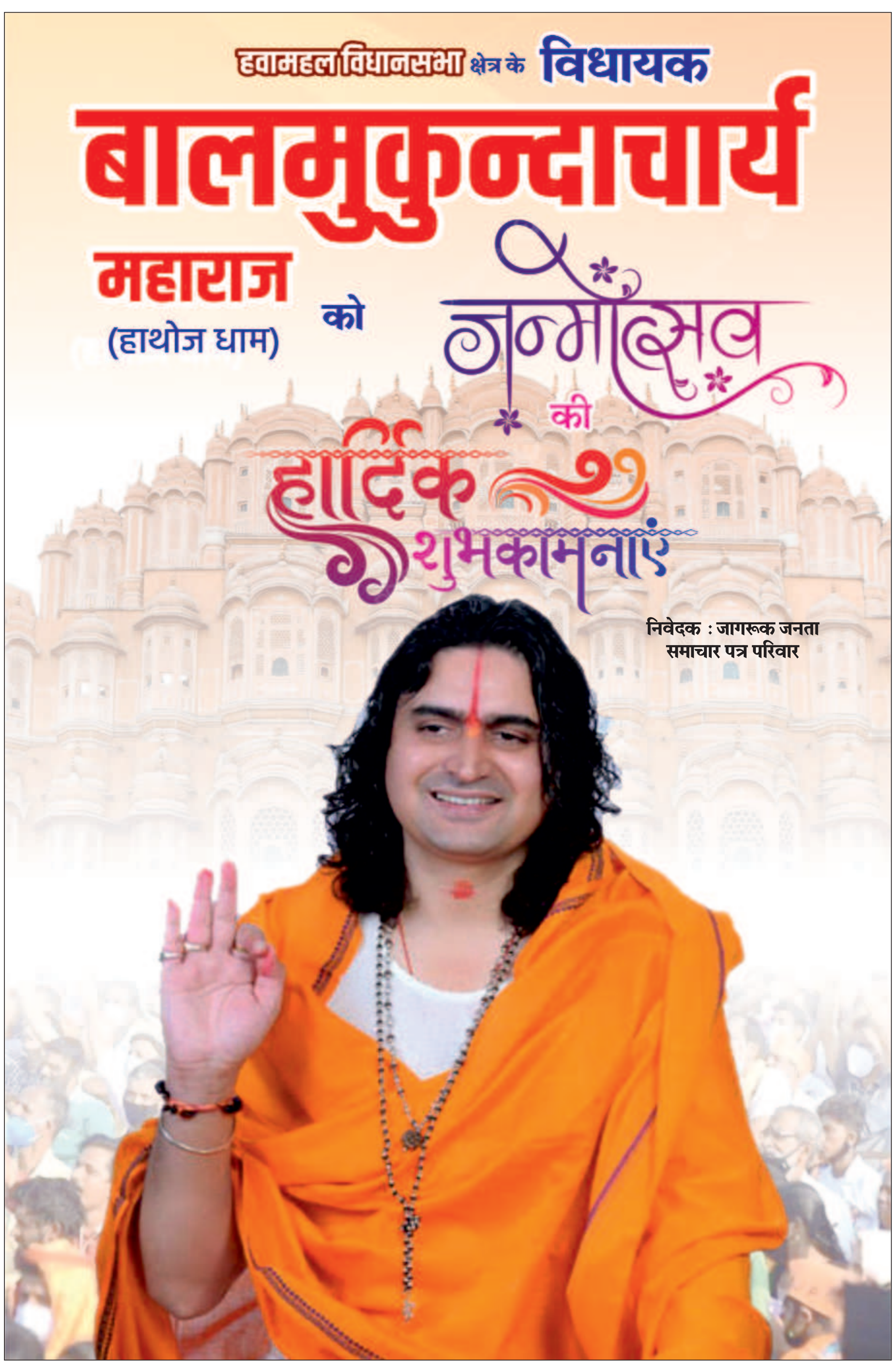

राजस्थान मंडपम के निर्माण की तैयारियों को लेकर बैठक

मंडपम में झलकेगी आधुनिक और परंपरागत वास्तुकला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान मंडपम राज्य की कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक और व्यवसायिक आयोजनों के लिए प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जयपुर में बनने वाले इस मंडपम को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस बनाया जाए तथा इसमें आधुनिक तकनीक और परंपरागत राजस्थानी वास्तुकला का बेहतरीन संयोजन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को मण्डपम के निर्माण को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान मण्डपम के निर्माण की तैयारियों को लेकर बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत मण्डपम की तर्ज पर जयपुर में राजस्थान मण्डपम का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसमें बनने वाले एग्जीबिशन हॉल, ओपन हॉल तथा ऑडिटोरियम में दर्शक क्षमता का पूरा ध्यान रखा जाए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भागीदारी कर सकें। इस दौरान बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, रिको के प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह, एनबीसीसी के मुख्य प्रबंध निदेशक के पी महादेव स्वामी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित होगी यूनिटी मॉल में

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया तथा वन नेशन वन प्रोडक्ट के तहत स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए मंडपम में यूनिटी मॉल का भी निर्माण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को इस मॉल में सभी तरह की आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यहां संसाधन विकसित किया जाए। उन्होंने मंडपम में बनने वाले यूनिटी मॉल, पार्किंग, दुकानें एवं ऑडिटोरियम सहित पूरे मास्टर प्लान की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री निवास पर तनोट माता मंदिर क्षेत्र के मास्टर प्लान को लेकर बैठक आयोजित

तनोट माता मंदिर धार्मिक और ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जैसलमेर स्थित तनोट माता मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि राजस्थान के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस मंदिर के मास्टर प्लान के तहत चरणबद्ध रूप से काम कर इसे विश्वस्तरीय धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए।

शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर तनोट माता मंदिर क्षेत्र के मास्टर प्लान को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर के क्षेत्र में अत्याधुनिक विकास कार्य किए जाएं जिससे यहां आने वाले पर्यटक देश के प्रति गौरवान्वित हों तथा उनमें देशभक्ति का भाव जागृत हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्य मंदिर तथा प्रवेश द्वार के सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता देते हुए पूरे परिसर में सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं।

शर्मा ने कहा कि मंदिर को पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाते हुए स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार और आर्थिक अवसरों का सृजन भी किया जाए। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर क्षेत्र में एडवेंचर स्पोर्ट, डेजर्ट सफारी सहित मंदिर के मास्टरप्लान के तहत बनने वाले सभी अत्याधुनिक सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, शासन सचिव पर्यटन रवि जैन सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान, निकी प्रसाद को बनाया गया कप्तान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। मलेशिया के कुआलालंपुर में खेले जाने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए भारतीय महिला टीम के स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। इसमें कप्तानी की जिम्मेदारी निकी प्रसाद को मिली है। वहीं उपकप्तान सानिका चालके को बनाया गया है। टीम में ज्यादातर उन प्लेयर्स को मौका मिला है, जो भारत के लिए अंडर-19 एशिया कप में शामिल थीं। भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को हराकर अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीता था।

टीम में मौजूद हैं दो विकेटकीपर

अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय टीम में कमलिनी जी और भाविका अहिरे के रूप में दो विकेटकीपर हैं, जबकि तीन स्टैंडबाय खिलाड़ी नंदना एस, इरा जे और अनादि टी को भी टीम में शामिल किया गया है। कमलिनी ने अंडर-19 एशिया कप 2024 में भारतीय टीम के दमदार प्रदर्शन किया था। वहीं बांग्लादेश के खिलाफ फाइनल में 52 रन बनाने वाली जी त्रिशा को भी जगह मिली है।

ग्रुप-ए में है भारतीय महिला टीम

अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप 2025 में कुल 16 टीम भाग लेंगी जिन्हें चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत मौजूदा चैंपियन है और उसे मेजबान मलेशिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। भारत अभियान की शुरुआत 19 जनवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ करेगा। उसके बाद वह मलेशिया (21 जनवरी) और श्रीलंका (23 जनवरी) के खिलाफ मैच खेलेगा।

2 फरवरी को फाइनल मुकाबला

ग्रुप चरण के मैच 19 से 23 जनवरी के बीच खेले जाएंगे। इनमें हर ग्रुप से टॉप पर रहने वाली तीन टीम 25 से 29 जनवरी के बीच होने वाले सुपर सिक्स में जगह बनाएंगी। सुपर सिक्स में छह-छह टीम के दो ग्रुप होंगे। सुपर सिक्स में हर ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी जो 31 जनवरी को खेला जाएगा। फाइनल दो फरवरी को होगा।

अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय टीम

निकी प्रसाद (कप्तान), सानिका चालके (उप-कप्तान), जी त्रिशा, कमलिनी जी (विकेटकीपर), भाविका अहिरे (विकेटकीपर), ईश्वरी अवसरे, मिथिला विनोद, जोशिता वीजे, सोनम यादव, पारुनिका सिसौदिया, केसरी द्रिथि, आयुषी शुक्ला, आनंदिता किशोर, एमडी शबनम, वैष्णवी एस।
स्टैंडबाय खिलाड़ी: नंदना एस, इरा जे, अनादि टी।

ईसीबी में महान गणितज्ञ रामानुजम कि जयंती पर कार्यशाला आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर में गणित विभाग के तत्वाधान में महान गणितज्ञ रामानुजन् आयंगर की जयंती के अवसर पर कार्यशाला आयोजित की गई। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय शर्मा ने बताया कि रामानुजम को गणित में कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं मिला, फिर भी इन्होंने विश्लेषण एवं संख्या सिद्धांत के क्षेत्रों में गहन योगदान दिए। इन्होंने अपने प्रतिभा और लगन से न केवल गणित के क्षेत्र में अद्भुत अविष्कार किए वरन भारत को अतुलनीय गौरव भी प्रदान किया। प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश जाखड़ ने बताया कि रामानुजन और इनके द्वारा किए गए अधिकांश कार्य अभी भी वैज्ञानिकों के लिए अबूझ पहेली बने हुए हैं। बतौर वक्ता डॉ. राधा माथुर और डॉ. अमित सोनी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि एक बहुत ही सामान्य परिवार में जन्म ले कर पूरे विश्व को आश्चर्यचकित करने की अपनी इस यात्रा में इन्होने भारत को अपूर्व गौरव प्रदान किया। इनका उनका वह पुराना रजिस्टर जिस पर वे अपने प्रमेय और सूत्रों को लिखा करते थे 1976 में अचानक ट्रिनीटी कॉलेज के पुस्तकालय में मिला। करीब एक सौ पन्नों का यह रजिस्टर आज भी वैज्ञानिकों के लिए एक पहेली बना हुआ है। इस रजिस्टर को बाद में रामानुजन की नोट बुक के नाम से जाना गया। मुंबई के टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान द्वारा इसका प्रकाशन भी किया गया है। डॉ विजय माकड ने अपने विचार प्रकट करते हुए बताया कि बचपन से ही विलक्षण प्रतिभावान थे। इन्होंने खुद से गणित सीखा और अपने जीवनभर में गणित के 3,884 प्रमेयों का संकलन किया। इनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किये जा चुके हैं। इन्होंने गणित के सहज ज्ञान और बीजगणित प्रकलन की अद्वितीय प्रतिभा के बल पर बहुत से मौलिक और अपारम्परिक परिणाम निकाले जिनसे प्रेरित शोध आज तक हो

'प्रयास राजस्थान' ने किया स्कूलों में जरसी वितरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पी डबल्यू डी रिटायर्ड इंजीनियर्स एण्ड आर्किटेक्ट वेलफेयर सोसायटी राजस्थान (प्रयास राजस्थान) की ओर से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय रावल जी का बाग अंबेडकर नगर (करतारपुरा फाटक के पास) में एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवरी गोपाल पुरा वाईपास जयपुर में जरसी/जैकेट वितरण का कार्य किया गया जिसमें प्रयास के अध्यक्ष ई जी पी शर्मा पूर्व अध्यक्ष ई सी के बापना, महासचिव ई आर सी शर्मा, सयुंक्त सचिव ई आर के विजय, निदेशक मण्डल से प्रयास से ई ओपी गुप्ता, ई, आर के रावत ई एस एल महीपाल एवं ई तुलसी राम शर्मा उपस्थिति रहे कॉलोनी के गण मान्य लोगों में पी के शर्मा पूर्व इनकम टेक्स आफीसर, आर पी शर्मा, वी के तिवारी, रेखा तिवारी एवं अन्य गणमान्य लोगों के अलावा प्रधानाचार्या समेत विद्यालय के स्टाप के सदस्य उपस्थित रहे। कक्षा 1 से 12 तक तथा प्राथमिक स्कूल में कक्षा 1 से पांच तक सभी छात्र छात्राओं को जरसी/जैकेट वितरित किये। इस अवसर आर पी शर्मा ने जरसी वितरण जैसे कार्यो का महत्व बताया पी के शर्मा ने अपने उद्बोधन मे, पूजा, चरण स्पर्श, दान, दूसरों की भलाई जैसी बातों का महत्व बडे ही सटीक शब्दों में विद्यार्थियों को समझाया। सभी आगंतुकों ने अपने कर कमलो से जरसी/जैकेट वितरण का कार्य किया प्रधानाचार्य ने सभी का धन्यवाद किया।

जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय के किशनगढ़बास के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

किसानों को परंपरागत खेती की ओर लौटने की जरूरत-मंत्री भूपेंद्र यादव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय किशनगढ़बास अलवर के नवीन भवन का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार, भूपेन्द्र यादव व विशिष्ट अतिथि मंत्री वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय राजस्थान सरकार, संजय शर्मा, कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ बलराज सिंह, विशिष्ट अतिथि विधायक किशनगढ़बास दीपचंद खेरिया, विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद अलवर, डॉ करण सिंह यादव, विशिष्ट अतिथि विधायक तिजारा, महंत बालकनाथ योगी विशिष्ट अतिथि रहे। केंद्रीय मंत्री पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार, भूपेन्द्र यादव ने कहा कि बदलते जलवायु के हालत के मद्देनजर कृषि शिक्षा को भी इस दिशा में ढालना जरूरी है।

उन्होंने किसानों को परंपरागत खेती की ओर लौटने का आह्वान किया। रासायनिक खादों, विशेषकर यूरिया के अत्यधिक उपयोग से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां बढ़ रही हैं। किसानों को कम पानी वाली फसलों को अपनाना चाहिए ताकि जल संसाधनों का कुशल उपयोग हो सके। कृषि मंत्री ने कृषि क्षेत्र में भंडारण सुविधाओं को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

साथ ही, वर्तमान में भारत में मिट्टी का कटाव, जैव विविधता की हानि, पानी की कमी, श्रमिकों की उपलब्धता में कमी और खाद्य उत्पादन में गिरावट जैसी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीक का उपयोग करना आवश्यक है। उन्होंने रोबोट के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने और कृषि की गुणवत्ता में सुधार पर जोर दिया। मंत्री ने कहा कि माइक्रो इरिगेशन, खाद्य तेल उत्पादन और कृषि उत्पादों में आत्मनिर्भरता भारत के सामने बड़ी चुनौतियां हैं, क्योंकि देश अभी भी खाद्य तेल के लिए अन्य देशों पर निर्भर है। इसके साथ ही, उन्होंने खेरथल के कृषि महाविद्यालय में डायवर्सिटी पार्क और सड़क निर्माण की घोषणा भी की। मंत्री वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय राजस्थान सरकार, संजय कुमार शर्मा ने कहा कि किसानों के बेटों को बेहतर कृषि शिक्षा प्रदान करने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में ई-लाइब्रेरी की सौगात को सरकार की सराहनीय पहल बताया। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने साधारण यूरिया की जगह नीम कोटेड यूरिया तैयार किया है, जो न केवल कृषि के लिए लाभकारी है, बल्कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को रोकने में भी मददगार साबित हो रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में 8 जिले हैं जिसके अधीन 15 कृषि महाविद्यालय, 8 कृषि विज्ञान केंद्र, एक कृषि अनुसंधान संस्थान ,दो कृषि अनुसंधान केंद्र व चार कृषि अनुसंधान उप केंद्र संचालित है ।

कृषि विज्ञान केन्द्र गुड़ामलानी में मनाया किसान दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गुड़ामालानी। कृषि विज्ञान केंद्र गुड़ामलानी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. बी.एल. मीणा ने सभी किसानों एवं महिलाओं का स्वागत करते हुए बताया कि पूरे देश में आज राष्टीय किसान दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर देशभर के किसानों के योगदान को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

दरअसल, भारत के पांचवें प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती के मौके पर हर साल यह खास दिन मनाया जाता है। चौधरी चरण सिंह को भारतीय किसानों की स्थिति में सुधार लाने का श्रेय दिया जाता है। खुद किसान परिवार से होने के कारण वह किसानों की समस्या और स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ होते थे, इसलिए उन्होंने किसानों के लिए कई सुधार कार्य किए थे। डॉ. मीणा ने प्राकृतिक खेती के मूल स्तम्भ जीवामृत, बीजामृत, जैविक पंचगव्य, केंचुआ खाद एवं वेस्ट डिकम्पोजर के आदि के बारे में बताया और सभी किसानों को खेती के नवाचारों एग्री ड्रोन के उपयोग, वर्मिकम्पोस्ट, एजोला, नेपियर घास, किचन गार्डन लगाने का किसानो से आव्हान किया । आर बी सिंह संयुक्त निदेशक कृषि विभाग बाड़मेर ने सभी किसानों को किसान दिवस की बधाई देते हुए बताया कि किसानों को कृषि विभाग की सभी योजनाओं की जानकारी देने के साथ वर्मिकम्पोस्ट के उपयोग करने की विस्तृत जानकारी दी। बिजलाराम चौहान, प्रधान, पंचायत समिति गुड़ामालानी ने किसानों का स्वागत करते हुए क्षेत्र के किसानों का केमिकल से होने नुकसानों से बचने के लिए जैविक खेती करने की सलाह दी, साथ ही इस तरह के कार्यक्रम करने के लिए केवीके की टीम को धन्यवाद दिया।

नि :शुल्क टैबलेट एवं साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित

प्रदेश सरकार शिक्षा के आधुनिकीकरण एवं उन्नयन के कृत संकल्पित-पटेल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को जोधपुर के लूणी विधानसभा क्षेत्र के राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय, पाल में निःशुल्क टैबलेट एवं साइकिल वितरण कार्यक्रम में शिरकत की।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा के आधुनिकीकरण एवं उन्नयन के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही हैं। 12 दिसंबर को जोधपुर में आयोजित रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने 4 हजार 10 स्कूलों में 8 हजार 20 स्मार्ट क्लास रूम, ई-पाठशाला एवं विद्या समीक्षा केन्द्र का शुभारंभ किया। इससे प्रदेश में अध्ययनरत विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

पटेल ने कहा रोजगार उत्सव में प्रदेश भर के 1 लाख 25 हजार छात्राओं को साइकिल, 75 हजार 325 विद्यार्थियों को व्यवसायिक टूल किट, 23 हजार 100 विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित की गई। जिससे उनका कौशल विकास और तकनीकी के प्रयोग से शैक्षणिक उन्नयन सुनिश्चित होगा।

बच्चों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना हमारा नैतिक दायित्व

पटेल ने कहा कि हमारा नैतिक दायित्व है कि विद्यालयों में बच्चों को मूलभूत सुविधाएं मिले। बजट में प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में शिक्षा एवं शिक्षण के अनुकुल वातावरण विकसित करने के लिए कक्षा-कक्ष,लैब्स, पुस्तकालय आदि के निर्माण के लिए 350 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही, 750 विद्यालयों के भवनों की मरम्मत के लिए 100 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। जिससे शिक्षण संस्थानों का अवसंरचनात्मक ढांचा सुदृढ़ होगा। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि बच्चों के प्रोत्साहन के लिए साइकिल, टैबलेट एवं स्कूटी का समयबद्ध वितरण सुनिश्चित किया जाए। पटेल विद्यालय के बच्चों से आत्मीयता से मिले एवं बच्चों से संवाद भी किया। इस अवसर पर राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय पाल में 21 छात्राओं को साइकिल एवं 8 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क टैबलेट का वितरण किया गया।

राजसखी राष्ट्रीय मेले का आयोजन 30 तक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत भारत सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से, राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा जवाहर कला केन्द्र में संचालित सरस राज सखी राष्ट्रीय मेला 2024 का अवलोकन पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री (राज्य मंत्री) ओटा राम देवासी एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत द्वारा किया गया।

देवासी ने सरस मेले की सभी स्टालो का अवलोकन किया एवं विभिन्न राज्यों से आये स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया एवं उनके उत्पादों की सराहना की।

मुख्य सचिव ने कहा कि यह मेला ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का एक अहम प्रयास है, जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले में देशभर के 250 से अधिक भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) वाले उत्पादों और पारंपरिक शिल्प का शानदार संग्रह देखने को मिल रहा है।

सरस राज सखी राष्ट्रीय मेला एक अद्वितीय मंच है जहाँ विभिन्न राज्यों की महिला सदस्य अपने पारंपरिक हस्तशिल्प, हैंडलूम, खाद्य उत्पाद, और उन्नत तकनीकी उत्पादों का प्रदर्शन कर रही हैं। इस आयोजन में क्षेत्रवार मंडप स्थापित किए गए हैं, जिनमें प्रत्येक राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक कलाकृतियाँ और पारंपरिक उत्पाद प्रदर्शित हो रहे हैं। मेले में लगभग 300 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाएँ अपने उत्पादों का विक्रय कर रही हैं, जिसके अन्तर्गत हैण्डीक्राफ्ट, हैण्डलूम, खाद्य एवं उन्नत तकनीकी से बने हुए उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे है। इस आयोजन में सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ाते हुए अधिकांश राज्यों के फूड स्टॉल्स से सजे काउन्टर आगन्तुकों को पूरे भारत के पारम्परिक व्यंजनों का लुफ्त उठाने का अवसर प्रदान कर रहे है। राजसखी मेले में राजस्थान का दाल, बाटी, चूरमा, सिक्किम के मोमोज व ठुक्पा, आसाम के कोकोनट लड्डू, ब्लेक राईस खीर, मध्य प्रदेश के आलू पराठा, गरदु की टिक्की, गुजरात की मक्की की रोटी, उड़द की दाल, जम्मू कश्मीर का कहवा, तमिलनाडू के बेटरूट मल्ट, बोंडा और अन्य राज्यों के स्वादिष्ट व्यंजन बनाये जा रहे है। राजसखी राष्ट्रीय मेले में 2000 रूपये से अधिक खरीददारी करने वाले ग्राहकों को सुपर लक्की ड्रा के तहत ब्राण्ड न्यू कार एवं लक्की बायर अवार्ड के तहत प्रथम प्राईज एक्टिवा, द्वितीय प्राईज लेपटॉप एवं तृतीय प्राईज एप्पल आईफोन जीतने का सुनहरा अवसर मिलेगा। मेले का आयोजन 30 दिसम्बर तक किया जायेगा।

एयरपोर्ट से भी मिलेगी मेट्रो की सौगात, सरकार की कवायद तेज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सब कुछ सरकार की योजना के मुताबिक रहा तो जयपुर शहरवासियों को एयरपोर्ट से भी मेट्रो की सौगात मिल सकती है। इसके लिए राज्य सरकार ने अपने स्तर पर पूरी तैयारी कर ली है। अब बाकायदा फिजीबिलिटी तलाशी जा रही है, उच्च अधिकारी भी इस संबंध संभावित लागत भी निकाल रहे हैं। दरअसल राजस्थान में केवल जयपुर शहर में ही मेट्रो ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। मेट्रो का फेज एक ही संचालित है, अब फेज-2 की तैयारी शुरू कर दी है। नई सरकार बनने के बाद से ही फेज-2 को लेकर चर्चाएं तेज हैं और तैयारी में भी सरकार जुटी है।

मेट्रो फेज-2 की डीपीआर अपडेशन पर चर्चा

जयपुर मेट्रो के फेज-2 की डीपीआर अपडेशन, अन्य संभावित मार्गों पर मेट्रो संचालन की संभावना तलाशने, चयनित रास्तों की डीपीआर तैयार करने आदि के संबंध में शासन सचिवालय में नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने समीक्षा बैठक ली ।

इसलिए जोड़ा जाएगा एयरपोर्ट से मेट्रो ट्रेन रूट से

जयपुर एयरपोर्ट विशेषकर अंतर्राष्ट्रीय टर्मिनल-1 पर हर माह बड़ी संख्या में यात्री आते हैं। इन यात्रियों को मेट्रो की सुविधा मिले तो शहर की कनेक्टिविटी काफी हद तक बढ़ जाएगी। शहर में यातायात का दबाव भी कम होगा। इसलिए जयपुर एयरपोर्ट मेट्रो कनेक्टिविटी पर सरकार का इन दिनों पूरा फोकस है।

मेट्रो विस्तार पर चर्चा, संभावित लागत का लगे अनुमान

जयपुरवासियों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध मिले, इसके लिए सरकार जुटी है। इसे देखते हुए जयपुर मेट्रो को देश भर में मॉडल मेट्रो के रूप में विकसित किया जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रोजेक्ट में खर्च व लागत का समुचित आकलन किया जाए ताकि वित्तीय संसाधनों का सदुपयोग हो सके, साथ ही सभी स्टेक होल्डर्स के साथ समन्वय स्थापित कर गुणवत्ता एवं दिए गए समय सीमा के अनुरूप कार्य पूर्ण किए जाए ताकि आमजन के लिए बेहतर परिवहन सुविधा जल्द से जल्द उपलब्ध करवाई जा सके।

जी-22 ग्रुप की 25वीं सालगिरह पर प्रमोद शर्मा को किया सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जी-22 ग्रुप की 25वीं वर्षगांठ (रजत जयंती) के अवसर विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित किया इस अवसर पर 265 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया और 100 कंबल राजकीय हरिवंश कांवटिया अस्पताल में जरूरतमंद मरीजों के लिये बांटे गए। यह कार्य न केवल प्रशंसनीय है, बल्कि प्रेरणादायक भी है। इस अवसर पर जी-22 ग्रुप ने प्रमोद शर्मा को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। प्रमोद शर्मा लम्बे समय से समाज सेवा से जुड़े हुए हैं। उल्लेखनीय है कि कोरोना के समय भी इन्होंने जरुरतमंदों को अपनी सेवाएं जारी रखी थी। इस सम्मान के लिए इन्होंने ग्रुप के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया।

शनि की यह चाल 13 जुलाई 2025 से 28 नवंबर 2025 तक रहेगी प्रभाव हर राशि पर

नए साल में शनि होंगे वक्री, 30 साल बाद उल्टी चाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि ग्रह 30 साल बाद अपनी उल्टी चाल में प्रवेश करने वाला है। जिसे ज्योतिष में वक्री चाल भी कहा जाता है। शनि की यह चाल 13 जुलाई 2025 से 28 नवंबर 2025 तक रहेगी। शनि करीब 138 दिनों तक वक्री अवस्था में रहेंगे। इस दौरान कुछ राशियों पर शनि की कृपा विशेष रूप से बरसेगी और उन्हें अप्रत्याशित धन लाभ हो सकता है। इस उल्टी चाल का प्रभाव हर राशि पर अलग-अलग होगा, लेकिन कुछ राशियों के लिए यह बेहद शुभ साबित हो सकता है। ज्योतिष विद्वानों के अनुसार मकर, कुंभ और मिथुन राशि के जातकों के लिए शनि की वक्री चाल आर्थिक उन्नति के संकेत दे रही है। शनि की वक्री चाल के दौरान लाभ पाने के लिए शनिदेव की पूजा और दान करना बेहद लाभकारी माना जाता है। ऐसे में जरूरतमंदों को काला तिल, काले कपड़े और सरसों का तेल दान कर सकते हैं।

कृति शर्मा बनी स्टेट टॉपर

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** कृति शर्मा ने दिल्ली पब्लिक स्कूल के सत्र 2023-24 में स्टेट टॉपर स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए कृति शर्मा को संस्था ने 83 हजार 238 रुपए का चेक, ट्रॉफी एवं एक्स्ट्रा आर्डिनरी अचीवमेंट देकर सम्मानित किया है। इस उपलब्धि पर कृति के पिता राहुल एवं माता रितु शर्मा ने हर्ष व्यक्त किया है। वहीं कृति के नाना समाजसेवी नगेन्द्र वशिष्ठ ने खुशी में अपने मित्रगणों का मुंह मीठा कराया।

संत गाडगे महाराज जी की 68वी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि और दूध वितरण कार्यक्रम आयोजित

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** संत गाडगे महाराज जी की 68वी पुण्यतिथि पर श्री धोबी युवा शक्ति मंच राजस्थान व विश्व रजक महासंघ राजस्थान के तत्वधान में छोटी चौपड़ पर संत गाडगे बाबा के उपदेश नशामुक्ति, शिक्षा, संगठित एवं संघर्ष को ध्यान में रखते हुए पुष्पांजलि व दूध वितरण कार्यक्रम 20 दिसम्बर को सायं 6बजे आयोजित किया गया। इसमें 168 किलो दूध का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पधारे समाज के गणमानिय व्यक्ति राजेंद्र पंवार, राजेश तंवर, सुरेश धोलीवाल, रामजी लाल जी, मोहन पंवार,सीताराम नारनौलिया, गोपाल राम वर्मा, नवनीत गढ़वाल, रोहित दिवाकर सत्यादि ने दूध वितरण किया।

ओझा होंगे सी सी आई के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय उपभोक्ता परिसंघ सी सी आई में उपभोक्ता आंदोलनकारी रमेश ओझा को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। परिसंघ के मुख्य संरक्षक डॉ अनंत शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष मुकेश वैष्णव ने ओझा को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी देते हुए प्रदेश में उपभोक्ता आंदोलन को सशक्त बनाने के निर्देश दिए हैं द्य उपभोक्ता संरक्षण अभियान में लंबे समय से सक्रिय ओझा विभिन्न सामाजिक संगठन और गतिविधियों से भी जुड़े हुए हैं। ओझा ऑल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सचिव की जिम्मेदारी के साथ के राजस्थान ब्राह्मण महासभा के प्रदेश प्रचार मंत्री के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। ओझा विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ ही आव्हान संस्थान के संरक्षक, कंज्यूमर कमेटी राजस्थान के सचिव एवं जयपुर के वैशाली नगर में विकास समिति में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को लंबे समय से निर्वहित कर रहे हैं। ओझा के मनोनयन पर उपभोक्ता संगठन प्रतिनिधियों, ब्राह्मण फेडरेशन व राजस्थान ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

बियानी गर्ल्स कॉलेज द्वारा '19वीं इंडो-जापान अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस–बायकॉन-2024' आयोजित

प्रौद्योगिकी, ज्ञान और नवाचारों से युवा 'विकसित भारत' की ओर आगे बढ़े-राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस और माहेश्वरी समाज एजुकेशन कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 4 दिवसीय 19वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस BICON 2024 का समापन भी उतनी ही गर्मजोशी, नवाचार, ऊर्जा और उत्साह के साथ हुआ। इस वर्ष का मुख्य विषय "शेपिंग टुमॉरोज़ वर्ल्ड, एजुकेशन, कोलैबोरेशन, और कंप्लायंस एक्रॉस बॉर्डर्स" था, जिसमें शिक्षा, कानून, और मानविकी के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई। चैयरमेन डॉ. राजीव बियानी और एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी व प्राचार्य डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल के सानिध्य और सहयोग से रिसर्च एंड डेवलेपमेंट डायरेक्टर डॉ. मनीष बियानी की अध्यक्षता में एक बार फिर यह चार दिवसीय कॉन्फ्रेंस सम्पन्न हुई।

इस विशेष अवसर पर, BICON 2024 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के समापन दिवस पर माननीय महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ,राजस्थान यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर प्रोफेसर अल्पना कटेजा एवं हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्विद्यालय की वाइस चांसलर डॉ. सुधी राजीव शिरकत की। जिससे कार्यक्रम में सकारात्मकता और ऊर्जा का माहौल बन गया।

महामहिम ने उपस्थित गणों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालयों में बाहरी प्रोफेसर्स को आमंत्रित कर उनके अनुभव साझा करने की पहल के लिए बियानी ग्रुप की सराहना की। उन्होंने इसे विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होनें गत बीस वर्षो से भारत व जापान के मध्य रिसर्च, एज्यूकेशन में विशिष्ट कार्यो के लिए डॉ. मनीष बियानी की सराहना की। उन्होनें वेदो उपनिषदों व भारतीय शोध के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की। उन्हानें बताया कि मेकॉले शिक्षा पद्दति को न्यू एज्यूकेशन पॉलिसी से बदल दिया गया है। भारतीय सन्सकृति व मूल्यों को इसमें शामिल कर लिया गया है। सभी की उपस्थिति में एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी ने सभी का स्वागत किया और कांफ्रेंस में आने और अपना कीमती समय देने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। साथ ही रिसर्च एंड डेवलेपमेंट डायरेक्टर डॉ. मनीष बियानी ने जापान और इंडिया के सौहार्द के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम के बारे मे बताया ।

बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के एकेडमिक डायरेक्टर, डॉ. संजय बियानी ने जीवन और प्रेम के महत्व पर गहन विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि सच्चा संचार हमेशा दिल से किया जाना चाहिए। श्रीकृष्ण के विचारों का उद्धरण देते हुए उन्होंने कहा, "प्रेम में कभी कमियां दिखाई नहीं देतीं, और द्वेष में अच्छाइयाँ नजर नहीं आतीं।" डॉ. बियानी ने प्रेम को तनाव कम करने और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का एक प्रभावशाली माध्यम बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. राजेश (डिपार्टमेंट ऑफ एडल्ट कंटीन्यूइंग एजुकेशन एंड एक्सटेंशन, दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. सुरेश कुमार (अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. सोनू शिवा (अंग्रेजी विभाग, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर), और डॉ. रीना तिवारी (एसोसिएट प्रोफेसर, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, देहरादून) उपस्थित रहें। कार्यक्रम का समापन परेड, राष्ट्रगान और बैलून सेरेमनी के साथ किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. राजेश (डिपार्टमेंट ऑफ एडल्ट कंटीन्यूइंग एजुकेशन एंड एक्सटेंशन, दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. सुरेश कुमार (अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. सोनू शिवा (अंग्रेजी विभाग, महाराजा गंगा सिंह विवि, बीकानेर), और डॉ. रीना तिवारी (एसोसिएट प्रोफेसर, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, देहरादून) के अलावा दिल्ली यूनिवर्सिटी के एडल्ट कंटीन्यूइंग एजुकेशन एंड एक्सटेंशन विभाग के प्रो. राजेश, दिल्ली यूनिवर्सिटी के अफ्रीकी अध्ययन विभाग के प्रोफेसर डॉ. सुरेश कुमार,प्रो. सोनू शिवा (महाराजा गंगा सिंह विवि, बीकानेर), डॉ. रीना तिवारी (डी.ए.वी. कॉलेज, देहरादून), डॉ. रोहित बजाज (जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली) ने भी अपने विचार रखें।

सरस राजसखी मेला 2024

महिलाओं को सशक्त बनाने में अहम योगदान-डॉ. किरोडी लाल मीणा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) द्वारा जवाहर कला केंद्र जयपुर में संचालित सरस राजसखी मेला 2024 का अवलोकन करते हुए कहा कि सरस मेलों का ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने में अहम योगदान है। इन मेलों में देश की ग्रामीण महिलाएं अपने हाथों से निर्मित शोपीस आइटम बेचती है।

मेले में डॉ. किरोडी लाल ने सरस मेले की सभी स्टालों का अवलोकन किया एवं विभिन्न राज्यों से आए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया और उनके उत्पादों की सराहना की। मेले में 250 से अधिक जीआई टैग उत्पादों की करीब 400 स्टॉल लगी हुई है। उन्होंने कहा कि सरस मेले राजीविका दीदियों द्वारा निर्मित शिल्पकला, एंब्रॉयडरी, जैविक उत्पाद, घर का साजङ्कसामान एवं खाने पीने से संबंधित उत्पादों को एक स्थान पर खरीदारी करने का अवसर प्रदान करता है। ये मेले पारंपरिक भारतीय कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि मेले में विभाग द्वारा पैकेजिंग, ब्रांडिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग और वित्तीय प्रबंधन जैसे विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जा रहा है जिससे की राजीविका महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा उत्पाद बेचने के अवसर उपलब्ध हो सके।

सरस मेले में रविवार को नेशनल क्रेडिट कोर के 70 कैडेटों ने भी अवलोकन किया और खरीददारी कर मेले का लुफ्त उठाया। इसके साथ ही अजमेर एवं अलवर जिले से आई स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा भी मेले का भ्रमण किया गया एवं भविष्य में मेले में अपने उत्पादों के साथ सहभागिता निभाने की मनसा जाहिर की गई।

यह मेला ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का एक अहम प्रयास है, जिसमें स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाओं के हस्त निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया जाता है। मेले में देशभर के 250 से अधिक भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग वाले उत्पादों और पारंपरिक शिल्प का शानदार संग्रह देखने को मिल रहा है। सरस राज्य सखी राष्ट्रीय मेला एक अद्धितीय मंच है, जहां विभिन्न राज्यों की महिला सदस्य अपने पारंपरिक हस्तशिल्प, हैंडलूम, खाद्य उत्पाद और उन्नत तकनीकी उत्पादों का प्रदर्शन कर रही है। इस आयोजन में क्षेत्रवाद मंडप स्थापित किए गए हैं, जिनमें प्रत्येक राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक कलाकृतियां और पारंपरिक उत्पाद प्रदर्शित हो रहे हैं।

सम्पादकीय

मर्यादा के खिलाफ

संसद का शीतकालीन सत्र विवादों और टकराव के बीच समाप्त हुआ। संविधान पर बहस, राज्यसभा सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव, 'एक देश, एक चुनाव' जैसे मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने रहे। अडानी और सोरोस प्रकरण पर आरोप-प्रत्यारोप और अंत में आंबेडकर पर टिप्पणी को लेकर तीखी नोकझोंक हुई, जिससे संसद में धक्का-मुक्की तक की नौबत आ गई। पिछले महीने की 15 तारीख से शुरू हुआ संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त होते-होते ऐसे विवाद, मुद्दे और टकराव के बिंदु छोड़ गया, जिसकी छाप आगे भी संसदीय कार्यवाही पर दिखते रहने के आसार हैं। सच है कि इस सत्र के दौरान दोनों सदनों में गंभीर बहस के कुछ अच्छे पल भी आए, लेकिन ज्यादातर समय सत्ता पक्ष और विपक्ष का टकराव ही हावी रहा। संविधान पर दोनों सदनों में चली लंबी बहस तीखी जरूर रही, लेकिन यह ज्यादातर शांतिपूर्ण रही और इसमें आरोप-प्रत्यारोप के साथ ही कई गंभीर मुद्दे भी उठे। जहां नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देश के संविधान में निहित भारतीय परंपरा के शाश्वत तत्वों और आजादी की लड़ाई से मिली सीखों को रेखांकित किया, वहीं सत्ता पक्ष ने इमर्जेंसी काल की याद दिलाते हुए बताया कि संवैधानिक मूल्यों के उल्लंघन को देश ने कभी स्वीकार नहीं किया। इस बहस में दोनों पक्षों ने संवैधानिक पवित्रता के प्रति निष्ठा की वकालत की। संसद के इस सत्र के नाम एक यह रेकॉर्ड भी आया कि इतिहास में पहली बार राज्यसभा के सभापति के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया गया। हालांकि यह प्रस्ताव उपसभापति ने तकनीकी और प्रक्रियागत वजहों से खारिज कर दिया, लेकिन इससे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच की बढ़ती हुई दूरी जरूर रेखांकित हुई।

यह प्रकरण भी इस बात के एक उदाहरण के ही रूप में दर्ज हुआ कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के नजरिए में जो अंतर है, उसे पाटने की कोई खास कोशिश किसी तरफ से नहीं हो रही। विपक्ष के विरोधी रुख से अच्छी तरह वाकिफ होते हुए भी सरकार यह बिल लेकर आई, हालांकि इसे पास कराने के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत फिलहाल उसके पास नहीं है। जाहिर है, इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजकर भी सरकार ने देशवासियों को यह संदेश देना जरूरी समझा कि इस मुद्दे पर वह कोई समझौता नहीं करने वाली। इस पूरे सत्र के दौरान दोनों सदनों में अदाणी और जॉर्ज सोरोस के सहारे सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे पर हमले करने और संसद का कामकाज ठप करने को लेकर जैसे एक-दूसरे से होड़ करते रहे। फिर भी, आखिर के दो दिन संसद भवन में जिस तरह के दृश्य दिखे, उनकी शायद ही किसी ने कल्पना की होगी। बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर की गई गृहमंत्री की एक टिप्पणी पर विपक्ष ने तो संसद के अंदर और बाहर तूफान खड़ा करने में कोई कसर नहीं ही छोड़ी, सत्तापक्ष ने भी इसका जवाब देने में नए कीर्तिमान स्थापित किए। नतीजे धक्का-मुक्की, ICU में भर्ती और FIR के रूप में सामने आए, जो संसदीय लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न जोखिम और संकट की गंभीरता के बीच एक संबंध है। वैश्विक स्तर पर आपात स्थितियों में स्कूल न जाने वाले लगभग 83 फीसदी बच्चे और स्कूल जाने वाले लेकिन पढ़ाई से वंचित रहने वाले लगभग 75 प्रतिशत बच्चे ऐसे देशों में रहते हैं, जिनका जलवायु परिवर्तन जोखिम सूचकांक वैश्विक औसत मूल्य 6.4 से अधिक है।

संकट से जूझती दुनिया में शरणार्थी बच्चों की शिक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

दुनिया के आधे से अधिक शरणार्थी बच्चे 18 साल से कम उम्र के हैं और बहुत मुश्किल हालात में जी रहे हैं। इनमें से अधिकतर के घर लौटने की उम्मीद भी कम है। विभिन्न तरह के संकटों से जूझ रही दुनिया में शरणार्थी बच्चों की शिक्षा का मुद्दा बहुत जरूरी है।

इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी की ओर से हाल ही में जारी एक रपट कहती है कि फरवरी, 2022 से यूक्रेन और रूस में युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन के लगभग दो-तिहाई बच्चों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। एक अनुमान के अनुसार, यूक्रेन में चार मिलियन बच्चों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है और 1,300 से अधिक स्कूल नष्ट हो गए हैं। इसी तरह के हालात रूस के कुछ क्षेत्रों में भी दिखाई देते हैं, जो इस बात की तस्दीक करते हैं कि युद्ध के बाद दोनों देशों में बचपन संकटग्रस्त है। एक अनुमान के अनुसार, संकटों से प्रभावित दुनिया में करीब 224 मिलियन बच्चों को शैक्षिक सहायता की आवश्यकता है, जिनमें 72 मिलियन से अधिक ऐसे बच्चे शामिल हैं, जो स्कूल नहीं जा सकते। जो लोग सीखना जारी रख सकते हैं, उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

इसी तरह साल 2023 में जारी किए गए एक वैश्विक अध्ययन में पाया गया है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता वाले संकटग्रस्त बच्चों की संख्या बढ़ रही है। अध्ययन यह भी दर्शाता है कि समस्या केवल पहुंच की नहीं है, बल्कि गुणवत्ता की भी है। संकटग्रस्त आधे से अधिक बच्चे शिक्षा में न्यूनतम दक्षता भी हासिल नहीं कर पा रहे हैं। इस अध्ययन में सभी के लिए समावेशी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बात कही गई है। अध्ययन में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि संकटों में बेहतर सीखने के परिणामों को सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा महत्वपूर्ण है। वहीं सामूहिक कार्रवाई के लिए वैश्विक भलाई के रूप में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की तत्काल आवश्यकता वाले संकटग्रस्त बच्चों पर डाटा अंतराल को भरने की जरूरत है। हालांकि इस दिशा में प्रयास उतने नहीं हो पा रहे हैं, जितने कि होने चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि स्कूल जाने योग्य 7.1 मिलियन शरणार्थी बच्चों में से 3.7 मिलियन (आधे से अधिक) बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं। स्टेपिंग अपः रिफ्यूजी एजुकेशन इन क्राइसिस नामक रिपोर्ट से पता चलता है कि जैसे-जैसे शरणार्थी बच्चे बड़े होते हैं, उन्हें शिक्षा तक पहुंचने से रोकने वाली बाधाओं को दूर करना

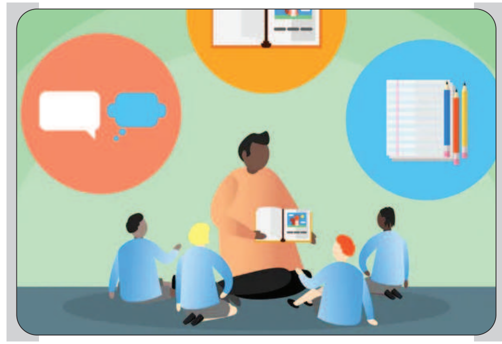

कठिन होता जाता है। केवल 63 प्रतिशत शरणार्थी बच्चे प्राथमिक विद्यालय जाते हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह 91 प्रतिशत है। दुनिया भर में 84 प्रतिशत किशोरों को माध्यमिक शिक्षा मिलती है, जबकि केवल 24 प्रतिशत शरणार्थियों को ही यह अवसर मिलता है। यूएनएचसीआर का कहना है कि स्कूल वह जगह है, जहां शरणार्थियों को दूसरा मौका मिलता है। शरणार्थियों को उनके भविष्य में निवेश करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान विकसित करने का अवसर न देकर उन्हें विफल किया जा रहा है, जो कि नहीं होना चाहिए।

रिपोर्ट कहती है कि शरणार्थियों को अनौपचारिक समानांतर स्कूलों में जाने के बजाय राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली में शामिल किया जाना चाहिए और उन्हें प्री-प्राइमरी, प्राइमरी और सेकेंडरी स्कूल के माध्यम से औपचारिक, मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम का पालन करने की अनुमति दी जानी चाहिए। इससे उन्हें मान्यता प्राप्त योग्यताएं मिलेंगी, जो विश्वविद्यालय या उच्च व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए उनके लिए स्प्रिंगबोर्ड हो सकती हैं। भले ही शरणार्थी किशोर बाधाओं को पार करके माध्यमिक विद्यालय तक पहुंच जाते हैं, लेकिन केवल तीन प्रतिशत ही इतने भाग्यशाली होते हैं कि उन्हें किसी प्रकार की उच्च शिक्षा मिल पाती है। यह वैश्विक आंकड़ा 37 प्रतिशत के मुकाबले बहुत कम है। दुनिया भर के शरणार्थी बच्चों की शिक्षा का मुद्दा बहुत जरूरी है। 2018 के अंत तक दुनिया भर में 25.9 मिलियन से ज्यादा शरणार्थी थे, जिनमें से 20.4 मिलियन यूएनएचसीआर के अधीन थे। उनमें से लगभग आधे 18 साल से कम उम्र के थे और लाखों लोग लंबे समय से मुश्किल हालात में जी रहे थे। इनके घर लौटने की उम्मीद भी कम थी। वहीं संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में चौंका देने वाले आंकड़े दर्शाते हैं कि संकट प्रभावित स्कूली उम्र के ऐसे बच्चों की संख्या बढ़ रही है, जिन्हें शैक्षणिक समर्थन की आवश्यकता है। इस रिपोर्ट के अनुसार, जरूरतमंद बच्चों की संख्या वर्ष 2016 में साढ़े सात करोड़ से बढ़कर अब 22 करोड़ 20 लाख तक पहुंच गई है। रिपोर्ट कहती है कि आपात हालात और लंबे समय से चले आ रहे संकट प्रभावित इलाकों में शिक्षा के लिए इन 22 करोड़ से अधिक लड़के-लड़कियों में सात करोड़ 82 लाख बच्चे स्कूल से बाहर हैं। लगभग 12 करोड़ बच्चे स्कूल में उपस्थिति के बावजूद गणित या पढ़ने में न्यूनतम कौशल हासिल नहीं कर पा रहे हैं। संकटों के असर से जूझ रहे हर 10 में से केवल एक बच्चा ही प्राथमिक या माध्यमिक स्तर पर वास्तविकता में निपुणता मानकों पर खरा उतर पा रहा है। संकट प्रभावित इलाकों में हिंसक टकराव, विस्थापन और जलवायु व्यवधान भविष्य के लिए उनके सपनों को छीनने का काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट के विश्लेषण के अनुसार, स्कूल से वंचित होने वाले 84 प्रतिशत बच्चे लंबे समय से जारी संकटों से प्रभावित इलाकों में रह रहे हैं। इनमें अफगानिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, इथियोपिया, माली, नाइजीरिया, पाकिस्तान, सोमालिया, दक्षिण सूडान, सूडान और यमन समेत अन्य देश हैं। यूएन का कहना है कि जरूरतें कभी भी इतनी विशाल और इतनी तात्कालिक नहीं रही हैं। कोविड के कारण निर्धनतम परिवारों में शिक्षा का नुकसान अधिक हुआ है। साथ ही वे समुदाय भी प्रभावित हुए हैं, जो पहले से ही शिक्षा में पिछड़ रहे थे। इन दोनों श्रेणियों में आम तौर पर संकट प्रभावित इलाकों में रहने वाले बच्चे आते हैं। यूएन का कहना है कि संकट प्रभावित बच्चों के बुनियादी अधिकारों की रक्षा हर हाल में करनी ही होगी। इनमें न्यायोचित, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार शामिल है। हम सभी को शिक्षा को हर स्थान पर हर बच्चे की पहुंच में रखने के प्रयास करने होंगे।

एजुकेशन कैन नॉट वेट (ईसीडब्ल्यू) की रिपोर्ट कहती है कि संकटग्रस्त देशों में केवल 25 मिलियन बच्चे ही स्कूल में हैं और न्यूनतम दक्षता स्तर प्राप्त कर रहे हैं। इन देशों में जबरन विस्थापित आबादी में स्कूल न जाने वाले बच्चों की दर चिंताजनक रूप से उच्च बनी हुई है, जो स्कूली आयु वर्ग के बच्चों के लिए लगभग 58 प्रतिशत है।

कार्यस्थल पर लैंगिक असमानता की चुनौती

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

एक रिपोर्ट के अनुसार, 53% महिला कर्मचारी मानते हैं कि वे पुरुषों की तुलना में कम वेतन प्राप्त करती हैं और 47% महिलाएं कहती हैं कि उन्हें पुरुषों के मुकाबले कम प्रोन्नति मिलती है। इन चुनौतियों का सामना करते हुए, कई महिलाएं अपने कैरियर को आगे बढ़ाने और अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने में सफल होती हैं। लेकिन इस प्रक्रिया में उन्हें कई बार व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

भारतीय समाज में कार्यरत महिलाएं आज एक अभूतपूर्व संघर्ष का सामना कर रही हैं। एक ऐसी व्यवस्था में जहां पारंपरिक और आधुनिक मूल्य लगातार टकरा रहे हैं, इन महिलाओं को पेशेवर सफलता और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच एक असंभव संतुलन बनाने की चुनौती दी जा रही है। आज के आधुनिक समाज में, कार्यरत महिलाएं देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। हालांकि, उनके सामने कई स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां हैं जो उनके मानसिक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण को प्रभावित करती हैं। कार्यस्थल और घरेलू जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखना महिलाओं के लिए एक बड़ी मानसिक चुनौती है। कार्यस्थल पर हो रहे भेदभाव के कारण महिलाएँ के ऊपर दिन प्रतिदिन दबाव बढ़ता ही जा रहा है, लगातार कार्य दबाव, परफॉर्मेंस के प्रति चिंता, और घर-काम के बीच संतुलन बनाने की कोशिश उनमें तनाव और अवसाद पैदा करती है। महिलाएँ जब भी अपनी मेहनत से कार्य को अच्छा करती है उन्हें किसी ना किसी मापदंडों पे तौला जाता है जैसे की वह अपने परिवार और बच्चों का ध्यान सही से नहीं रखती है, उसके चरित्र पर कई सवाल खड़े कर दिये जाते है जब भी वह काम लेट आती है। पुरषों के लिये ये कहना बहुत आसान होता है कि तुमसे ये काम नहीं हो पाएगा, तुम इस कार्य को नहीं कर पाओगी जबकि वो कभी यह नहीं समझ पाते है कि महिलाए कितनी जिम्मेदारियों के तले दबी होती है। वास्तव में महिलाएँ, पुरषों की अपेक्षा बहुत अधिक कार्य करती है लेकिन ये उन्हें बताया नहीं जाता है, बल्कि उन्हें हमेशा नीचा ही दिखाया गया है। आज भी जब किसी बड़े पद की बात होती है तो वहाँ पर पुरषों की प्रधानता देखी गई है। जबकि ये हम सब जानते है कि श्रम की चोरी अगर किसी के साथ दिखाई गई है तो वो महिलाए ही है, उनके श्रम का हिसाब कोई नहीं दे सकता है क्यूकी उनके घरेलू कार्यों को, बच्चा संभलने का कार्य, परिवार संभालने का कार्य कभी भी सूचित नहीं किया जाता है।

लंबे कार्य घंटे, बैठकर काम करना, और अनियमित दिनचर्या महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। कमर दर्द, गर्दन में दर्द, मोटापा, और नींद की कमी जैसी समस्याएं आम हैं। इसके अलावा, रात की शिफ्ट, यात्रा, और कार्यस्थल पर असुरक्षित वातावरण उनके स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त जोखिम पैदा करते हैं। सामाजिक स्तर पर, कार्यरत महिलाओं को अभी भी पारंपरिक सामाजिक मान्यताओं और रूढ़िवादी सोच का सामना करना पड़ता है। कार्यस्थल पर लैंगिक भेदभाव, यौन उत्पीड़न, और पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ काम के बोझ को संतुलित करने की चुनौतियां उनके सामाजिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। नवीनतम स्वास्थ्य सर्वेक्षणों से पता चलता है कि कार्यरत महिलाओं में तनाव से संबंधित बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के अध्ययन के अनुसार, 35-45 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं में से लगभग 62 फ़ीसदी मानसिक तनाव और शारीरिक थकान से जूझ रही हैं।

आधुनिक भारत में, महिलाएं कारोबार, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नौकरशाही और कई अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। लेकिन जैसा कि प्रस्तुत आंकड़े दर्शाते हैं, कार्यस्थल पर महिलाओं के सामने कई चुनौतियां हैं जो उनके मानसिक, शारीरिक और सामाजिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। भारतीय समाज में अभी भी महिलाओं को कम दर्जे की मानसिकता का सामना करना पड़ता है। कार्यस्थल पर उन्हें कई बार असमान व्यवहार और भेदभाव का सामना करना पड़ता है। यह दोहरा दबाव महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विनाशकारी प्रभाव डाल रहा है। एक महिला को न केवल अपने कार्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होता है, बल्कि घर पर एक आदर्श प%ी, माता और बहू की भूमिका भी निभानी होती है। यह निरंतर दबाव अवसाद, चिंता विकार और भावनात्मक थकान को जन्म दे रहा है। इसके अतिरिक्त, यौन उत्पीड़न एक गंभीर समस्या है जिसका सामना कई महिला कर्मचारी करती हैं। ऐसी घटनाएं न केवल उनके मनोबल को गिराती हैं, बल्कि उनकी कार्यक्षमता और कैरियर प्रगति को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। महिलाएं घर और कार्यस्थल के बीच संतुलन बनाने में लगातार संघर्ष करती हैं। घरेलू जिम्मेदारियों और कार्यस्थल की मांगों को एक साथ निभाना उन्हें कई बार तनाव और थकान का सामना करना पड़ता है। इससे उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। इस तरह की दोहरी भूमिकाएं पुरुष कर्मचारियों के मुकाबले महिलाओं के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण हैं। एक सरकारी अध्ययन के अनुसार, भारत में कार्यरत महिलाओं में से 38 फ़ीसदी ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का सामना किया है। इसके अतिरिक्त, एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, 53 फ़ीसदी महिला कर्मचारी मानते हैं कि वे पुरुषों की तुलना में कम वेतन प्राप्त करती हैं और 47 फ़ीसदी महिलाएं कहती हैं कि उन्हें पुरुषों के मुकाबले कम प्रोन्नति मिलती है। इन चुनौतियों का सामना करते हुए, कई महिलाएं अपने कैरियर को आगे बढ़ाने और अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने में सफल होती हैं। लेकिन इस प्रक्रिया में उन्हें कई बार व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। एक महिला के जीवन में कभी भी आराम नहीं होता सुबह पांच बजे उठकर वह पहले घर के काम निपटाती - बच्चों के लिए टिफिन बनाना, पति के लिए नाश्ता तैयार करना, और फिर घर की सफाई। उसके बाद दफ्तर के लिए तैयार होकर वह काम करती है । कार्यालय में भी उसका दिन तनाव और काम के दबाव में बीतता। प्रोजेक्ट के लगातार डेडलाइन, बॉस की अपेक्षाएं, और कभी-कभी रात में भी काम करने की मजबूरी।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

उन्हीं की सत्ता से प्रतीत हो रहा है, वे ही इसमें व्याप्त हो रहे हैं, और स्वयं वे हो इसके रूप में प्रकट हो रहे हैं। यह सब होने पर भी वे इस संसार और इसके कारण प्रकृति से सर्वथा परे हैं। यह विश्व प्रपंच उन्हीं की माया से उनमें अध्यस्त है। यह कभी प्रतीत होता है तो कभी नहीं, परन्तु उनकी दृष्टि ज्यों की त्यों एकसी रहती है। वे इसके साक्षी है और उन दोनों को ही (विश्व प्रपंच और माया) देखते रहते है। वे सबके मूल है और अपने मूल भी वही है। कोई दूसरा उनका कारण नहीं है। वे ही समस्त कार्य और कारणों से अतीत है। पलय के समय लोक, लोकपाल और इन सबके कारण सम्पूर्ण रूप से नष्ट हो जाते हैं। उस समय केवल अत्यंत घना और गहरा अंधकार ही अंधकार रहता है। परन्तु अनंत परमात्मा उससे सर्वथा परे विराजमान रहते हैं। उनकी लीलाओं का रहस्य जानना बहुत ही कठिन है। वे नट की भांति अनेकों वेष धारण करते हैं। उनके वास्तविक स्वरूप को न तो देवता जानते हैं और न ऋषि ही। कोई भी उसका वर्णन नहीं कर सकता। जिनके परम मंगलमय स्वरूप का दर्शन करने केलिए महात्मागण संसार की समस्त आसक्तियों का त्याग कर देते हैं, बह्मचर्य आदि अनेक व्रतों का पालन करते हैं तथा अपने आत्मा को सबके हृदय में ... **क्रमशः**

ओपिनियन

एक राष्ट्र-एक चुनाव : अवसर और चुनौतियां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

राम शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

मोदी सरकार ने बहुप्रतीक्षित और बहुचर्चित 'एक राष्ट्र–एक चुनाव' विषयक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में गत दिनों पेश कर दिया। ये विधेयक पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति की सिफारिशों के बाद लाया गया। फिलहाल इस बात की संभावना है कि सरकार इसे जेपीसी में भेजे दें। सरकार के लिए यह बिल पास करना चुनौतिपूर्ण होगा, क्यों कि संविधान संशोधन विधेयक होने के कारण इसे राज्यों की विधानसभाओं में भी पारित करना होगा। इधर, बिल पेश होते ही राजनीतिक दल अपने अपने नफे नुकसान का जोड़ भाग लगाने लगे हैं। जहां तक 'एक राष्ट्र– एक चुनाव' की अवधारणा की बात है। देश के समक्ष इसके अवसर और चुनौतियां दोनों ही है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव एक सतत प्रक्रिया है। लोकसभा चुनाव खत्म होते हैं तो विधानसभा चुनाव, फिर शहरी निकायों के चुनाव और ग्राम पंचायतों के चुनाव। इस प्रकार राजनेता फुल टाइम चुनाव में व्यस्त रहते हैं। सरकारी मशीनरी भी आए दिन आचार संहिता की चपेट में आ जाती है। इसके नाम पर नौकरशाही हावी हो जाती है और आम जनता के जो काम सहजता से हो सकते है, वे भी नहीं हो पाते। इसलिए एक एकीकृत राष्ट्रीय चुनाव प्रक्रिया पर लंबे समय से विचार हो रहा था। इस एकीकृत चुनाव प्रक्रिया को ही आमतौर पर 'एक राष्ट– एक चुनाव' के रूप में जाना जाता है।

'एक राष्ट्र– एक चुनाव' देश के लिए अवसर और चुनौती दोनों ही है। इसका सबसे बड़ा लाभ आर्थिक बचत है। भारत में नियमित आधार पर चुनाव होने से इस पर बहुत ज्यादा सार्वजनिक धन का व्यय होता है। इन चुनावों को एक साथ कराकर सरकार लाखों करोड़ रुपए बचा सकती है, जिसका एक बड़ा हिस्सा विकास गतिविधियों की ओर लगाया जा सकता है।

भारत में लगभग हर साल अलग-अलग स्तरों पर चुनाव होते हैं, जिससे मतदाता भी उदासीन हो जाते हैं। मतदाता, उम्मीदवार और राजनीतिक दल अक्सर लगातार प्रचार के चक्र में फंस जाते हैं। एक साथ चुनाव कराने से इस उदासीनता को कम करने में मदद मिल सकती है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि चुनावी गतिविधियाँ अधिक केंद्रित हों और शासन के लिए कम व्यवधानकारी हों। इसके अतिरिक्त, इससे मतदाता मतदान में वृद्धि हो सकती है, क्योंकि जब चुनाव सुव्यवस्थित और कम अव्यवस्थित तरीके से आयोजित किए जाते हैं, तो लोगों के मतदान करने की संभावना अधिक होती है।

प्रशासनिक संसाधनों का कुशल उपयोगः चुनावों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशासनिक संसाधनों की आवश्यकता होती है, जिसमें चुनाव अधिकारी, मतदान केंद्र और सुरक्षा कर्मी शामिल हैं। एक साथ सभी चुनाव कराकर, इन संसाधनों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। बदले में, यह चुनाव प्रर्ि या को सुव्यवस्थित करेगा, लोक प्रशासन पर दबाव कम करेगा और चुनाव-संबंधी कार्यों की गुणवत्ता में सुधार करेगा।
बढ़ी हुई शासन स्थिरताः जब लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाते हैं, तो राजनीतिक उतार चढ़ाव में गिरावट आती है। इससे अधिक स्थिर शासन हो सकता है क्योंकि चुनावी जनादेश एकीकृत होते हैं। एक मजबूत राष्ट्रीय जनादेश संभावित रूप से राज्य-स्तरीय नेतृत्व को मजबूत कर सकता है, और इसके विपरीत, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहज समन्वय सुनिश्चित कर सकता है।
राष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यानः एक साथ चुनाव कराने से, इस बात की अधिक संभावना है कि राष्ट्रीय मुद्दे राजनीतिक चर्चा पर हावी होंगे। वर्तमान में, राज्य चुनावों का ध्यान अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों पर केंद्रित होता है जो राष्ट्रीय चर्चा के लिए प्रासंगिक नहीं हो सकते हैं। एक साथ चुनाव कराने से राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर व्यापक ध्यान केंन्द्रित होगा। हालांकि कांग्रेस सहित विपक्षी दल इसी बात से चिंतित है कि मतदाता संसदीय और विधानसभा चुनाव में अलग अलग मानसिकता से वोट करता है। एक साथ चुनाव होने से स्थानीय मुद्दे गौण हो जाएंगे, जिसका लाभ अंततः केन्द्र में सत्तारूढ दल को मिलेगा।
एक राष्ट्र- एक चुनाव में आने वाली चुनौतियांः भारत के संविधान में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए अलग-अलग चुनाव चर ों की कल्पना की गई है, और इस ढांचे को संशोधित करने के लिए महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता होगी। राज्यों में एक साथ चुनाव कराने के लिए वहां भी कई कानूनों में संशोधन करने की आवश्यकता होगी। इसके अतिरिक्त, कुछ राज्य परिवर्तन का विरोध कर सकते हैं, खासकर अगर उन्हें लगता है कि एक साथ चुनाव उनकी स्थानीय राजनीतिक स्वायत्तता को कमजोर करेंगे।
विविध राजनीतिक परिदृश्यः भारत में अलग-अलग स्थानीय मुद्दों वाले क्षेत्रीय दलों की एक विशाल श्रृंखला है। एक साथ राष्ट्रीय और राज्य चुनाव कराने पर जोर देने से ये क्षेत्रीय आकांक्षाएं कमजोर हो सकती हैं। मौजूदा व्यवस्था में, राज्य चुनाव छोटे दलों को अपने हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

रावी डॉटर प्रियंका-अखिलेश, जयपुर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 25/12/2024

सूर्योदय : 07:17 **सूर्यास्त :** 17:36 **चन्द्रोदय :** 02:01 **चन्द्रास्त :** 13:28 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **चन्द्रमास पौष :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2081 पिङ्गल **मार्गशीर्ष :** अमान्त **गुजराती सम्वत :** 2081 नल **अमान्ता महीना :** मार्गशीर्ष **पूर्णिमांत :** पौष **सूर्य राशि :** धनु **चन्द्र राशि :** तुलापक्ष : कृष्ण **तिथि :** दशमी, 22:27 तक **वार :** बुधवार

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : चित्रा, 15:14 तक
योग : अतिगंदा, 21:42 तक
प्रथम करण : वणिजा, 09:12 तक
द्वितिय करण : विष्टि, 22:27 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:22 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:50 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:05 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:28 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:31 पी एम से
अमृत काल	08:09 ए एम से
निशिता मुहूर्त	11:54 पी एम से 12:49 ए एम, दिसम्बर 26

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में

राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में

होमाहुति : राहु

कुंभ चक्र: तल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 07:16 - 08:34	उद्वेग	: 17:35 - 19:18
अमृत	: 08:34 - 09:51	शुभ	: 19:18 - 21:01
काल काल वेला	: 09:51 - 11:08	अमृत	: 21:01 - 22:43
शुभ	: 11:08 - 12:26	चर	: 22:43 - 00:26
रोग वार वेला	: 12:26 - 13:43	रोग	: 00:26 - 02:09
उद्वेग	: 13:43 - 15:00	काल	: 02:09 - 03:51
चर	: 15:00 - 16:18	लाभ	: 03:51 - 05:34
लाभ	: 16:18 - 17:35	उद्वेग	: 05:34 - 07:17

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज दशमी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

मार्गशीर्ष, कृष्ण, दशमी, 2081 बुधवार, 25 दिसम्बर - 31 दिसम्बर, 2024

मेष
चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

तुला
रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा। लेकिन मिजाज का पता नही रहेगा रंग में भंग भी डाल सकती है।

वृषभ
ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

नया मकान खरीदने का विचार बनायेंगे। व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। विरुद्ध लोग अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक
तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

कार्यो में मनचाही सफलता मिलने से प्रसन्न रहेंगे। नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा।

मिथुन
क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु
ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

पुराने मित्र से मधुर मुलाकात होगी। नौकरीपेशा को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा। लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क
हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

सुख सुविधा जुटाने पर खर्च करेंगे आकस्मिक यात्रा से लाभ होगा। कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा।

मकर
भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

सिंह
मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ
गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या
टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है।

मीन
दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

शिक्षा मंत्री ने किया गुप्त वृन्दावन धाम के गीता कॉन्टेस्ट का पोस्टर विमोचन, आयोजन जनवरी 2025 में

स्कूलों में आयोजित होगा गीता कॉन्टेस्ट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। छात्रों को भगवद्गीता के गहन ज्ञान से जोड़ने के लिए और उनके नैतिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए जगतपुरा जयपुर का गुप्त वृन्दावन धाम हर वर्ष गीता कांटेस्ट का आयोजन करता है। इस वर्ष भी गीता कॉन्टेस्ट 2024-25 का भव्य शुभारम्भ हुआ जिसका पोस्टर विमोचन शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने किया।

गुप्त वृन्द्वान धाम के गीता कॉन्टेस्ट 2024-25 का आयोजन जनवरी 2025 में राजस्थान के सभी विद्यालयों में किया जाएगा यह निःशुल्क रहेगा। गुप्त वृन्दावन धाम के मीडिया प्रभारी सिद्ध स्वरुप दास ने बताया की गीता कॉन्टेस्ट के आयोजन का मूल उद्देश्य छात्रों को गीता के अद्भुत ज्ञान और भारतीय संस्कृति के मूल्यों से अवगत करना है। भगवदगीता भगवान् कृष्ण की वाणी है स्वयं भगवान् कृष्ण ने अर्जुन को गीता में मानव जीवन के उद्देश्यों और सही मूल्यों के बारे में बताया, हमारी भावी पीढ़ी गीता के ज्ञान से ही अपना जीवन प्रकाशित कर सकती है । यह प्रतियोगिता राज्य और जिला स्तर पर आयोजित की जायेगी जिसमे विजेताओं को प्रथम पुरस्कार 11,000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 5,100, तृतीय पुरस्कार 2,100 और 7 छात्रों को 1,100 सांत्वना पुरस्कार दिए जायेंगे।

मंदिर की नौवीं वर्षगांठ पर जरूरतमंदों को वस्त्र वितरण एवं सत्तराभेदी पूजा का आयोजन

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** जयपुर शक्ति पीठ माता पद्मावती सेवा संस्थान थड़ी मार्केट मानसरोवर जयपुर में संस्थान में स्थित मंदिर जी की नवी वर्षगांठ के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए जानकारी देते हुए संयोजक विनित सांड ने बताया कि इस अवसर पर प्रातः भक्तांबर पाठ इत्र पूजा कर पश्चात मंदिर जी के शिखर पर ध्वजा चढ़ाई गई इसके बाद सत्तराभेदी पूजा पूजा का आयोजन किया गया। सभी कार्यक्रम साध्वी कुसुम प्रभा श्री जी महाराज साहब एवं संयम रत्ना श्री जी महाराज साहब के निश्रा में आयोजित किए गए उपस्थित दिपेश चोपड़ा दिनेश मेहता चंद्र प्रकाश पगारिया विनीत सांड रौनक बाबेल नरेंद्र दूग्गड शुभकरण नाहटा चिमन भाई आदि लोगों ने साध्वी जी का आशीर्वाद लिया एवं कई संघो व उपसंघो के प्रतिनिधि इस अवसर पर उपस्थितथे । मंदिर जी की वर्षगांठ के अवसर पर जरूरतमंद लोगों को गर्म वस्त्र एवं रजाई का वितरण किया गया।

मनोज दुब्बी बने RNA के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** राजस्थान नर्सेज संघर्ष समिति के प्रदेश सयोजक मनोज दुब्बी 2014 से नर्सेज भर्ती ,ओल्ड पेंशन स्कीम, नर्सिंग निर्देशालय केडर रिव्यू आदि मांगो को लेकर संघर्ष कर रहे ऊन के संघर्ष को देखकर राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन के बैठक गुरुवार को आरएनए एसएमएस हॉस्पिटल में बैठक हुई वहाँ सर्वसहमति से मनोज दुब्बी को आरएनए का कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष बनाया। नर्सिंग ऑफिसर ने माला साफ़ा पहनाकर मनोज दुब्बी को शुभकामना दी। अब राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन की जिम्मेदारी नवनियुक्त कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष और राजस्थान नर्सेज संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक पद की दोहरी ज़िम्मेदारी मनोज दुब्बी सम्भालेंगे ।

सेवा भारती ने कच्ची बस्तियों को लिया गोद

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** सेवा भारती द्वारा विद्याधर भाग-4 की कच्ची बस्तियों, जिसमें किशन बाग कच्ची बस्ती, बापू बस्ती प्रथम, बापू बस्ती द्वितीय और सेक्टर 10 कच्ची बस्ती शामिल हैं, को गोद लिया गया है। इन बस्तियों में रहने वाली लगभग 200 किशोरियाँ और माताएँ-बहनें हैं। इन माता और बहनो को आत्म निर्भर संस्थान की और से डाबर हेयर ऑयल, टमाटर प्यूरी का वितरण किया। इनके स्वास्थ्य की देखभाल हेतु आयुष मंत्रालय ने जिम्मेदारी ली है, जिसमें बच्चों की इम्युनिटी को बढ़ाने से संबंधित उपाय और सर्दी-जुकाम तथा अन्य सामान्य बीमारियों की दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर इस पहल के अंतर्गत, सेवा भारती और आयुष मंत्रालय द्वारा 22 दिसंबर, 2024 को प्रातः 10 बजे विद्याधेश्वर महादेव मंदिर, राधा गोविंद मंदिर, विधाधर नगर मे लगाया।

31 दिसम्बर तक करा सकते हैं किसान रबी फसलों का बीमा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने रबी फसलों के बीमा की अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य में 31 दिसम्बर तक किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रबी फसलों का बीमा करवा सकते हैं। योजना में फसली ऋण लेने वाले कृषक, गैर ऋणी कृषक एवं बंटाईदार कृषकों द्वारा फसलों का बीमा करवाया जा सकता है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फसल बीमा करवाया जाना स्वैच्छिक है। जिन किसानों ने 31 दिसम्बर तक किसी भी वित्तीय संस्थाओं से अल्पकालीन फसली ऋण स्वीकृत करवाया है, उन किसानों का बीमा सम्बन्धित बैंक या सहकारी समिति के माध्यम से किया जायेगा। जिन किसानों ने ऋण नहीं ले रखा है, वे किसान नजदीकी सीएससी या किसी बैंक के माध्यम से फसलों का बीमा करवा सकते हैं। गैर ऋणी किसान भूमि की नवीनतम जमाबंदी, बैंक पासबुक, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज ले जाकर फसलों का बीमा करवा सकते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम ने किया राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर की नशा मुक्ति इकाई का निरीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के अगद तंत्र विभाग की नशा मुक्ति इकाई का विश्व स्वास्थ्य संगठन की SEARO टीम द्वारा दो दिवसीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान WHO SEARO के रीजनल एडवाईजर, टोबैको फ्री इनिसिएटिव डॉ. जगदीश कौर एवं टैक्निकल ऑफिसर (ट्रेडीशनल मेडीसीन) डॉ. पवन कुमार गोदतवार द्वारा संस्थान के अस्पताल के अंतर्गत चलाई जा रही नशा मुक्ति इकाई (अन्तरंग विभाग) एवं बहिरंग विभाग का निरीक्षण किया गया। इसमें उन्होंने इकाई में भर्ती मरीजों से मिलकर वहाँ उनके ईलाज के साथ चल रहे पंचकर्म थैरेपी, योग-प्राणायाम एवं मनोवैज्ञानिक थैरेपी के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने बताया कि संस्थान में नशा मुक्ति इकाई 2016 से चलायी जा रही है जिसमें अब तक 1500 से अधिक मरीज स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं। कुलसचिव व अगद तंत्र की विभागाध्यक्ष प्रो. अनिता शर्मा ने बताया कि इस क्षेत्र में विभाग द्वारा हॉस्पिटल में नशा मुक्ति इकाई संचालन के साथ-साथ विभिन्न रिसर्च कार्य भी किये जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अगद तंत्र विभाग से प्रो. शरद एम पोर्टे, वैद्य अमोल सुधाकर कडू, डॉ. दिनेश कुमावत एवं सभी पीएचडी-पीजी अध्येता उपस्थित रहे। इस दौरान वैद्य अमोल कडू एवं डॉ. दिनेश कुमावत के द्वारा विभिन्न नशा मुक्ति रिसर्च एक्टीविटी के बारे में अवगत करवाया गया। निरीक्षण टीम ने विभाग द्वारा कार्यरत नशा मुक्ति इकाई एवं संचालनकर्ताओं की सराहना करते हुए सभी से नशा मुक्त कैम्पस की अपील की।

भवन निर्माण संबंधी पर्यावरणीय चिंताओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

ग्रीन बिल्डिंग सामग्री का हो अधिक उपयोग-विजय एन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने विभिन्न क्षेत्रों में पर्यावरणीय चिंताओं और प्रदूषण नियंत्रण उपायों को लेकर हितधारकों के लिए कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू की है। इस श्रृंखला में, राज्य बोर्ड ने आज भवन निर्माण से संबंधित विभिन्न वैश्विक और स्थानीय समस्याओं के प्रति निर्माणकर्ताओं और वास्तुकारों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यशाला में यह प्रमुख रूप से बताया गया कि भवन निर्माण गतिविधि कच्चे माल का उपयोग करने वाली दूसरी सबसे बड़ी गतिविधि है, और इस क्षेत्र में प्रमुख कच्चे माल जैसे सीमेंट, लोहे, एल्यूमीनियम आदि का उत्पादन ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करता है, जो वैश्विक तापन में 40% योगदान करता है। भवन निर्माण के कई स्थानीय प्रभाव भी होते हैं जैसे भूमि का क्षरण, परिदृश्य में बदलाव, जैव विविधता की हानि, वायु, ध्वनि और जल प्रदूषण आदि। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सदस्य सचिव, विजय एन. ने सतत विकास पर बल दिया और कहा कि ग्रीन बिल्डिंग सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिए और भवन का डिज़ाइन इस प्रकार किया जाना चाहिए कि सूर्य की रोशनी, वायु प्रवाह और स्थानीय परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा की आवश्यकता कम हो सके, ताकि भवन और अधिक आरामदायक बनें। उन्होंने यह भी कहा कि सभी भवनों का निर्माण ईआईए अधिसूचना, जल अधिनियम, वायु अधिनियम और निर्माण एवं विध्वंस नियमों की शर्तों का पालन सुनिश्चित करने के बाद ही किया जाना चाहिए, और राज्य बोर्ड ऐसी परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी प्रदान करेगा। हालांकि, जो लोग कानून का उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।कार्यक्रम में भुवनेश माथुर, एसीईई, आरएसपीसीबी ने भवन निर्माण गतिविधि से जुड़ी मुख्य समस्याओं पर प्रकाश डाला। इसके बाद, राजीव श्रृंगी, प्रोफेसर, एमएनआईटी ने भवन योजना के महत्व पर चर्चा की, संजय माथुर, प्रोफेसर, एमएनआईटी ने ग्रीनहाउस प्रभाव पर बात की। रजनीश जैन, एसीईई (सेवानिवृत्त), आरएसपीसीबी ने कानूनी अनुपालन पर प्रकाश डाला। अतुल शर्मा, एसई, एलएसजी ने ठोस कचरे के प्रबंधन पर विचार व्यक्त किए। ऋषभ काशलिवाल, एमडी, कमल कोजेंट एनर्जी प्रा. लिमिटेड ने ऊर्जा दक्षता पर बात की और पीपी माहेश्वरी, एमडी, वास्सर टेक्नोकेम लिमिटेड ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स के डिजाइन और संचालन पर चर्चा की।

प्रेस क्लब में पत्रकारों के अधिस्वीकरण कार्ड का नवीनीकरण

वरिष्ठतम पत्रकारों को आजीवन अधिस्वीकरण कार्ड जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब में अधिस्वीकृत पत्रकारों के लिए अधिस्वीकरण कार्ड नवीनीकरण का कैम्प आयोजित किया जा रहा है। क्लब अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़ एवं महासचिव योगेन्द्र पंचौली ने बताया कि दो दिवसीय शिविर के प्रथम दिन राज्य सरकार के सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशालय के उपनिदेशक रजनीश शर्मा की उपस्थिति में पत्रकारों के अधिस्वीरण कार्ड का नवीनीकरण किया गया। सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय से अनिल सोनी, मनोज कुमार माहेश्वरी चन्द्रकान्त शर्मा, महेश शर्मा, मनोज मीणा, विकास शर्मा, पीआरओ कार्यालय से चारू मीणा, अनिल सैनी ने सहयोग किया। शिविर में 75 साल से अधिस्वीकृत स्वतंत्र पत्रकारों को आजीवन अधिस्वीकृत कार्ड जारी किए गए। प्रथम दिन सैकड़ो पत्रकारों के कार्ड का नवीनीकरण किया गया।

सोबर ने संस्कृत स्कूलों में वितरित किये जरसी/स्वेटर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सोसाइटी आफॅ बह्मामण एक्ज्यूकेटिवस् राजस्थान (सोबर) द्वारा जरसी वितरण कार्यक्रम के तहत राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय मोरीजा तहसील चौमूं और राजकीय वरीष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय मोरीजा तहसील चोमूं में छात्र छात्राओं को जर्सीयां/कोट वितरित किये गये। इस अवसर पर सोबर के वरीष्ठ उपाध्यक्ष जी एल शर्मा पूर्व आइ पी एस, उपाध्यक्ष एडवोकेट राधे श्याम शर्मा, महासचिव ईन्जिनियर आर सी शर्मा, सोबर निदेशक मण्डल से सुशील पारीक, पूर्व आई आर एस, डॉ सुशील दोतोलिया, कमलेश शर्मा, विष्णु दत्त शर्मा, सतीश पारीक, पंचायत मोरीजा के सरपंच उप सरपंघ कृषी उपज मंडी के अध्यक्ष अन्य गणमान्य लोग,स्कूलों के स्टाप मौजूद रहे। विद्यालय परिवार की ओर से सोबर के पदाधिकारियों का सोपा और माला पहनाकर स्वागत किया। सभी छात्र छात्राओं को मौके पर ही गर्म जरसी/जैकेट बांटी गई छात्र ,छात्राऐ स्वेटर पाकर क्वालिटी से खुश नजर आये महासचिव ईन्जि आर सी सी शर्मा ने बताया कि सोबर द्वारा अबतक 10 स्कूलों में जरसीयां वितरित की जा चुकी है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान का प्रकृति प्रशिक्षण अभियान

देवनानी सहित अनेक अधिकारियों का किया प्रकृति परीक्षण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आयुष मंत्रालय भारत सरकार की पहल पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों द्वारा आम जनता प्रकृति परीक्षण किया जा रहा है। शुक्रवार को जयपुर के केंद्र एवं राज्य के संस्थानों में बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों का प्रकृति परीक्षण किया गया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा के साथ चिकित्सकों द्वारा विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, आई सी डी एस निदेशक ओमप्रकाश बुनकर, अतिरिक्त निदेशक पोषाहार डॉ अनुपमा टेलर, विधानसभा सदस्यों, पदाधिकारीयो, कर्मचारियों का प्रकृति परीक्षण किया गया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर सभी देशवासियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए देश के प्रकृति प्रशिक्षण अभियान आरोग्य अभियान के तहत सभी को अपना प्रकृति परीक्षण कर कर स्वस्थ भारत एवं समृद्ध भारत की अवधारणा को साकार करना चाहिए एवं अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान में अपना प्रकृति परीक्षण करवा कर अपने बेहतर स्वास्थ्य के लिए सहयोग करना चाहिए। कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने बताया देश का प्रकृति परीक्षण अभियान के अंतर्गत राजस्थान विधानसभा के माननीय सदस्यों, जनप्रतिनिधियों के साथ समेकित बाल विकास सेवा योजना विभाग, महालेखाकार भवन, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक सेवा अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ केंद्र एवं राज्य सरकार के विभिन विभागों और संस्थानों में बड़ी संख्या में प्रकृति परीक्षण किया गया। आयुष मंत्रालय भारत सरकार के पल पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सक इस 25 दिसंबर तक अधिक से अधिक लोगों तक उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रकृति परीक्षण करने के लिए कार्यालय, संस्थाओं में पहुंच रहे हैं।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से संस्थान से डॉक्टर हेतल दवे, डॉक्टर एच एम एल मीणा, डॉक्टर राकेश नागर, डॉक्टर ब्रह्म दत्त शर्मा के साथ आयुर्वेद चिकित्सकों की टीम द्वारा किया गया। उपनिदेशक चंद्रशेखर शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी नरेश कुमार गुप्ता, जनसंपर्क अधिकारी विनोद सैन ने अधिक से अधिक लोगों का प्रकृति परीक्षण करवाने ओर अभियान से जोड़ने के लिए विभागों से समन्वय किया।

प्रतापगढ़ जिले के धरियावद ब्लॉक स्थित रामेर तालाब गांव की रहने वाली सुशीला मीणा

सुशीला के एक्शन को तेंदुलकर ने किया सलाम, जहीर से की तुलना

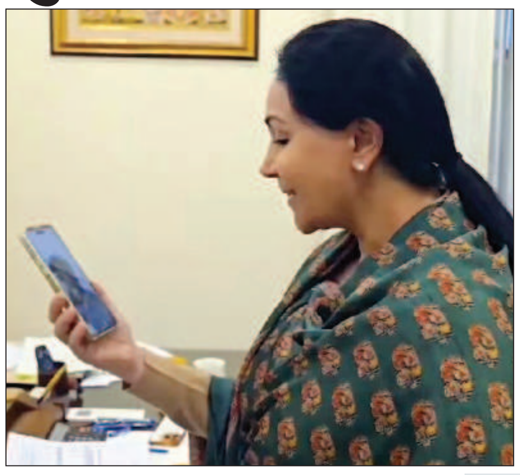

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सचिन तेंदुलकर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक छोटी बच्ची का वीडियो शेयर किया था। सुशीला मीणा नाम की यह नन्ही क्रिकेटर सोशल मीडिया पर छा गई है। वह रातों-रात स्टार बन गई है। सुशीला की बॉलिंग ने सचिन को प्रभावित किया। अब सुशीला की मदद के लिए एक समाज सेविका आगे आई हैं। सुशीला को जूते गिफ्ट में मिले है। इसके साथ ही आर्थिक मदद भी मिली है। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमार ने हाल ही में सुशीला मीणा से फोन पर बातचीत की थी। उन्होंने सुशीला को शुभकामनाएं दीं। सुशीला का बॉलिंग वीडियो सोशल मीडिया पर छा गया है। सचिन ने उनका वीडियो शेयर करते हुए जहीर खान को भी टैग किया था। अब सुशीला की मदद के लिए एक समाज सेविका आगे आई हैं। इंस्टाग्राम पर जया मीणा के नाम से एक अकाउंट है। इस पर सुशीला का वीडियो शेयर किया गया है। पोस्ट के मुताबिक सुशीला को जूते गिफ्ट में मिले हैं। इसके साथ ही 51 हजार रुपए की आर्थिक सहायता भी की गई है।

क्या सुशीला को टीम इंडिया में मिल सकती है एंट्री

सुशीला उम्र में काफी छोटी हैं और उनका परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। अगर 13 साल की सुशीला को सही तरीके से ट्रेंड किया जाए तो वे आने वाले समय में भारतीय टीम का भी हिस्सा बन सकती हैं। सुशीला भारत की अंडर 19 वीमेंस टीम में जगह बना सकती हैं। लेकिन इससे पहले राजस्थान क्रिकेट बोर्ड को सुशीला की सहायता करनी पड़ेगी।

कम उम्र में तहलका मचा चुका है ये खिलाड़ी

भारतीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी हाल ही में चर्चा में आए थे। उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपए में खरीदा था। वैभव को आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में अच्छी रकम मिली। वैभव भी अभी करीब 13 साल के ही हैं। वे भारत की अंडर 19 टीम के लिए खेल चुके हैं।

सुशीला को आरसीए लेगा गोद

जयपुर। ग्रामीण इलाकों की छुपी हुई प्रतिभाओं को बड़े मंच तक पहुंचाने के उद्देश्य से राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (RCA) ने एक अहम कदम उठाया है। RCA ने सुशीला मीणा को गोद लेने का निर्णय लिया है, जिसके तहत उनकी पढ़ाई, कोचिंग और खेल सहित सभी आवश्यक खर्चों को RCA द्वारा वहन किया जाएगा। एडहॉक कमेटी के संयोजक और विधायक जयदीप बिहानी ने कहा कि प्रदेश में कई प्रतिभाएं हैं, जो संसाधनों के अभाव में अपना मुकाम हासिल नहीं कर पातीं। ऐसे में RCA का यह कदम न केवल सुशीला के लिए बल्कि अन्य उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए भी प्रेरणा बनेगा। 27-28 दिसंबर को जयपुर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में सुशीला मीणा को आमंत्रित किया गया है, जहां विधिवत रूप से RCA द्वारा इस पहल की घोषणा की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत सुशीला मीणा की शिक्षा, कोचिंग और खेल से संबंधित हर प्रकार के खर्च का RCA जिम्मा लेगा। यह पहल राज्य में अन्य प्रतिभाशाली युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी।

कौन है राजस्थान की बोटी सुशीला मीणा?

राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के धरियावद ब्लॉक स्थित रामेर तालाब गांव की रहने वाली सुशीला मीणा अब इंटरनेट पर एक बड़ी सनसनी बन चुकी हैं। सचिन तेंदुलकर द्वारा वीडियो साझा किए जाने के बाद वह सुर्खियों में आ गईं। उनकी बाएं हाथ की गेंदबाजी शैली को क्रिकेट प्रेमियों ने जहीर खान से जोड़कर देखा है।

मीरा महोत्सव में कलाकारों ने नृत्य व भजनों की दी प्रस्तुति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। भक्त शिरोमणि मीराबाई की 525वीं जयंती के अवसर पर दुर्ग स्थित फतह प्रकाश महल परिसर में आयोजित मीरा महोत्सव के दूसरे दिन सांस्कृतिक समागम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मीराबाई के जीवन और साहित्य पर संगोष्ठी में विद्वानों और कलाकारों ने अपना योगदान दिया। संगोष्ठी में सत्यनारायण समदानी, माधव हाड़ा और शिवसिंह सारंगदेवोत ने मीराबाई के जीवन, उनके भक्ति साहित्य और राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने मीराबाई की भक्ति, उनके भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अटूट प्रेम और उनकी काव्य रचनाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर समाज में भक्ति आंदोलन और स्त्री सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत, अनुज मिश्रा ने कथक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। उनके नृत्य ने दर्शकों को पूरी तरह से मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान रचनाओं का तालमेल और कथक के भावनात्मक उतार चढ़ाव ने कार्यक्रम को और भी रोचक बना दिया। इसके बाद दयाराम भांड और शेखर सेन ने मीराबाई के प्रसिद्ध भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का एक और आकर्षण था लता सिंह मुंशी का भरतनाट्यम प्रदर्शन। उन्होंने मीराबाई के प्रसिद्ध भजन 'मेरे तो गिरधर गोपाल पर अद्भुत नृत्य प्रस्तुत किया। उनके लयबद्ध नृत्य ने मीराबाई के भक्ति भाव को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में जिला कलक्टर आलोक रंजन ने लता सिंह मुंशी और टीम का सम्मान किया। कार्यक्रम में संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ. संध्या पुरेचा, जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी, एडीएम रामचंद्र खटीक, युआईटी सचिव कैलाश गुर्जर, उपखण्ड अधिकारी बीनू देवल सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहें। संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली द्वारा दुर्ग पर तीन दिवसीय मीरा महोत्सव के दूसरे दिन सुबह मीरा मंदिर में मीरा के जीवन पर संगोष्ठी व पेंटिंग कार्यशाला का आयोजन हुआ।

श्री कालभैरव मंदिर पर अभिनंदन का आयोजन 30 व 1 को

» **जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़।** बोजुन्दा पॉलिटेक्निक कॉलेज के समीप स्थित श्री कालभैरव देव स्थल पर कैलेंडर वर्ष की विदाई और स्वागत में सनातन संस्कृति से ओतप्रोत संगीतमय नानी बाई का मायरा और भव्य भजन संध्या के आयोजन 30 दिसंबर से 1 जनवरी तक आयोजित होंगे। इस अभिनंदन आयोजन में आशीर्वाद प्रदान करने सूरजकुंड के संत अवधेश चैतन्य ब्रह्मचारी महाराज 30 दिसम्बर शुभारंभ वेला में आएंगे। मेवाड़ के प्रख्यात शंकर लक्खा एण्ड पार्टी द्वारा संगीत मय नानी बाई का मायरा और भजन संध्या की प्रस्तुति दी जाएगी। पुजारी बाबूलाल जटिया ने बताया कि बोजुंदा पॉलिटेक्निक कॉलेज के समीप स्थित श्री काल भैरव मंदिर पर आयोजन के तहत दोपहर एक बजे से नानी बाई का मायरा का शुभारंभ होगा, जो 31 दिसंबर और 1 जनवरी को प्रतिदिन दोपहर एक बजे से सायंकाल चार बजे तक किया जाएगा। आयोजन का शुभारंभ सूरजकुंड वाले संत अवधेश चैतन्य ब्रह्मचारी महाराज के सानिध्य में होगा। जबकि नव वर्ष के अभिनंदन स्वरूप रात्रि मंदिर पर विशाल रात्रि जागरण भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। समापन 1 जनवरी को दोपहर एक बजे नानी बाई का मायरा कथा के पश्चात विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में होगा।

हाऊस वाइफ 11 ने जीती जिंक नगर में आयोजित महिला क्रिकेट प्रतियोगिता

» **जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़।** जिंक नगर में रविवार को महिला क्रिकेट मैच आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अंजली त्यागी और ममता शर्मा थी, जिन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। सम्पत धाकड़ कप्तानी में पहले बल्लेबाजी करते हुए हाउसवाइफ ने 2 विकेट खोकर 12 ओवर में 98 रन बनाए। इसमें संगम चौहान के 57 रन और सुमन कुमावत के नौ रनों का मुख्य योगदान रहा, बॉलिंग में सुमन कुमावत ने दो और संगम चौहान, सम्पत धाकड़, नीलम राठौड़, संतोष मेनारिया ने एक एक विकेट लिए। इसके जवाब में उतरी महिला कर्मचारियों की टीम केवल 66 रन ही बना पाई जिसमें ऋषिता सिंह ने 23 रन बना कर अपना योगदान दिया। वुमन ऑफ द मैच संगम चौहान को चुना गया। पारितोषिक अंजली त्यागी, ममता शर्मा, अभिषेक त्रिपाठी ने प्रदान किए। इस अवसर पर आयोजन समिती के इंद्रजीत सिंह, विजय राव, रमेश गुर्जर, इंद्र सिंह उपस्थित थे। बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे जिन्होंने रोमांचक मैच का आनंद लिया।

वैदिक गणित पर कार्यशाला आयोजित

» **जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़।** मेवाड़ गर्ल्स कॉलेज ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग के सभागार में प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म दिवस को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में गोविन्द लाल गदिया, शंकर लाल गदिया, डॉ.एल.एल.शर्मा तथा प्राचार्य डॉ. एम.के. तिवारी के सानिध्य में मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में वैदिक गणित पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. एम.के. तिवारी ने अपने स्वागत उद्बोधन रवि कुमार अग्रवाल निदेशक वडंर एज्यूकेशन एवं यू.सी.मास अबेकस का परिचय करवाया। जिन्होने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाले 200 वर्षो के कलेंडर से गणित के प्रश्नों को सरलता से कैसे हंल किया जा सकता है, इसकी जानकारी छत्राध्यापिकाओं को दी। गोविन्द गदिया ने श्री रामानुजन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके गणितीय विश्लेषण व अन्य अविष्कारो की जानकारी दी। डॉ. एल.एर्ल.शा ने श्री रामानुजन के बचपन व गणित विषय में उनकी रूचि के अनेक प्रसंग सुनाये।

दुर्गापुरा में एक दिवसीय महिला सशक्तिकरण सेमिनार आयोजित

मानवीय मूल्य और नैतिकता के मामले में महिलाएं पुरुषों से आगे-डॉ सिंह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के अंतर्गत राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा एवं बागवानी महाविद्यालय, दुर्गापुरा में एक दिवसीय महिला सशक्तिकरण पर हाइब्रिड मोड पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि आईएएस संयुक्त सचिव डॉ प्रतिभा पारीक, कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ बलराज सिंह व विशिष्ट अतिथि डॉ बी एल सारस्वत वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली रहे।

आईएइस संयुक्त सचिव डॉ प्रतिभा पारीक ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की शुरुआत घर से होती है। जब लिंग भेद समाप्त हो जाता है, तो महिलाएं समाज में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ सकती हैं। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी ताकत और क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने कहा कि विकसित भारत की हर गतिविधि में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। महिलाओं का योगदान खाद्य, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में पुरुषों से अधिक है हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में असमानता, मानवीय मूल्य और नैतिकता जैसी कुछ चुनौतियां अभी भी मौजूद है जिनका महिलाएं आज भी सामना कर रही है महिलाओं को विविध अनुभव प्राप्त करने चाहिए, छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए अलग-अलग संस्थानों में भाग लेने को प्रोत्साहित करना चाहिए जिससे उनके आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और संचार-कौशल में सुधार होगा, जो उनके भविष्य में प्रगति के लिए मददगार साबित होंगे। डॉ बी एल सारस्वत ने नारी को देवी का रूप बताते हुए कहा कि महिलाएं जल संचयन और संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

अधिष्ठाता डॉ एल एन बैरवा ने कहा कि महिलाओं की स्थिति में हाल के वर्षों में बड़े बदलाव आए है अब महिलाएं सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है जिससे समाज में उनकी स्थिति मजबूत हुई है। अंत में निदेशक कल्याण छात्र संघ डॉ के सी शर्मा ने अमृता देवी बिश्नोई, सावित्री बाई फुले, गीता फौगाट और बबीता फौगाट के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि एक देश ने निर्माण में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। डॉ भारती शौकीन ने बताया कि इस सेमिनार के दौरान नृत्य, पोस्टर प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक व 'नारी को दो सम्मान, तभी बनेगा देश महान', जब नारी होगी शिक्षित, तभी होगा देश विकसित' जैसे उद्घोषों के साथ रैली का आयोजन किया।

फूलों की खेती किसानों के लिए एक लाभदायक कृषि व्यवसाय-डॉ. सिंह

» **जागरूक जनता @ जोबनेर।** कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने विश्वविद्यालय के 13 महाविद्यालयों के अंतिम स्नातक वर्ष के विद्यार्थियों के साथ संवाद सत्र आयोजित किया। इस सत्र में उन्होंने बागवानी फसल उत्पादन, उद्यमिता व रोजगार सृजन विषय पर संवाद किया। उन्होंने किसानों छात्रों और नीति निर्माता को बागवानी के महत्व को समझने और इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. बलराज सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान समय में कृषि योग्य भूमि का औद्योगिकीकरण हो रहा है, जिसके कारण कृषि क्षेत्र सिकुड़ रहा है। इस चुनौती का समाधान बागवानी में निहित है। उन्होंने बताया कि बंजर भूमि को बागवानी के माध्यम से उपजाऊ बनाया जा सकता है। बागवानी फसलें जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक लचीली होती हैं और खाद्यान्न फसलों की तुलना में इनकी उत्पादकता अधिक होती है। डॉ बलराज सिंह ने छात्रों को बागवानी क्षेत्र में कई अवसरों के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों को टिशू कल्चर के माध्यम से उच्च मूल्य वाली फसलें विकसित करने, सब्जी विज्ञान के क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और रखरखाव प्रजनन के ज़रिए फसलों की उत्पादकता बढ़ाने जैसे चुनौतीपूर्ण कार्यों में योगदान देने का अवसर दिया।

5 जोड़ी स्पेशल रेल सेवाओं की संचालन अवधि में विस्तार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु 5 जोडी स्पेशल रेल सेवाओं की संचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 04705/04706, जयपुर-श्रीगंगानगर-जयपुर प्रतिदिन स्पेशल रेल सेवा की संचालन अवधि में दिनांक 01.01.25 से 30.06.25 (181 ट्रिप) तक विस्तार किया जा रहा है। गाडी संख्या 04801/04802, सीकर-जयपुर-सीकर प्रतिदिन स्पेशल रेल सेवा की संचालन अवधि में दिनांक 01.01.25 से 30.06.25 (181 ट्रिप) तक विस्तार किया जा रहा है। गाडी संख्या 09635/09636, जयपुर-रेवाड़ी-जयपुर प्रतिदिन स्पेशल रेल सेवा की संचालन अवधि में दिनांक 01.01.25 से 30.06.25 (181 ट्रिप) तक विस्तार किया जा रहा है। गाडी संख्या 04853/04854, सीकर-लौहारू-सीकर प्रतिदिन स्पेशल रेल सेवा की संचालन अवधि में दिनांक 01.01.25 से 30.06.25 (181 ट्रिप) तक विस्तार किया जा रहा है। गाडी संख्या 04879/04880, बाडमेर-मुनाबाव-बाडमेर प्रतिदिन स्पेशल रेल सेवा की संचालन अवधि में दिनांक 01.01.25 से 30.06.25 (181 ट्रिप) तक विस्तार किया जा रहा है।

कृषकों ने मनाया राष्ट्रीय किसान सम्मान दिवस

» **जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़।** कृषि विज्ञान केन्द्र में राष्ट्रीय किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें जिले से 28 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया। कार्यर म में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रतन लाल सोलंकी ने किसान दिवस के उपलक्ष में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जीवनी पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्नत खेती के साथ-साथ वैज्ञानिक विधि से पशुपालन एवं सब्जी उत्पादन की उन्नत विधियों के बारे में बताया जिससे किसानो की आय में वृद्धि हो सके। किसानो की आय दुगुनी हो इसके लिए समन्वित खेती के बारे में विस्तार से समझाया। डॉ. सोलंकी ने किसानो का स्वागत करते हुए दैनिक जीवन में जैविक खेती का महत्व तथा मृदा जांच से लाभ एवं मृदा स्वास्थ्य सुधार व उत्पादकता वृद्धि के मूलमंत्र किसानों को बतायें। फसलो में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन का महत्व एवं आवश्यक पोषक तत्वों की जानकारी, पौधों पर पोषक तत्व की कमी के लक्षण एवं कमी को पूरा करने के उपाय के साथ ही मिट्टी के स्वास्थ्य की जांच हेतु मिट्टी नमुना लेने की विधी समझाई। दीपा इन्दौरिया ने महिलाओं की आय कैसे बढ़े इसके लिए सब्जियों एवं फलों का मूल्य संवर्धन पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं पोषाहार वाटिका का महत्व बताया।

पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ की साधारण सभा की बैठक सांसद सी पी जोषी, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या व जिला प्रमुख भुपेन्द्र सिंह के मुख्य आतिथ्य, प्रधान देवेन्द्र कंवर की अध्यक्षता व उपप्रधान पप्पुदेवी जाट के विशिष्ट आतिथ्य तथा एसीईओ विशाल सीपा, उपखण्ड अधिकारी बीनू देवल की उपस्थिति में सोमवार को पंचायत समिति के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक के आरम्भ में विकास अधिकारी समुन्द्र सिंह ने गत बैठक कार्यवाही विवरण सदन के समक्ष पढ़कर सुनाया जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। बैठक में सदस्यों द्वारा अपने क्षैत्र की विभिन्न समस्याओ से सदन को अवगत कराया गया। बैठक में सांसद जोशी ने उपस्थित विभागीय अधिकारियो को अपने विभाग की योजनाओ की जानकारी से सदन को अवगत कराते हुए केंद्र सरकार की योजनाओ को क्षैत्र में लागु करा आमजन को लाभ पहुचाने की बात कही। सरपंच रणजीत सिंह भाटी ने समयबद्ध तरीके से सरकार की जनहितकारी योजनाओ को सम्पादित कराने पर जोर देते हुए शौचालय विहीन आंगनबाड़ी केंद्रो व स्कूलों पर प्राथमिकता से शौचालय बनाने व पेयजल उपलब्ध कराने तथा ग्रीष्म ऋतु में चलाए गए पेयजल टेंकरो का भुगतान कराने की बात सदन में रखी। विधायक आक्या ने घटियावली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के जर्जर भवन को दूरस्त कराने हेतु बीसीएमओ को निर्देश दिये। बस्सी सरपंच जनकसिंह ने उप जिला चिकित्सालय में महिला चिकित्सक नही होने से क्षैत्रवासियो को होने वाली परेशानियो से सदन को अवगत कराया। विजयपुर सरपंच ने पीडब्लुडी की भूमि पर, एराल सरपंच ने उप स्वास्थ्य केंद्र की भूमि पर, घोसुण्डा सरपंच ने चारागाह भूमि पर व सेमलपुरा सरपंच ने पंचफल की भूमि पर अतिक्रमण होने, तुम्बड़िया सरपंच ने ग्राम पंचायत भवन से सिंहपुर तक सम्पर्क सड़क बनाने, पंचायत समिति सदस्य रतन सुथार ने गणेशपुरा गांव के मध्य से गुजरने वाली 11 हजार केवी की लाईन को हटाने, खेरी से खोर तक नदी पर पुलिया व सड़क निर्माण की मांग सदन में रखी गई।

सीएसडब्ल्यूआरआई में राष्ट्रीय किसान दिवस आयोजित

जैविक खेती की ओर लौटे किसान -चौधरी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

टोंक। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के संस्थान केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर मालपुरा टोंक में राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेमिनार जैविक खेती एवं पशुपालन पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अथिति भागीरथ चौधरी केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भारत सरकार, विशिष्ट अथिति कन्हैया लाल चौधरी जलदाय कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार के साथ बद्री नारायण अध्यक्ष अखिल भारतीय किसान संघ, जीतराम चौधरी पूर्व विधायक, प्रेमदेवी चौधरी प्रधान फागी पंचायत समिति, फार्मर फोरम अध्यक्ष डॉ एन एल सेपट, सकराम चौपाड़ा प्रधान मालपुरा पंचायत समिति तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अरुण कुमार तोमर निदेशक अविकानगर संस्थान द्वारा की गई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुई निदेशक डॉ अरुण कुमार अविकानगर संस्थान द्वारा किसान हित मे संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्य पर मुख्य अथिति के साथ उपस्थित सभी को विस्तार से बताया।

कार्यक्रम मे राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री द्वारा भी भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार द्वारा पूर्वी नहर जल परियोजना, बड़ी किसान सम्मान निधि राशि, खेती मे किये किये गये कार्य पर अपना सम्बोधन दिया। तथा भारत सरकार के मंत्री से केंद्रीय कृषि विश्वविधालय, गाय-भैस अनुसन्धान केंद्र अविकानगर मे सुविधा हेतु मुख्य अथिति से विनती की गई। मुख्य अथिति भागीरथ चौधरी द्वारा अपने सम्बोधन मे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसान हित मे किये गये कार्य पर उदारहण स्वरुप प्रकाश डाला तथा अपने सम्बोधन मे खेती ओर पशुपालन को देश के लिए जरुरी बताते हुई जैविक खेती की ओर लौटने का निवेदन किया। सभी को खेती मे मिट्टी की जाँच बाद ही उपयुक्त आवश्यक रसायन उपयोग मे लेना का निवेदन किसान से किया गया। जिससे खेती की लागत को कम करके उत्पादन बढ़ाया जा सके। तथा रासायनिक खेती के जहर को मिट्टी मे कम किया जा सके। तथा अपने मंत्रालय द्वारा लिए गये निर्णय फसल ख़राब होने पर कृषि मोबाइल एप पर ऑनलाइन फसल ख़राब रिपोर्ट किसान द्वारा भेजी जा सके, बारे मे विस्तार से बताया।

युवा प्रतिभा सम्मान समारोह एवं पौष बड़ा प्रसादी महोत्सव संपन्न

संस्कारवान नई पीढ़ी को गढ़ कर भारत को विश्व गुरु बनाने का अभियान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गायत्री सप्त क्रांति ट्रस्ट द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी देश की भावी पीढ़ी को संस्कार प्रदान करने तथा जीवन को अनुशासित बना कर देश सेवा में अग्रणी बनाने की प्रेरणा देने हेतु युवा प्रतिभा सम्मान समारोह एवं पौष बड़ा प्रसादी महोत्सव का आयोजन गायत्री प्रज्ञा मंडल, दुर्गापुरा गौशाला, टोंक रोड पर सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में 31 प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। जिन्होंने विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर अच्छे अंक प्राप्त किए हो, किसी विशेष कोर्स में भर्ती हुए हो, कोई विशेष डिग्री प्राप्त की हो अथवा खेलकूद, संगीत या सेवा कार्यो में विशेष उपलब्धि हस्तगत की हो। युवाओं को आशीर्वाद एवं आशीर्वचन हेतु पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 हरिदास जी महाराज नृसिंह द्वारा महेरुकला, केकडी से पधारे। उनके कर-कमलों द्वारा युवाओं को स्मृति चिन्ह एवं परम पूज्य गुरुदेव का सत्साहित्य भेंट किया गया। साथ ही अन्य गणमान्य समाजसेवी डा. राजेश केदावत स्टार अस्पताल, कवि लेखक श्री कृष्ण शर्मा, समाजसेवी रामावतार, बजरंग, दिनेश अग्रवाल, पूनम भारद्वाज ने भी कार्यक्रम की शोभा बढाई। कार्यक्रम में 600 परिजनों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

भारत में भेड़पालन और भेड़पालकों को बढ़ावा देने के लिए कृत्रिम गर्भाधान प्रयोगशाला (अवि मेल) की शुरुआत

भारत में भेड़ प्रजनन के क्षेत्र में अवि मेल एक गेमचेंजर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय भेड़ और ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर ने भेड़ प्रजनन के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व नवाचार शुरू किया है। भेड़ों के लिए चल कृत्रिम गर्भाधान प्रयोगशाला, जिसे अवि मेल नाम दिया गया है। पहली बार डिज़ाइन की गई इस अत्याधुनिक सुविधा का उद्देश्य मद समाकलन और कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं को सीधे किसानों के दरवाजे पर पहुंचा कर भेड़ प्रजनन के क्षेत्र में क्रांति लाना है। कई चुनौतियों के चलते भेड़ों में कृत्रिम गर्भाधान लोकप्रिय नहीं रहा है और इस का कम उपयोग किया गया है। भेड़ की सर्विक्स (बच्चेदानी का मुंह) की जटिल शारीरिक रचना के कारण कृत्रिम गर्भाधान के लिए भेड़ यानी मेढ़े के क्रायोप्रिजर्व्ड सीमेन को, जिसे कई सालों तक महफूज रखा जा सकता है, उस का सफलतापूर्वक उपयोग नहीं किया जा सकता।

8 से 10 घंटे में उपयोग आवश्यक

तरल शीतित सीमेन के साथ कृत्रिम गर्भाधान काफी सफल होता है और 50 से 60% गर्भधारण दर प्राप्त होती है। हालांकि, उसे बहुत कम समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है और इसे संग्रह के बाद 8 से 10 घंटे में उपयोग करने पर ही सफलता मिलती है। इस वजह से कृत्रिम गर्भाधान तकनीक सीमेन स्टेशन के 25 से 30 किमी के दायरे में किसानों के लिए पहुंच पाती है और देश में भेड़ों के लिए स्थापित सीमेन लैबोरेट्रीज की संख्या न के बराबर है।

अन्य क्षेत्रों के अनुरूप सुसज्जित

भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राष्ट्रीय पशुधन मिशन द्वारा वित्तीय रूप से समर्थित अवि मेल, पहियों पर पूरी तरह से सुसज्जित मोबाइल सीमेन प्रयोगशाला है, जिसे दूरदराज के क्षेत्रों में भी फील्ड स्थितियों में संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह एक रोगाणुहीन वातावरण में उच्चतम मेंड़ों से स्वच्छ सीमेन संग्रह, मूल्यांकन और प्रसंस्करण की सुविधाएं प्रदान करता है, जिसे भेड़ों के अलावा बकरियों, सूअरों और घोड़ों सहित अन्य पशुओं की प्रजातियों में भी उपयोग किया जा सकता है।

केन्द्रीय मंत्री से मिली प्रशंसा

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के राज्य मंत्री प्रो. एसपीएस बघेल, डेयर सचिव और आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक, कृषि वैज्ञानिक भरती बोर्ड अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार, एग्रीनोवेट के सीईओ डॉ. प्रवीण मलिक, डीएएचडी के पूर्व संयुक्त सचिव (एनएलएम) डॉ. ओपी चौधरी के साथ विभिन्न राज्यों के अनुसंधान संस्थानों, विवि और पशुपालन विभागों के विशेषज्ञों ने प्रशंसा की और इसे बड़े स्तर पर प्रयोग करने की अनुशंसा की।

450 भेड़ों पर प्रशिक्षण

एक प्रायोगिक परीक्षण में राजस्थान के टोंक और जयपुर जिलों के 5 गांवों के 10 किसानों की 450 भेड़ों में कृत्रिम गर्भाधान के लिए अवि मेल का इस्तेमाल किया गया, जिस से 58 फीसदी भेड़ों में एक समय पर उन्नत नस्ल के मेमने प्राप्त हुए। अवि मेल को संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण तोमर के मार्गदर्शन में एनएलएम द्वारा वित्तपोषित परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. अजीत सिंह महला और उन की टीम द्वारा बनाया गया है।डॉ. अरुण महला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी भेड़ आबादी होने और पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान के 7 दशकों के सफल प्रयोग के बावजूद देश अभी तक भेड़ों में एक वांछनीय कृत्रिम गर्भाधान कवरेज हासिल नहीं कर पाया है। यहां तक कि देशभर में कुल गर्भाधानों की संख्या 4 अंकों तक पहुंचाने के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि नीति बनाने वाले इस तकनीक का बड़े स्तर पर प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए देशभर में भेड़, बकरी और सूअर जैसी प्रजातियों के लिए वीर्य स्टेशनों या कृत्रिम गर्भाधान प्रयोगशालाओं के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की सिफारिश करते हैं।

'अवि मेल' नवाचार उन्नत प्रजनन तकनीकों को किसानों के लिए सुलभ बनाने में मील का पत्थर है, खासकर दूरदराज के क्षेत्रों में और प्रवासी भ्रमणकारी भेड़पालकों के लिए। अवि मेल में कुशल नस्ल सुधार कार्यक्रमों को सक्षम बनाने की क्षमता है, जिस से पशुधन क्षेत्र में भेड़ उत्पादकता और आर्थिक विकास में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

-डॉ. अरुण तोमर, निदेशक, केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर

श्री अन्न गाँव में मिलेट् उत्पाद् से महिलाएं बनेगी आत्मनिर्भर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय समन्वित कृषिरत महिला अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत श्री अन्नगांव खेराड, झाडोल की महिलाओं के लिएक्षमता संवर्धन हेतु मिलेट् उत्पाद् के साथ-साथ आँवला के मूल्य संवर्धित उत्पादपर एकदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में इकाई समन्वयक डॉ. विशाखा बंसल ने कहा कि इस प्रशिक्षण से प्राप्त कौशल से महिलाएं दैनिक आहार में मोटे अनाज से बने उत्पाद को शामिल करके आत्मनिर्भर बनेगी और साथ ही उन्होंने मोटे अनाज के महत्व एवं लाभ के बारे में बताया। मोटे अनाज हमारे शरीर में खनिज लवण को पूरा करते हैं और गर्भवती महिलाओं के लिए, शिशुओं के लिए बेहद फायदेमंद है। प्रशिक्षण में डॉ. हेमू राठोड़ ने महिलाओं कोश्रम साध्य उपकरण जैसे आराम सीट और सीड प्लांटर के बारे में प्रायोगिक जानकारी दी। साथ ही कुसुम शर्मा ने महिलाओं को विभिन्न प्रायोगिक क्षमता संवर्धन हेतु मोटे अनाज व आँवला के मूल्य संवर्धित उत्पाद बनाना सिखाया जिसमें अनुष्का तिवारी ने सहयोग दिया। प्रशिक्षण में कुल 20 से 22 महिलाओं ने भाग लिया।

सिंघानिया विश्वविद्यालय के विधार्थीयो ने सीटीएई का शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण किया

» **जागरूक जनता @ उदयपुर।** सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय के करीब पचास छात्र-छात्राओं द्वारा महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय , उदयपुर के संघटक महाविद्यालय प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण किया। जिसमें उन्होंने ग्रिन एनर्जी लेब एवं सोलर पार्क का अवलोकन किया। छात्रों द्वारा 100 किलोवॉट के ग्रिड कनेक्टेड सोलर पॉवर प्लांट का भी अवलोकन किया गया एवं उसकी कार्यप्रणाली को भी समझा। साथ ही विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रमादित्य दवे द्वारा ग्रिन एनर्जी पर व्याख्यान दिया गया एवं उनके द्वारा बनाई गई सोलर फिल्म भी दिखाई गई।

250 प्रतिभाएं सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। राजपूत सभा राजगढ़ लक्ष्मणगढ़, रेणी मालाखेड़ा की ओर से आयोजित छात्र सम्मान समारोह में करीब 250 प्रतिभाओं का प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया। महावीर सिंह, सोनू सिंह, उदय सिंह, बृजेंद्र सिंह सहित अनेक भामाशाहों को भी ट्रॉफी प्रदान कर सम्मान प्रदान किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, सादुलपुर राजगढ़ विधायक मनोज न्यॉंगली, बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत, देवेंद्र राघव, गोपाल सिंह, अभिमन्यु सिंह राजवी, एवं तहसीलदार वी पी सिंह एवं अन्य अतिथियों ने मां भगवती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राजपूत सभा के जिला अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह ने कार्यक्रम के दौरान समाज जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की ओर से समय देने के बाद नहीं आने की पीड़ा जताई। उन्होंने समाज के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने पर चिंता व्यक्ति की। इस अवसर पर डी एस नरूका ने सटीक एवं स्पष्ट संचालन करते हुए युवाओं के उत्थान के लिए समिति की ओर से किए जा रहे प्रयासों मैं सुधार की आवश्यकता जताई। इस अवसर पर प्रताप सिंह राजावत जयपुर, गोपाल सिंह, बबीता कंवर, प्रियंका,गुमान सिंह, महावीर सिंह, उदय सिंह, नरेंद्र सिंह, राजेश सिंह, एवं अनेक राजपूत सरदार एवं क्षत्रानिया मौजूद रही। कार्यक्रम का संचालन डी एस नरूका ने किया एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी राजेंद्र सिंह जीरावली ने की।

नारायण सेवा संस्थान के अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड से 32 दानवीर सम्मानित

» **जागरूक जनता @ उदयपुर।** नारायण सेवा संस्थान का अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड समारोह 2024 संस्थान के डीडवाणिया सभागार में गर्मजोशी से सम्पन्न हुआ। संस्थान संस्थापक कैलाश मानव, दिल्ली के प्रमुख उद्योगपति त्रिलोकीनाथ गुप्ता, अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल एवं निदेशक वंदना अग्रवाल ने उड़ीसा, दिल्ली, हरियाणा,वेस्ट बंगाल और गुजरात के 32 दानी और सेवाभावी सज्जनों को उनके बहुमूल्य सामाजिक योगदान के लिए उन्हें मेवाड़ी परम्परा से अवॉर्ड देकर सम्मानित किया। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि दिव्यांगजनों के प्रकल्पों में अपना अनुदान देने वाले 2 जन को प्लेटेनियम,3 को डायमण्ड, 9 को गोल्ड, 11 को सिल्वर तथा 9 महानुभावों को मानद अवॉर्ड प्रदान किये गए। साथ ही संस्थान ने वर्ष 2024 की बेस्ट प्रदर्शनकर्त्ता शाखा कैथल को प्रथम पुरस्कार, द्वितीय अलवर तथा तृतीय पुरस्कार के लिए नरवाना शखा को चुना गया। जिन्हें ट्रॉफी,सम्मान पत्र और शॉल व साफा पहनाकर अभिनन्दन किया गया। अवॉर्ड समारोह में आभार प्रदर्शन देवेन्द्र चौबीसा ने किया। व्यवस्था में रजत गौड़, रोहित तिवारी,कुलदीप सिंह शेखावत, मनीष परिहार, राजेंद्र सिंह सोलंकी, गोविन्द सिंह, दिनेश वैष्णव आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका पीपाड़ शहर में उपचुनाव संपन्न कराने के लिए विभिन्न प्रकोष्ठ गठित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर)(नगर पालिका) जोधपुर ग्रामीण गौरव अग्रवाल ने आदेश जारी कर नगर पालिका पीपाड़ शहर में उपचुनाव सुचारू से संपन्न करने के लिए विभिन्न प्रकोष्ठ गठित कर प्रभारी और सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए हैं।

आदेशानुसार मतदान दलों का गठन, नियुक्ति संबंधी समस्त कार्यवाही, मतदान दलों की व्यवस्थित रवानगी के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद जोधपुर डॉ. धीरज कुमार सिंह को प्रभारी एवं वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, राष्टीय सूचना विज्ञान केंद्र, जोधपुर विकास अग्रवाल को सहायक प्रभारी नियुक्त किया है। इसी प्रकार वाहन अधिग्रहण, आवंटन पीओएल की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर सिटी प्रथम उदय भानु चरण को प्रभारी तथा जिला परिवहन अधिकारी प्रथम जगदीश प्रसाद बेरवा एवं सहायक लेखा अधिकारी प्रथम आरएसी बटालियन प्रथम नितेश कलिया को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं, मतदान दलों एवं पुलिस अधिकारियों की प्रशिक्षण व्यवस्था के लिए उपनिदेशक स्थानीय निकाय विभाग जोधपुर श्रीमती आकांक्षा बैरवा को प्रभारी तथा प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बोरानाडा राजेश डी पुरोहित को सहायक प्रभारी नियुक्त किया है। इसी प्रकार केंद्रीय भंडार मतदान सामग्री स्टोर वितरण एवं प्रति व्यवस्था के लिए जिला रसद अधिकारी द्वितीय श्री अश्विनी गुर्जर को प्रभारी एवं संस्थापक अधिकारी जिला निर्वाचन कार्यालय विमलेश कला को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं, ईवीएम तैयारी ,जांच व भंडारण व्यवस्था के लिए जेएनवीयू रजिस्ट्रार हरीतिमा को प्रभारी एवं तकनीकी शिक्षा निदेशालय के देवेंद्र देवड़ा को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार पीओएल अल्पाहार एवं रसद व्यवस्था के लिए जिला रसद अधिकारी प्रथम पुष्पराज पालीवाल को प्रभारी एवं प्रवर्तन अधिकारी जिला रसद कार्यालय मानवेंद्र सिंह व विक्रम देवीदास को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है।

भामाशाहों ने किया पीएमश्री बड़ोदिया में 210 छात्रों को गर्म वस्त्र वितरण

» **जागरूक जनता @ बांसवाड़ा।** जिले के पी.एम.श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़ोदिया में बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड लाइन 1098 के जिला समन्वयक कमलेश बुनकर एवं एक अन्य भामाशाह के सहयोग से कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत 210 छात्र-छात्राओं को सर्दी से बचाव हेतु स्वेटर एवं स्टेशनरी वितरण किया गया। विद्यालय में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रधान अनुभूति जैन ने, मुख्य अतिथि सरपंच रमेश डोडियार एवं विशिष्ट अतिथि उप प्रधानाचार्य बापूलाल गर्ग, सुरेश सोनी, कमलेश बुनकर, एस.एम.सी. अध्यक्ष हरीश रावत व अविनाश चौबीसा थे। अतिथियों का शब्द सुमन से स्वागत अनुभूति जैन ने किया। कार्यक्रम के दौरान कुबेर पटेल, संगीता जैन, पवन जोशी, दीपक ठाकुर, प्रियंका आमलियार, सीमा मईड़ा, पंकज पाटीदार, अनिल शुक्ला एवं राकेश जोशी सहित स्टाफ उपस्थित रहा। स्वेटर वितरण कार्यक्रम का संचालन पवन जोशी ने एवं आभार उप प्रधानाचार्य बापूलाल गर्ग ने माना।

अब स्टूडेंट्स घर बैठे कर सकेंगे ऑनलाइन पढ़ाई

» **जागरूक जनता @ राजसमंद।** प्रदेश में राजकीय स्कूलों में परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। इसको लेकर शिक्षा विभाग ने ई क्लासें लगाने का निर्णय किया है। इसके तहत सप्ताह में पांच दिन अतिरिक्त कक्षाएं लगाई जाएंगी ताकि स्कूली विद्यार्थियों को अध्ययन का लाभ मिल सकेगा। इस संबंध में निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने निर्णय कर प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। राजस्थान शिक्षा विभाग और मिशन ज्ञान द्वारा सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए एक नई पहल कारगर साबित होगी। जिसके तहत सैकंडरी और सीनियर सैकंडरी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए ई-क्लासेस लगाई जाएंगी। लाइव कक्षा सप्ताह में पांच दिन चलाई जाएगी। सोमवार से शुरु वार तक चलने वाली कक्षाओं का समय 45 मिनट रहेगा। ये पाठशाला दिसंबर माह में शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को अध्ययन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

कहीं पर शिक्षक नहीं है, कहीं पर सुविधाओं का अभाव है। बिना तैयारी के बोर्ड परीक्षा में बैठना सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। ऐसे में इन विद्यार्थियों का परिणाम निजी के मुकाबले बेहतर नहीं हो पाता था, लेकिन अब अतिरिक्त कक्षाओं के संचालन से सरकारी स्कूल के विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा में बेहतर अंक हासिल कर सकेंगे।

एमपीयूएटी का भव्य 18वां दीक्षांत समारोह संपन्न

बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने वाली शिक्षा की जरूरत-बागडे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। कुलाधिपति एवं प्रदेश के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि टैस्ट बुक (पाठ्यक्रम) से डिग्री जरूर मिल जाएगी लेकिन जीवन नहीं सुधरेगा। जीवन सुधारने के लिए बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ानी होगी और यह तभी संभव है जब विश्वविद्यालय के शिक्षक अपने मन-मस्तिष्क में समाया तमाम ज्ञान बच्चों में ट्रांसफर करे।

राज्यपाल बागडे महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर का अठारहवें भव्य दीक्षांत समारोह में उपाधियां, पदक व डिग्रियां प्रदान करने के बाद सदन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत ऋषि व कृषि प्रधान राष्ट्र है। देश आजाद हुआ तो 1950 में अमरीका से अनाज का आयात होता था। तब आबादी भी 40 करोड़ के भीतर थी। देश के वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत के बूते आज 140 करोड़ की आबादी के बावजूद हम खाद्यान्न में आत्मनिर्भर है। 1980 तक बाहर से अनाज मंगाना मजबूरी था, लेकिन इसके बाद क्रांतिकारी परिर्वतन हुआ। हरित क्रांति, पीत क्रांति व श्वेत क्रांति के चलते खाद्यान्न, दलहन और दुग्ध उत्पादन में भारत का नाम शीर्ष पर आ गया।उन्होंने इस बात पर अफसोस जाहिर किया कि हम आज भी लॉर्ड

मैकाले की शिक्षा नीति पर चल रहे हैं जबकि अंग्रेज यह बखूबी जानते थे कि किसी भी राष्ट को बर्बाद करना है तो वहां की शिक्षा को बिगाड़ दो। भारत अपनी संस्कृति और यहां की गुरूकुल परम्परा के कारण आज भी विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि गुरूत्वाकर्षण के बारे में पहली खोज संवत 1530 में मानी गई जो किसी मार्कोज के नाम पर है, लेकिन हमारे यहां तो भास्कराचार्य ने 12वीं शताब्दी में ही गुरूत्वाकर्षण के बारे में बता दिया था। ऋग्वेद - यजुर्वेद में बकायदा इसका उल्लेख आज भी है।

राज्यपाल बागडे ने पानी के दुरूपयोग पर चिंता जताते हुए कहा कि धरती पर सिचाई व पीने योग्य मात्र 4 प्रतिशत पानी उपलब्ध है। शेष सारा पानी समुद्र में या बर्फ के रूप में पहाड़ों पर है। पानी की बचत ही पानी का निर्माण है। उन्होंने आह्वान किया कि वर्षा जल को व्यर्थ बहकर न जाने दें। खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में रोककर भूजल स्तर को सुधारने की दिशा में प्रयास होने चाहिए। यही नहीं पानी की कमी के चलते हमें प्राकृतिक खेती की ओर जाना होगा। खेतों में अंधाधुंध रसायनों के प्रयोग से कैंसर जैसे भयानक रोग हो रहे हैं। फसल की वृद्धि एवं उससे उत्पादन लेने के लिए जो भी तत्व चाहिए, सभी भूमि और वातावरण में मौजूद है। प्राकृतिक खेती स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों पर आधारित एक रसायनमुक्त कृषि पद्धति है। यह स्वदेशी तकनीकों को प्रोत्साहन देती है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति सहित वैज्ञानिकों शिक्षकों से आह्वान किया कि वे कृषि में नवाचारों, अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास के साथ प्राकृतिक खेती के लिए मुहिम चलाकर भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करे।

दीक्षांत उद्बोधन देते हुए प्रख्यात वैज्ञानिक व असम कृषि विश्वविद्यालय जोरहाट के पूर्व कुलपति डॉ. अमरनाथ मुखोपाध्याय ने कहा कि भारत ने तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, अंतरिक्ष और आईटी क्षेत्र में जबर्दस्त प्रगति हासिल की है। पिछले पांच दशकों में कृषि में अपूर्व वृद्धि हासिल की जिसके परिणामस्वरूप 70 मीट्रिक टन बफर के साथ 332.29 मिलियन टन से अधिक खाद्यान्न का उत्पादन हुआ है। भारत दुनिया में दूध का सबसे बड़ा उत्पादक, सब्जी, फलों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक, अंडे का सबसे बड़ा उत्पादक और दुनिया में मछली का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट है।

उन्होंने कहा कि मेरा जन्म स्वतंत्रता पूर्व 1940 में हुआ और मैंने बचपन में गरीबी, खाद्यान्न की कमी और बहु-पोषण

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म | दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

थम गया जिंदगी का सफर : पिता के कैमरे से बनाई थी पहली फिल्म, 8 बार जीता था नेशनल फिल्म अवॉर्ड

श्याम बेनेगल का निधन, 14 दिसंबर को ही मनाया था 90वां जन्मदिन

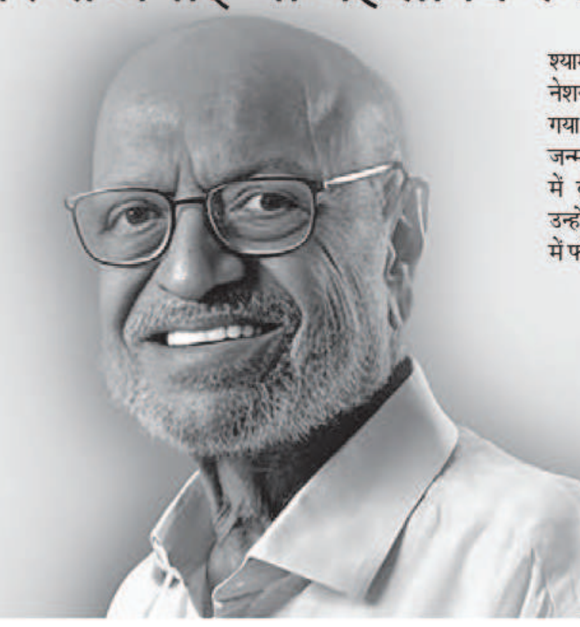

मुंबई। प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और निर्माता श्याम बेनेगल का सोमवार को मुंबई में निधन हो गया। उन्होंने मुंबई सेंट्रल के वोकहार्ट अस्पताल में शाम 6:38 बजे आखिरी सांस ली। 14 दिसंबर को ही उन्होंने अपना 90वां जन्मदिन मनाया था। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को किया जाएगा। उनकी बेटी पिया बेनेगल के अनुसार, 'वे लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे।' दो साल पहले उनकी दोनों किडनी खराब हो गई थीं। उसके बाद से उनका डायलिसिस के साथ इलाज चल रहा था।

श्याम बेनेगल को 8 फिल्मों के लिए नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। श्याम सुंदर बेनेगल का जन्म 14 दिसंबर 1934 में हैदराबाद में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उन्होंने अर्थशास्त्र में पढ़ाई की। बाद में फोटोग्राफी शुरू कर दी। बॉलीवुड में उन्हें आर्ट सिनेमा का जनक भी माना जाता है। जब वे बारह साल के थे, तब उन्होंने अपने फोटोग्राफर पिता श्रीधर बी. बेनेगल के दिए गए कैमरे पर अपनी पहली फिल्म बनाई थी। उनके परिवार में पत्नी नीरा और बेटी पिया हैं। श्याम की फिल्मों ने भारतीय सिनेमा को बेहतरीन कलाकार दिए, जिनमें नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, अमरीश पुरी, शबाना आजमी, स्मिता पाटिल और सिनेमेटोग्राफर गोविंद निहलानी प्रमुख हैं। जवाहरलाल नेहरू और सत्यजीत रे पर डॉक्यूमेंट्री भी बनाई थी।

पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित

1976	1991	08	24	45
पद्मश्री	पद्म भूषण	नेशनल अवॉर्ड	फिल्में	डॉक्यूमेंट्री

सबसे ज्यादा नेशनल अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड इन्हीं के नाम है। सबसे बड़े सम्मान दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड भी दिया गया था। 15 एड फिल्म्स बनाईं हैं। जुबैदा, द मेकिंग ऑफ द महात्मा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस: द फॉरगॉटिन हीरो, मंडी, आरोहन, वेलकम टु सज्जनपुर जैसी दर्जनों बेहतरीन फिल्मों को उन्होंने डायरेक्ट किया।

बदलाव की सुगबुगाहट : राजे के अचानक बढ़ती सक्रियता से राजनीतिक विरोधी चौकन्ने

प्रदेश की राजनीतिक धूजणी शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश के कद्दावर नेता वसुंधरा राजे से आलाकमान ने जब भजनलाल शर्मा की पर्ची खुलवाई थी तो राजे ने अपने आप को असहज महसूस किया था। उनके राजनीतिक विरोधियों ने भी मान लिया था कि पूर्व मुख्यमंत्री का राजनीतिक करियर अब ढलान पर आ चुका है। वसुंधरा राजे ने भी सत्ता और संगठन से दूरी बना ली थी। लेकिन पिछले कई दिनों से वसुंधरा राजे के हाव-भाव में बदलाव देखने को मिल रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि आलाकमान से राजे को कोई ठोस आश्वासन मिला है जिसके चलते वे फिर से पूरी तरह सक्रिय नजर आ रही हैं। राजे ने इन दिनों में प्रदेश के कई जिलों का दौरा भी किया है। इसके साथ ही संगठन के कार्यक्रमों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहीं हैं। प्रदेश के जन्म, मरण, परण के कार्यक्रमों में उपस्थिति दर्ज करवा रही हैं। आम जनता से जुड़ाव का कोई मौका नहीं छोड़ रहीं। वसुंधरा जिस तरह से आम जनता से फिर से संपर्क कर रही हैं, उससे उनके राजनीतिक विरोधियों को धूजणी छूट रही है।

उपचुनाव में प्रदेश में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के बाद यह माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री भजनलाल ने अपने जड़ें बहुत मजबूत कर ली है। लेकिन पीएम मोदी से मुलाकात के बाद राजे खेमा बेहद उत्साहित है। आलाकमान द्वारा वसुंधरा राजे को अहमियत देना उनके विरोधियों को गले नहीं उतर रहा है। अब भाजपा की राजनीति में राजे की नई भूमिका और उनकी टीम को प्रदेश मंत्रिमंडल सहित विभिन्न पदों पर एडजस्ट करने को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। उनके राजनीतिक विरोधी अच्छी तरह जानते हैं कि राजे की राज्य की राजनीति में कितनी गहरी पकड़ है। वे यह भी महसूस कर रहे हैं कि वसुंधरा की यह अचानक हुई सक्रियता यूं ही नहीं है। इसके पीछे आलाकमान की कोई बड़ी प्लानिंग है।

सोमवार सुबह पूर्व सीएम वसुंधरा राजे घायलों के परिवार वालों से मिलने एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचीं थीं। राजे ने उनसे बात की और सीनियर डॉक्टरों से इलाज के बारे में पूछताछ की।

वसुंधरा के दिल्ली दौरे पर, पार्टी के शीर्ष नेताओं से मिलेंगी

भजनलाल सरकार में मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चा के बीच सोमवार को वसुंधरा राजे दिल्ली रवाना हो गईं। दिल्ली में वह बीजेपी के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगी। पहले भी वसुंधरा राजे ने 20 दिसंबर को दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राजे की करीब 40 मिनट तक मुलाकात चली। पीएम मोदी से वसुंधरा राजे की मुलाकात की तस्वीर राजस्थान की राजनीति काफी चर्चा का विषय रही थी। अब एक बार फिर से उनका दिल्ली दौरा सुर्खियों में है। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी इसी समय दिल्ली दौरे पर हैं। इससे पहले भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ दिल्ली दौरे करके आए थे। उसके बाद से ही मंत्रिमंडल में फेरबदल के कयास शुरू हुए हैं।

जयपुर दौरे पर आएंगे जेपी नड्डा!

हाल ही में सीएम भजनलाल शर्मा और मदन राठौड़ दिल्ली दौरे पर गए थे। इसे लेकर कहा जा रहा था कि दोनों ही नेता रिपोर्ट कार्ड लेकर दिल्ली पहुंचे थे। वहीं अब बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का जयपुर दौरा प्रस्तावित हुआ है। बताया जा रहा है कि जेपी नड्डा का आगामी जयपुर दौरा 27 दिसंबर को प्रस्तावित है। इस दौरे के बारे में कहा जा रहा है कि वह राजस्थान में पार्टी संगठन की नब्ज टटोलने के लिए जयपुर आ रहे हैं। राजनीतिक पंडित बता रहे हैं कि नड्डा का दौरा पार्टी में कोई बड़े बदलाव का संदेश लेकर आएगा।

मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तेज

उपचुनाव में मिले शानदार जनादेश और भजन लाल सरकार के एक साल का कार्यकाल पूरा होने के साथ ही अब मंत्रिमंडल में फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गई है। इसको लेकर राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि अब राजस्थान में मंत्रिमंडल फेरबदल और विस्तार के साथ ही ब्यूरोक्रेसी में भी भारी फेरबदल हो सकता है। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि नॉन परफॉर्मर मंत्रियों को रिप्लेस कर कई नए चेहरों को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। कुछ मंत्रियों का विभाग बदले जाने की भी संभावना है। राजनीतिक हलकों में सबसे बड़ी चर्चा पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के सक्रिय होने तथा उनके आलाकमान से लगातार संपर्क में होने की हो रही है। सीनियर नेता राजेंद्र राठौड़ को क्या जिम्मेदारी मिलेगी, इसे लेकर भी सभी की नजरें टिकी हुई हैं। सूत्रों की मानें तो भाजपा आलाकमान और प्रदेश नेतृत्व में अंदरखाने तेजी से काम चल रहा है। जनवरी से ही परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

मोहन भागवत पर भड़के रामभद्राचार्य, कहा...

वह संघ के संचालक है, हिंदू धर्म के नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के बयान कि कुछ लोग मंदिर-मस्जिद से जुड़ा मुद्दा इसलिए उठाते हैं, ताकि वो स्वयं हिंदुओं को बड़े नेता के रूप में स्थापित हो सके। इस पर रामभद्राचार्य ने कहा, यह उनका व्यक्तिगत बयान हो सकता है, वह संघ के संचालक हो सकते हैं, हिंदू धर्म के नहीं। दरअसल, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि "मंदिर-मस्जिद से जुड़ा मुद्दा कुछ लोग इसलिए उठाते हैं ताकि वे स्वयं को हिंदुओं के नेता के रूप में स्थापित कर सकें। विशेष रूप से, राम मंदिर के संदर्भ में ऐसी बातें ज्यादा देखने को मिल रही हैं।"

वो संघ के संचालक हो सकते हैं, हिंदू धर्म के नहीं

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के इस बयान पर मीडिया से बात करते हुए स्वामी रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि "उनका यह बयान व्यक्तिगत हो सकता, इससे हमारा कोई लेना देना नहीं है, क्योंकि वो हमारे अनुशासक नहीं है। वो संघ के संचालक हो सकते हैं, हिंदू धर्म के नहीं।" उन्होने स्पष्ट किया कि "हमारा ध्यान सदैव धर्म के अनुशासन और सत्य पर रहता है। जहां-जहां हिंदू धर्म के प्रमाणित स्थल हैं, वहां हमारी उपस्थिति होगी। जहां भी प्राचीन मंदिरों के प्रमाण उपलब्ध होंगे, हम उन्हें दोबारा स्थापित करने का प्रयास करेंगे। यह हमारे लिए कोई नई कल्पना नहीं है, बल्कि सत्य के आधार पर हमारी संस्कृति और धर्म का संरक्षण है।" उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा के दौरान मारे गए लोगों की घटना को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन?होंने कहा कि? हिंदुओं को एक होना चाहिए, उनका ध्रुवीकरण नहीं होना चाहिए।

'नरेंद्र मोदी से कहूंगा कि वो कठोर रुख अपनाएं'

पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार इस पर कदम उठा रही है, लेकिन अब और कठोर कदम उठाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहूंगा कि वो कठोर रुख अपनाएं। इसके साथ उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित होने वाले कुंभ के आयोजन पर उन्होंने खुशी जाहिर की। बता दें कि मुंबई में कांदिवली के ठाकुर विलेज में भव्य राम कथा का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रसिद्ध संत स्वामी रामभद्राचार्य महाराज द्वारा सात दिनों तक कथा सुनाई जाएगी। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। कांदिवली ठाकुर विलेज में राम कथा के आयोजन का उद्देश्य केवल धर्म का प्रचार-प्रसार करना है। रामभद्राचार्य ने इसे श्रद्धालुओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का एक पवित्र अवसर बताया।

उत्तर भारत के कई हिस्सों में बारिश, घाटी में शीतलहर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में सोमवार को हल्की बारिश के बाद पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में दिन के तापमान में तेजी से गिरावट आई, जबकि कश्मीर में भीषण शीतलहर जारी रही और पारा शून्य से कई डिग्री नीचे चला गया। हिमाचल प्रदेश में शिमला और आसपास के इलाकों में बर्फबारी हुई, जिसके कारण राज्य में 30 सड़कें बंद हो गईं। बर्फबारी से सेब उत्पादकों में भी खुशी की लहर दौड़ गई है, जिससे ऊपरी शिमला क्षेत्र में अच्छी पैदावार की उम्मीद जगी है।

प्रदेश में आज से सरकारी व निजी स्कूलों में होगा 12 दिन शीतकालीन अवकाश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बल्ले-बल्ले। राजस्थान के स्कूली छात्र-छात्राओं और टीचर के लिए बड़ी खुशखबरी। राजस्थान में स्कूलों में कल यानि 25 दिसम्बर से शीतकालीन अवकाश शुरू होने जा रहे हैं। 25 दिसम्बर को क्रिसमस का भी त्योहार है। स्कूली बच्चों को यह सेंटा क्लाज का गिफ्ट मिला है। सरकारी आदेश के अनुसार प्रदेश के राजकीय और निजी स्कूलों में सर्दियों की छुट्टियां 25 दिसम्बर से 5 जनवरी 2025 तक घोषित की गई हैं।

25 दिसंबर से 5 जनवरी तक रहेगा शीतकालीन अवकाश

राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का कहना है कि मौसम विभाग ने प्रदेश में 24 दिसंबर से सर्दी की तीव्रता बढ़ने की चेतावनी जारी की है। इसलिए स्कूलों में इस बार शीतकालीन अवकाश शिक्षा विभाग के शिविरा पंचांग के अनुसार 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक रहेगा।

आदेश जारी

इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने आदेश जारी कर दिये है। इसमें बताया है कि सरकारी और निजी स्कूलों में शिविरा कैलेंडर के अनुसार ही शीतकालीन अवकाश किया जाए। जिन निजी स्कूलों में आदेश की पालना नहीं होगी तो स्कूल के खिलाफ राजस्थान गैर सरकारी शैक्षिक संस्था अधिनियम 1989 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

ब्लास्ट हुए एलपीजी टैंकर का चालक जिंदा मिला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

प्रदेश की राजधानी जयपुर में शुक्रवार को एलपीजी टैंकर में हुए ब्लास्ट मामले में पुलिस को टैंकर के ड्राइवर की जानकारी मिल गई। पुलिस के अनुसार, टैंकर ड्राइवर टक्कर के बाद गैस लीक होने पर टैंकर से उतरकर तेजी से भाग गया। इससे उसकी जान बच गई। ड्राइवर ने ही टैंकर मालिक को फोन कर घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद से उसका फोन बंद आ रहा था। अब पुलिस ने टैंकर ड्राइवर जयवीर निवासी मथुरा (यूपी) को जयपुर बुलाया है। जयपुर के अजमेर रोड पर 20 दिसंबर को यह हादसा हुआ था।

मांग : पूर्व पीएम ने तख्तापलट के बाद भारत में ले रखी है पनाह

हसीना को वापस भेजें : बांग्लादेश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बांग्लादेश की अंतरिम युनूस सरकार ने भारत राजयनिक संदेश भेजकर शेख हसीना की वापसी की मांग की। बांग्लादेश ने कहा है कि सरकार चाहती है कि शेख हसीना को न्यायिक प्रक्रिया के लिए भारत से वापस लाया जाए ताकि वह मुकदमे का सामना कर सके। यह पहली बार है जब बांग्लादेश ने भारत से औपचारिक तौर पर हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की। युनूस सरकार का मानना है कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर भारत का निर्णय 2013 की भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि और 2018 में इसमें किए गए संशोधन के प्रावधानों पर आधारित है।

इस संधि में अपराधियों को सौंपने का प्रावधान है, लेकिन असाधारण परिस्थितियों में भारत किसी व्यक्ति को प्रत्यर्पित करने से इनकार कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि शेख हसीना के मामले में भारत यह प्रावधान लागू कर सकता है।

तीसरे देश में शरण की तलाश जारी

शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर भारत का निर्णय भारत-बांग्लादेश संबंधों पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। भारत इस मामले में एक कूटनीतिक समाधान की तलाश कर रहा है और शेख हसीना के लिए किसी तीसरे देश में शरण देने की संभावनाओं का पता लगाया जा रहा है। यदि भारत उन्हें प्रत्यर्पित करता है, तो यह अंतरराष्ट्रीय और द्विपक्षीय समझौतों का पालन होगा, लेकिन इससे शेख हसीना के समर्थकों के बीच नाराजगी हो सकती है। वहीं, प्रत्यर्पण से इनकार करने पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ तनाव बढ़ सकता है।

यादव ने अलवर के माचाड़ी नयागांव विद्यालय में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

ईआरसीपी योजना से राजगढ़ विस क्षेत्र को मिलेगा पानी-यादव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। केंद्रीय पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री व अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने जिले के राजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में राजकीय माध्यमिक विद्यालय, नयागांव माचाड़ी में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में प्रतिभावान छात्रा-छात्राओं को सम्मानित किया।

केंद्रीय मंत्री यादव ने सम्मानित हुए छात्रा-छात्राओं को शुभकामना देते हुए कहा कि इस क्षेत्र के बच्चे बड़े प्रतिभावान है और ये जीवन में तरक्की कर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि पाड़ा, माचाड़ी और नयागांव तीनों ग्राम पंचायत के बीच में सांसद कोष से ई–लाइब्रेरी और खेल मैदान का निर्माण कराया जाएगा, उसके लिए तीनों ग्राम पंचायत भूमि उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि सांसद बनने के बाद जब पहली बार बझेड़ा गांव में आए तो वहां के लोगों ने कहा कि काफी वर्षों से यहां केंद्रीय विद्यालय बनवाने की मांग चल रही है। इस मांग को पूरा करने के लिए राजगढ़ में जल्द ही केंद्रीय विद्यालय बनवाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि जल जीवन मिशन योजना में जिन ठेकेदारों ने अधूरे काम छोड़ दिए हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जो गांव डार्क जोन में हैं, उनमें भी पानी पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी योजना कामें जो पानी आना था डीपीआर में राजगढ़ क्षेत्रा को भी शामिल कर दिया गया है, जिससे कि ईआरसीपी योजना का पानी राजगढ़ को भी मिलेगा । कार्यक्रम में अशोक गुप्ता, बन्नाराम मीणा, अंजली यादव सहित प्रबुद्ध व्यक्ति और ग्रामीण मौजूद रहे।

इसके पश्चात केंद्रीय मंत्री ने गणेश पोल स्थित रिद्धि-सिद्धि मंदिर में पूजा अर्चना की तथा राजगढ़ कस्बे के माचाडी चौक, चौपड़ बाजार में खुली जीप से अभिवादन करते हुए मालाखेड़ा दरवाजा पहुंचे। जहां उन्होंने कस्बे के मालाखेड़ा गेट का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि मालाखेड़ा दरवाजा राजगढ़ की ऐतिहासिक शान रहा है। उन्होंने कहा कि सांसद के रूप में राजगढ़ के विकास में कार्य करूंगा और कदम से कदम मिलाकर चलूंगा। इस मौके पर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री संजय शर्मा, श्री अशोक गुप्ता, श्री बन्ना राम मीणा सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

फेल नहीं होंगे 5वीं और 8वीं कक्षा के बच्चे, जारी रहेगी नो-डिटेंशन पॉलिसी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। बीते दिन केंद्र सरकार ने अपने एक अहम एक्ट में बदलाव किया, जिसके बाद राज्यों को अधिकार मिल गया कि वे अपने यहां स्कूलों में निर्देश दे सकते हैं कि कक्षा 5वीं और 8वीं के बच्चों को वे फेल कर सकते हैं। अब इसे लेकर तमिलनाडु ने केंद्र सरकार के फैसला को राज्य में लागू करने से मना कर दिया है। तमिलनाडु सरकार ने कहा कि वे अपने राज्य में नो डिटेंशन पॉलिसी लागू रखेंगे।

केंद्र ने लिया था ये फैसला

केंद्र सरकार ने अपने फैसले में कहा कि सरकार के अधीन स्कूलों में कक्षा 5 और 8 के लिए 'नो-डिटेंशन पॉलिसी' को खत्म कर दिया है, जिसके तहत स्कूलों को साल के अंत में होने वाली परीक्षा में पास नहीं होने वाले छात्रों को फेल करने की अनुमति थी। 2019 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) में संशोधन के बाद, कम से कम 16 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों ने पहले ही दो कक्षाओं के लिए 'नो-डिटेंशन पॉलिसी' को समाप्त कर दिया है।

राज्य मंत्री ने किया ये ऐलान

इसी फैसले के बाद तमिलनाडु के स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने राज्य में नो-डिटेंशन पॉलिसी को जारी रहने का ऐलान किया है। मंत्री ने कहा कि तमिलनाडु कक्षा 8वीं तक नो डिटेंशन पॉलिसी जारी रखेगा। केंद्र सरकार के फैसले ने गरीब परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा हासिल करने में रूकावट पैदा कर दी है। यह स्थिति अति निंदनीय है। मंत्री ने आगे स्पष्ट किया कि तमिलनाडु नेशनल एजुकेशन पॉलिसी का पालन नहीं करता और केंद्र सरकार का यह फैसला केवल उन्हीं उन्हीं स्कूलों में लागू होगा, जो केंद्र के नियंत्रण में आते हैं। आगे कहा कि तमिलनाडु में यह पॉलिसी लागू नहीं की जाएगी। राज्य अपनी मौजूदा एजुकेशन सिस्टम को जारी रखेगा। इस बारे में किसी भी प्रकार की भ्रांति की जरूरत नहीं है।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

अटल बिहारी वाजपेयी जयंती पर सैल्यूट तिरंगा द्वारा अटल तिरंगा सम्मान का होगा आयोजन

» जागरूक जनता @ जयपुर। सैल्यूट तिरंगा राष्ट्रवादी संगठन संस्थापक एव राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा एव टीम द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के 100 वें जन्मदिन को भव्य रूप से अटल तिरंगा सम्मान समारोह एनडीएमसी दिल्ली में मनाया जाएगा। अटल तिरंगा सम्मान के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर एव राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट मदन मोहन पालीवाल ने बताया की कार्यक्रम के सम्मानीय मुख्य अतिथि स्वामी चिदानन्द सरस्वती (परमार्थ निकेतन ऋषिकेश) एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप में दिल्ली सांसद मनोज तिवारी, कोल एंड माइन्स मंत्री सतीश दुबे, चित्तौड़गढ़ सांसद सी पी जोशी, पूर्व केंद्रीय मंत्री जनरल वी के सिंह एवं उदघाटन की बेला में दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ भाजपा के राष्ट्रीय संयोजक राजेंद्र फड़के और अनेक गणमान्य उपस्थित रहेंगे।

रॉयल ग्रुप बांटेगा कम्बल

» जागरूक जनता @ जयपुर। रॉयल ग्रुप राजस्थान संगठन गरीब असहाय को सर्दी से बचने के लिए रोज कम्बल बाटेगी। संस्थापक रविन्द्र सिंह चिंडालिया बताया कि सर्व समाज का ये संगठन हर वर्ष पुनीत कार्य करता है। अभी 720 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य भी पूरा किया गया।

गोविंद ठाकुर ने थामा बहुजन समाज पार्टी का दामन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्थित बनी पार्क में बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण आयोजन में गोविंद ठाकुर ने राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी को अलविदा कहकर बहुजन समाज पार्टी का दामन थामा। इस अवसर पर बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सहाय बाबा ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया। गोविंद ठाकुर ने पार्टी में शामिल होते हुए यह विश्वास दिलाया कि वे अपनी पूरी निष्ठा, समर्पण और मेहनत से बहुजन समाज पार्टी को मजबूत करने का हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने पार्टी के सिद्धांतों और उद्देश्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की। इस आयोजन में बहुजन समाज पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। गोविंद ठाकुर ने पार्टी की विचार धारा और उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की शपथ ली। इस मौके पर कार्य कर्ताओं में जबर दस्त उत्साह देखने को मिला, और सभी ने एकजुट होकर पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

शिल्पग्राम महोत्सव : मुक्ताकाशी मंच पर दिखा विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों का सतरंगी संगम

राठवा, रौफ और चरी जैसे फोक डांस पर झूमे दर्शक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा हवाला स्थित शिल्पग्राम में चल रहे दस दिवसीय शिल्पग्राम महोत्सव के तीसरे दिन सोमवार को मुक्ताकाशी मंच पर सैकड़ों दर्शन विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों और अन्य फोक प्रस्तुतियों के गवाह बने। साथ ही, लोक धुनों पर खूब जमकर झूमे। शिल्पग्राम के मुक्ताकाशी मंच पर छत्तीसगढ़ के लोक कला के प्रतीक पंडवानी गायन की प्रस्तुति से शुरू हुआ लोक के रंग-लोक के संग का कार्यक्रम के गुजराती आदिवासी डांस राठवा की धूम के साथ पूर्णता पर पहुंचते पहुंचने पर दर्शकों में जोश, उमंग के साथ ही संस्कृति के सम्मान की भावना हिलोरें लेते दिखी। हिमाचल प्रदेश के सिरमौरी नाटी और कर्नाटक के देवी उपासना के नृत्य पूजा कुनिथा ने जहां शिल्पग्राम का माहौल भक्तिरस से सराबोर कर दिया, वही गोवा के देखनी डांस की लयकारी और सुंदर प्रस्तुति ने दर्शकों को मोहित कर दिया। कश्मीर के लोक नृत्य रौफ में डांसर्स के सुंदर समन्वय और बुमरो बुमरो... के गीत-संगीत पर दर्शक खूब झूमे। इनके साथ ही महाराष्ट्र के लावणी डांस की धुन के साथ दर्शक डांसर्स से लय मिलाते दिखे। गुजरात के तलवार रास ने जहां देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने वाले शहीदों के युद्ध कौशल के प्रदर्शन से दर्शक खूब रोमांचित हुए तो मणिपुरी लाई हारोबा डांस ने लोगों का मन जीतने के साथ ही खूब तालियां बटोरी।

इन प्रस्तुतियों के बीच राजस्थान के बारां जिले के ठेठ आदिवासी अंचल की जनजाति सहरिया के लोक नृत्य ने होली का स्वांग पेश कर अपनी अलग ही छाप छोड़ी। इस डांस में नर्तकों की भाव भंगिमाओं से दर्शक सम्मोहित से हो गए, वहीं डांस के दौरान कई मर्तबा झूमते और भावनाओं में बहते दिखाई दिए। इन प्रस्तुतियों के दौरान सौरभ भट्ट निर्देशित 'स्किट' ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। इसमें सौरभ भट्ट, आसिफ, महमूद और अभिषेक झांकल की एक्टिंग काबिल ए दाद रही।

'हिवड़ा री हूक' में उमड़ रही प्रतिभाएं

'हिवड़ा री हूक' कार्यर म का रविवार से आगाज हो गया। बंजारा मंच पर चल रहे इस कार्यर म में हर संगीत प्रेमी को अपनी प्रतिभा दिखाने का पूरा मौका मिल रहा है। यह प्रोग्राम किसी ऐप पर या घर में लोक गीत या गाने गाकर अपने दिल की हूक यानी कसक मिटाने वाले हर उम्र के मेलार्थी को मंच प्रदान कर रहा है। यह 'हूक' प्रोग्राम 29 दिसंबर तक रोजाना दिन में 12 बजे से दोपहर 4 बजे तक चलेगा। 'हिवड़ा री हूक' में प्रस्तुतियों के दौरान सांस्कृतिक प्रश्नोत्तरी भी हर आर्ट लवर को खूब लुभा रही है। इसमें सही जवाब देने वाले कला प्रेमियों को 'शिल्पग्राम मोमेंटो' से नवाजा जा रहा है।

सहरिया डांस

इस डांस में नायिका अपने परदेश गए पिया की विरह में होली के दिनों में दुखी होती है और गाती है, "होरी खेलत में नथ मेरी खो तो गई सोने की, नथ मेरी सोने की, मेरे पिया बिना पीतल की।" उसके साथ सभी वन्य जीवों के भेष में नर्तक नाचते हैं, हास्य-ठिठोली करते हैं, उसे उसके पति के नाम से चिढ़ाते हैं। सहरिया जनजाति की परंपरा में यह डांस पूरी-पूरी रात चलता है, जिसमें पिया के विरह का दुख और अंत में मिलन का सुख दर्शाया जाता है। टीम लीडर गोपाल धानुक बताते हैं कि यह डांस तीन प्रकार का होता है, जिनमें देवी की उपासना का नृत्य चैत्र और शारदीय नवरात्रि के नौ दिन होता है, वहीं होली के त्योहार पर पूरे फाल्गुन माह में यह डांस सहरिया लोगों के गांवों में चलता है। शिल्पग्राम महोत्सव में होली वाला नृत्य दिखाया गया। गोपाल बताते हैं कि इस डांस को सार्वजनिक रूप से सामने लाने और जनजाति के नर्तकों को प्रशिक्षित करने का श्रेय पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक फुरकान खान को जाता है। वे जब 2011-12 में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में थे, उस वक्त हमें गांव से यहां लाए थे और आज यह लोक नृत्य समूचे भारत में अपनी पहचान बना चुका है।

सीकर में महर्षि दयानंद सरस्वती द्वि जन्म शताब्दी समारोह आयोजित

महर्षि दयानंद सरस्वती महज एक व्यक्ति नहीं बहुत बड़े समाज सुधारक थे-राज्यपाल बागडे

जागरूक जनता @ जयपुर / सीकर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती युग प्रवर्तक मनीषी थे। वह व्यक्ति नहीं संस्था थे। देश को रूढ़ियों से मुक्त कराने वाले समाज सुधारक थे। बागडे महर्षि दयानंद सरस्वती के द्वि जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर श्री श्याम गौशाला पिपराली सीकर में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल बागडे ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती महज एक व्यक्ति नहीं होकर बहुत बड़े समाज सुधारक थे। उन्होंने सत्य का रास्ता अपनाने की बात कही। उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण एवं भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए कार्य किया। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का काम किया। राज्यपाल ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने शिक्षा के महत्व को समझते हुए इंसान को सदाचारी बनने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने कहा कि हम हमारे पुराने ज्ञान को संजोए रखते हुए नए ज्ञान को एकत्र करें, यही हमारी भारतीय संस्कृति है। इस दौरान उन्होंने देश निर्माण में नई शिक्षा नीति के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने अहिल्या बाई होलकर के समाज सुधार में अतुल्य योगदान करने की बात कही।

स्व.गौरव सेहलंगिया की तीसरी पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित

सेहलंग में 71 यूनिट हुआ रक्तदान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कनीना। उपमंडल के गांव सेहलंग निवासी स्व.गौरव सेहलंगिया की तीसरी पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया जिसमें 71 यूनिट रक्त दान किया गया। रेड क्रास सोसाइटी नारनौल की देखरेख में यह रक्तदान शिविर चला। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी कुलदीप यादव ने किया। विशिष्ट अतिथि ब्लॉक समिति चेयरमैन जय प्रकाश ककराला रहे। मुख्य अतिथि कुलदीप यादव ने कहा कि स्व.गौरव सेहलंगिया की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर जैसे पुनीत कार्य का आयोजन करना पुण्यात्मा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आज का यह रक्तदान शिविर जिनकी स्मृति में लगाया जा रहा है, उनकी सोच हमेशा समाजसेवा के लिए संकल्पित थी। जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण यहां रक्तदाताओं की रक्तदान के लिए जुटी भीड़ दर्शा रही है। रक्त जिंदगी का सबसे अनमोल रत्न है। एक बार दिया रक्त कई लोगों के चेहरे और जिंदगी में खुशी ला सकता है। विशिष्ट अतिथि चेयरमैन जय प्रकाश ककराला ने कहा कि रक्त किसी फैक्टरी में नहीं बनता इसलिए रक्तदान करके किसी व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। स्वस्थ व्यक्ति को 3 से 4 महीने में रक्तदान करते रहना चाहिए। इस तरह के आयोजनों से समाज में जागरूकता फैलती है। रक्तदान शिविर में रमेश क्रांति सेहलांगिया, जिला रेडक्रॉस समिति के सदस्यों व प्राथमिक चिकित्सा केंद्र सेहलंग टीम का विशेष सहयोग रहा। जिसमें डा. राहुल बंसल एमओ इंचार्ज की देखरेख में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रक्त इकट्ठा किया। जिसमें प्रमिला नर्सिंग अधिकारी, अनीता नर्सिंग अधिकारी, सुनील नर्सिंग अधिकारी तथा वार्ड ब्वाय संदीप एवं दीपक आदि मौजूद रहे। इस शिविर के मुख्य संयोजक रमेश ₹ ांति हिंदू रहे। शिविर में सरपंच नरेंद्र, विनीत कुमार सरपंच, डा. ऋषिराज आर्य, डा. सुधीर सहित अन्य मौजूद रहे।

पांचवें तीर्थ स्थल अग्रोहा धाम हिसार हरियाणा में संपन्न हुई अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं शपथ ग्रहण समारोह

प्री वेडिंग शूट होगा बंद, वैदिक रीति से दिन में होंगे फेरे-मित्तल

देशभर से 300 की संख्या में जुटे अग्रबंधु, 8 जून 2025 को होगा द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह 2025 का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

हिसार/जयपुर। पूरे विश्व में अग्रवाल समाज के सबसे सशक्त संगठन अंतर्राष्टीय अग्रवाल सम्मेलन की नवगठित कार्यकारिणी राष्टीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं मेल मिलन कार्यक्रम 22 दिसंबर 2024 को अग्रोहा शक्तिपीठ हिसार हरियाणा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रकूल प्रवर्तक अग्रसेन जी भगवान की विशालकाय प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन,आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ। तत्पश्चात मंचस्थ अतिथियों में अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्टीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल कोलकता, राष्टीय संरक्षक अजयकांत गर्ग मथुरा, राष्टीय प्रमुख सलाहकार पी डी अग्रवाल दिल्ली, राष्टीय संगठन मंत्री पवन कुमार मित्तल जयपुर, राष्टीय चेयरमैन शिक्षा सेवा एवं जन संपर्क डॉ. निर्मल कुमार अग्रवाल रायपुर, राष्टीय महिला विंग की अध्यक्ष सुशीला फरमानिया, राष्टीय चेयरमैन बाल विकास की अरुणा अग्रवाल बिलासपुर, हरियाणा प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बलराम गुप्ता, पंजाब प्रदेश के अध्यक्ष महेश गुप्ता, छत्तीसगढ़ प्रदेश के अध्यक्ष अधिवक्ता बाबूलाल अग्रवाल, तेलंगाना प्रदेश के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल मध्य प्रदेश के अध्यक्ष रामेश्वर दयाल सिंघल, दिल्ली इकाई के अध्यक्ष कृष्ण कुमार बंसल, राजाराम बंसल कैलारस, कमल किशोर अग्रवाल ग्वालियर, रबी बंसल मुरैना, नितिन जिंदल कैलारस, नागपुर महिला इकाई अध्यक्षा सुषमा अग्रवाल, बासुदेव अग्रवाल, राष्टीय महिला इकाई संरक्षिका वसुंधरा मित्तल जयपुर, रेखा बंसल दिल्ली, पंजाब प्रदेश ईकाई से विनोद बंसल संगरूर, संजय अग्रवाल कपूरथला, सतपाल अग्रवाल संगरूर, अंकित अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, अंकुश अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, रिया अग्रवाल, सुरेश चंद्र अग्रवाल, रमा अग्रवाल कपूरथला, ऋषभ अग्रवाल ,याशिका अग्रवाल, नीलम रानी अग्रवाल कपूरथला, क्रियांश अग्रवाल, हर्ष गुप्ता जालंधर, दिव्या गुप्ता जालंधर, राजस्थान युवा इकाई अध्यक्ष राजेंद्र मित्तल, मंत्री मनीष गोयल, जयपुर जिला अध्यक्ष अमित मित्तल,निशांत गर्ग नोएडा,भरत मित्तल नोएडा, निर्मल सिंगला,चरण दास सिंगला, सीमा सिंगला जुलाना मंडी, साधना सिंगला, विजय बंसल, त्रिवेणी बंसल, शिलम गर्ग फतेहाबाद, रविंद गर्ग, चीनू गर्ग, निशा गर्ग फतेहाबाद, रितिका अग्रवाल नरवाना,मनोज अग्रवाल नरवाना, प्रियंका गोयल नरवाना, देवेंद्र गोयल चरखी दादरी जिला अध्यक्ष, ललित कुमार गर्ग चरखी दादरी, भास्कर गोयल चरखी दादरी, राजेश अग्रवाल हिसार, इंद्र गोयल सिरसा,शिवम अग्रवाल रायपुर, कनिका गुप्ता अध्यक्षा महिला इकाई पश्चिम दिल्ली, आशा अग्रवाल दिल्ली, धीरज अग्रवाल दिल्ली, सुमित अग्रवाल झांसी,दिलीप अग्रवाल कोलकाता,सुनील कुमार गुप्ता, रेणु गुप्ता दिल्ली, किशोर गर्ग, लक्ष्मी गर्ग नोएडा, मनोज शंकर गोयल रायपुर, अजय अग्रवाल बिलासपुर, धनंजय अग्रवाल कोरबा छत्तीसगढ़, वीरेंद्र अग्रवाल डोंगरगढ़, जय प्रकाश जैन, कांता जैन अग्रोहा धाम प्रमुख रूप से मौजूद थे।

कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन हरियाणा राज्य के अध्यक्ष बलराम गुप्ता जी ने देते हुए आगंतुक सभी सदस्यों का स्वागत अभिनंदन किया तथा कहा कि हरियाणा प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि राष्टीय कार्यकारिणी की बैठक के यहां संपन्न होने जा रही है। वहीं बैठक के दौरान अंतरराष्टीय अग्रवाल सम्मेलन के नवगठित कार्यकारिणी के सभी राष्टीय चेयरमैन, प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्टीय पदाधिकारी ने अपने - अपने प्रतिवेदन प्रस्तुत किये तथा अपने अपने प्रदेश की गतिविधियों की जानकारी दी एवं नवगठित राष्टीय कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारीयों को अंतर्राष्टीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने शपथ दिलाई। बैठक के दौरान राष्टीय स्तर पर कई प्रस्ताव पारित किए गए जिसमें प्रमुख रूप से केंद्र की सरकार से भगवान अग्रसेन जी की जयंती पर शासकीय अवकाश घोषित करने, केंद्र सरकार की योजनाओं का नामकरण भगवान अग्रसेन जी के नाम पर करने के संबंध में निर्णय लिया गया तथा उपरोक्त प्रस्ताव को केंद्र सरकार तक भेजने की बात हुई। वहीं सामाजिक क्षेत्र में भी विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए जिसमें अग्रवाल समाज में विवाह पूर्ण होने वाली प्री वेडिंग शूट को बंद करना व दिन में फेरे करना एवं सम्मेलन के वार्षिक कार्यक्रम के रूप में कुलदेवी महालक्ष्मी जी का वरदान दिवस कार्यक्रम मनाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों ने अपनी-अपने सुझाव दिए जिस पर आने वाले दिनों में चर्चा कर इसे गति देने की बात कही गई। बैठक को संबोधित करते हुए तेलंगाना अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने भी तेलंगाना इकाई के गठन के लिए मजबूती से और ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने की बात कही। राष्टीय संरक्षक अजय कांत गर्ग ने नवंबर 2025 के मध्य राष्टीय कार्यकारिणी की बैठक कराने के लिए अपनी इच्छा जताई। अंतर्राष्टीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार के संस्थापक सक्रिय सदस्य एवं प्रखर वक्ता राष्टीय सचिव कृष्ण कन्हैया गोयल शक्ति ने बखूबी से मंच संचालन कर पूरे परिवार का मान बढ़ाया, धन्यवाद ज्ञापन राष्टीय संगठन मंत्री पवन कुमार मित्तल द्वारा प्रस्तुत किया गया कार्यक्रम का समापन राष्टीय गान के साथ संपन्न हुआ।

जयपुर-अजमेर एक्सप्रेस-वे पर बना फ्लाइओवर शुरू, कमला नेहरू नगर कट पर नहीं होगा ट्रैफिक जाम

जयपुर। जयपुर-किशनगढ़ एक्सप्रेस-वे पर कमला नेहरू नगर पुलिया के पास बने फ्लाईओवर को सोमवार से शुरू कर दिया गया। इस पुलिया के पास हमेशा लगने वाले जाम से अब लोगों को राहत मिलेगी। वहीं कमला नेहरू नगर और उससे लगती एक दर्जन से ज्यादा कॉलोनी के करीब 25 हजार से ज्यादा लोगों को इसका सबसे ज्यादा फायदा होगा। वहीं अजमेर की तरफ से आने वाले वाहन चालकों का समय भी बचेगा। फ्लाईओवर के शुरू होने के बाद अब सर्विस लेन खाली हो गई और अब ट्रेफिक का मूवमेंट आसान हो गया। एनएचएआई अधिकारियों के मुताबिक 600 मीटर लंबे तीन लेन के इस फ्लाईओवर को बनाने में करीब 8.34 करोड़ रुपए का खर्चा आया।

ब्लैक स्पॉट की लिस्ट लिस्टेड थे

जयपुर @ जागरूक जनता। एनएचएआई ने इस एक्सप्रेस-वे पर 10 अलग-अलग जगह पर फ्लाइओवर बनाने का काम साल 2021 के आखिरी में शुरू करवाया था। इसमें ये 9वां फ्लाइओवर है। नर्सिंगपुरा, दहमीकलां, महलां, सावरदा, गाडोता, मोखमपुरा, पड़ासोली और बांदर सिंदरी में फ्लाईओवर बनाए गए हैं। इन पॉइंट्स को एनएचएआई ने ब्लैक स्पॉट की लिस्ट में डाल रखा था। 10वां फ्लाईओवर भांकरोटा में निर्माणाधीन है, जिसका काम मार्च-अप्रैल तक पूरा करने की बात कही जा रही है।

जागरूक खबरें

गाय का दूध सर्वोत्तम, पीने से होती है तरक्की : दिलावर

उदयपुर। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि बच्चों को अच्छा या बुद्धिमान बनाना है तो गाय का दूध ही पिलाना है। गाय के बच्चे को बछड़ा, थोड़ा बड़ा होने पर केअड़ा, थोड़ा और बड़ा होने पर नारकिया और उससे बड़ा होने पर बैल बोलते हैं। भैंस के बच्चे को पाड़ा बोलते है, वो कितना ही बड़ा होता जाए, वह पाड़ा ही रहेगा। इसलिए गाय का दूध पीने वाला बुद्धिमान बनता है और उसकी लगातार प्रगति हुई है। दिलावर सोमवार को उदयपुर के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय रेजीडेंसी स्कूल में विंटर किट वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा संचय रखने वाले को नुकसान होता है और जो निरंतर प्रवाही रहता है, वह पवित्र होता है, इसलिए हमें कमाए हुए धन में से कुछ परोपकार के लिए खर्च करना चाहिए। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में दिलावर ने गाय के दूध से जुड़े सवाल पर कहा कि गाय का दूध सर्वोत्तम है। यह पूरा विश्व जानता है।

रोड हादसे में घायल भाजपा नेता दीनदयाल मथुरिया का निधन

जयपुर। सवाई माधोपुर जिले में बीजेपी के महामंत्री दीनदयाल मथुरिया का निधन हो गया। 17 दिसम्बर को वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जयपुर में आयोजित रैली में शामिल होने आ रहे थे। कुस्तला के नजदीक उनकी स्कार्पियो कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। हादसे में वे गंभीर घायल हो गए। एसएमएस अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने सोमवार को दम तोड़ दिया। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को सवाई माधोपुर में पुराने शहर स्थित रामद्वारा मोक्षधाम पर होगा।

मारवाड़ी सम्मेलन में कल कोलकाता जाएंगे देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार को कोलकाता जाएंगे। वे वहां दो दिवसीय अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के 90वें स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। देवनानी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनन्द बोस और पश्चिम बंगाल विधान सभा अध्यक्ष बीमन बनर्जी से भी मुलाकात करेंगे। गुरुवार को सुबह कालीमाता मंदिर बेलूर मठ और दक्षिणेश्वर कालीमाता मंदिर के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना करेंगे।

रोत ने किरोड़ी को साथ आने का दिया न्योता

जयपुर। सोमवार को जयपुर में भारत आदिवासी पार्टी के कार्यालय का उद्घाटन हुआ। इस दौरान सांसद राजकुमार रोत ने मीडिया से बात करते हुए किरोड़ी लाल मीणा को साथ आने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि किरोड़ी लाल मीणा को उनके साथ, उनकी पार्टी के साथ आकर काम करना चाहिए। वे संघर्षशील नेता हैं, सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन जब सदन में संघर्ष की बात आई, तो उन्हें सड़क पर भेजने का काम किया गया।

नरेश मीणा की रिहाई के लिए 29 को महापंचायत, बेनीवाल आएंगे

जयपुर। एसडीएम के साथ हुए थप्पड़ कांड मामले में जेल में बंद नरेश मीणा की रिहाई के लिए 29 दिसंबर को महापंचायत होगी। इसको लेकर जोरों के साथ तैयारी चल रही है। टोंक के नगरफोर्ट में होने वाली महापंचायत को लेकर रविवार को नरेश मीणा के बेटे और परिजनों ने नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल से मुलाकात की। उन्होंने हनुमान बेनीवाल को रैली में आने का निमंत्रण दिया। हनुमान बेनीवाल ने नरेश मीणा के बेटे और परिजनों से मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया एक्स पर शेयर कीं। बेनीवाल ने कहा कि जयपुर आवास पर नरेश मीणा के पुत्र व परिजनों ने मुलाकात कर आगामी 29 दिसंबर को नगरफोर्ट, टोंक में आयोजित होने वाली रैली में आने का आमंत्रण दिया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक आयोजित

केन्द्र सरकार फिक्स बजट का आवंटन करती है, इससे योजना क्रियान्वयन में परेशानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में सीएस सुधांश पंत ने कहा कि सिलिकोसिस योजना के तहत हमने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग किया है, जिसके लिए हमें ई गवर्नेंस के लिए केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा एक फ़िक्स बजट आवंटित किया जाता है। राज्य सरकारों को योजनाओं का क्रियान्वयन करना होता है। क्रियान्वयन में कई समस्याएं आती हैं। केंद्र की तुलना में राज्य सरकार अधिक बजट वहन करती है। उन्होंने केंद्र सरकार से समय पर बजट आवंटन का आग्रह किया। हालांकि बैठक में पंत ने आश्वस्त किया कि योजनाओं का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से समय पर बजट का आवंटन होता रहे ताकि लाभार्थियों को समय पर योजनाओं का लाभ मिलता रहे।

योजनाओं का लाभ देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव अमित यादव ने बताया कि केंद्र सरकार अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति को योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में देश विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल होंगा। उन्होंने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा प्रवर्तित योजनाओं की केवल समीक्षा करना नहीं है, बल्कि उनके संचालन में राज्यों को आ रही समस्याओं का समाधान करना और उनका त्वरित क्रियान्वयन कराना है। अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के संचालन में राजस्थान अग्रणी है और हम वर्तमान में लगभग 90 लाख पेंशनर्स को लाभान्वित कर रहे है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की अनूठी पालनहार योजना में 6 लाख से अधिक लाभार्थी है।

इस दौरान पंत ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से एक करोड़ से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में न्यूनतम पेंशन राशि में बढ़ोतरी कर पेंशन 1150 रुपए की है। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों का वार्षिक भौतिक सत्यापन अब ग्राम सभा स्तर पर किया जा रहा है, ताकि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ समय पर मिलता रहे। पंत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की समीक्षा के लिए राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान, जयपुर में पांच राज्यों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में इन योजनाओं की हुई समीक्षा

बैठक में केंद्र प्रवर्तित अनुसूचित जाति के लिए पूर्व-मैट्रिक और उत्तर-मैट्रिक छात्रवृत्ति, प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना, नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989, पीएम-यशस्वी स्कीम, डीएनटीज़ के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए योजना, नमस्ते योजना, एनएपीडीडीआर, अटल वायु अभ्युदय योजना आदि की समीक्षा की गई। इस दौरान बैठक में अमित कुमार घोष, अतिरिक्त सचिव, केंद्र सरकार, बचनेश अग्रवाल, निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात और हरियाणा राज्यों के प्रधान सचिवों और सचिवों और उनके प्रतिनिधि शामिल हुए।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने कांग्रेस पर किया हमला

कांग्रेस ने संविधान, बाबा साहब और आरक्षण पर फैलाया भ्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि संसद में हंगामा, धक्का-मुक्की, हिंसक तरीके जनप्रतिनिधियों को शोभा नहीं देते। मैं स्वयं संसद के द्वार पर भाजपा सांसदों के साथ वहां उपस्थित था, यह दृश्य अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस विषयहीन मुद्दों पर आंदोलन कर रही है, लेकिन इसे जनता समझती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार निरंतर जनहितैषी कार्य कर रही है। राठौड़ ने कहा कि विपक्षी नेताओं ने संविधान, बाबा साहब और आरक्षण को लेकर हमेशा जनता को भ्रमित करने का काम किया है, लेकिन हकीकत यह है कि कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब का अपमान किया।

कांग्रेस का अंबेडकर सम्मान मार्च आज

प्रदेश कांग्रेस मंगलवार को सभी जिला मुख्यालयों पर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर सम्मान मार्च निकालेगी। पीसीसी के महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा अम्बेडकर पर आपत्तिजनक एवं असम्मानजनक टिप्पणी संसद में की गई जिसके विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की गई है।

बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

पूर्ण पारदर्शिता के साथ हो बजट घोषणाओं की त्वरित क्रियान्विति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मुख्यमंत्री निवास पर सोमवार को 2024-25 की चिह्नित बजट घोषणाओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री ने 32 विभागों की विभिन्न घोषणाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। सीएम ने कहा कि भारत मण्डपम की तर्ज पर जयपुर में राजस्थान मण्डपम का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसमें बनने वाले एग्जीबिशन हॉल, ओपन हॉल तथा ऑडिटोरियम में दर्शक क्षमता का पूरा ध्यान रखा जाए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग कार्यक्रमों में भागीदारी कर सकें।

तनोट माता मंदिर में करें विकास कार्य

सीएम ने कहा कि जैसलमेर स्थित तनोट माता मंदिर परिसर के क्षेत्र में अत्याधुनिक विकास कार्य किए जाएं जिससे यहां आने वाले पर्यटक देश के प्रति गौरवान्वित हों तथा उनमें देशभक्ति का भाव जागृत हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्य मंदिर तथा प्रवेश द्वार के सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता देते हुए पूरे परिसर में सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं।

राज्य सरकार ने दिए निर्देश

सभी जिम्मेदार विभाग रोड सेफ्टी प्रोटोकॉल की प्रभावी तरीके से कराएं पालना

एलपीजी टैंकर भीषण अग्निकांड के बाद चेता प्रशासन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भांकरोटा अग्निकांड के बाद प्रशासन ने अपनी आखें खोली ली हैं। ऐसे हादसों को रोकने के लिए सभी संबंधित विभाग रोड सेफ्टी प्रोटोकॉल का प्रभावी तरीके से पालना करवाने के लिए सख्ती बरतना शुरू कर रहे हैं।

सोमवार को सरकार ने जिला कलेक्टर सहित सभी संबंधित अधिकारियों को जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिलों में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, अन्य समस्त सड़कों पर दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। जिसमें जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर 200 फुट पुलिया से बगरू टोल एवं जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिलों के समस्त राष्ट्रीय, राज्य राजमार्गों के मध्य स्थित समस्त कट एवं जिले की अन्य सड़कों पर सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वहीं सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर जिला सड़क सुरक्षा योजन तैयार करने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही दुर्घटना सम्भावित क्षेत्रों को चिह्नित किया जाएगा।

इसके साथ ही, राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर पर्याप्त संख्या में एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी एवं जिले का इमरजेंसी मेडिकल प्लान भी तैयार किया जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जन जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। हर साल 11 से 17 जनवरी के अतिरिक्त भी समय-समय पर सड़क सुरक्षा सप्ताह चलाया जाएगा। जिसमें कॉलेजो, स्कूलों,बस स्टेण्ड, रोड साइट होटल, ढाबों एवं अन्य भीड़ वाले स्थानों पर ट्रैफिक नियमों, रेस्क्यू प्रोटोकॉल संबंधी जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

यू टर्न वाली जगह लगेंगे चेतावनी बोर्ड

हाईवे पर यू -टर्न वाले कट पर चेतावनी बोर्ड और आपातकालीन नंबर लिखे जाएंगे। लोकल ट्रैफिक एवं अवैध पार्किंग चिह्नित की जाएगा। धुमाव पर धीमी गति से चलने के संकेतक बोर्ड लगाए जाएंगे। आगरा रोड पर रिंग रोड और सभी राष्ट्रीय राजमार्ग पर ब्लैक स्पॉट्स चिह्नित कर सड़क सुरक्षा प्रोटोकॉल की पालना कराई जाएगी।

झाड़ियों की नियमित की जाएगी कटाई

समस्त राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों, अन्य सड़कों के मिडियन, सर्विस लेन किनारों पर उगने वाली झाड़ियों की नियमित कटाई की जाएगी।अनधिकृत अतिक्रमणों को हटाया जाएगा। रोड से पशुओं को आने से रोका जाएगा। ट्रैफिक सिग्नल की पालना नहीं करने वाले और ओवर स्पीड व ओवरटेकिंग, रॉग साइड ड्राविंग करने व मोबाइल पर बात करते समय वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

जागरूक खबरें

जाखड़ और चौधरी एसएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

» जागरूक जनता @ रावतसर। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के छात्र नेता दीपक जाखड़ और जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ प्रत्याशी हरेंद्र चौधरी को शनिवार को घोषित की गई एनएसयूआई की कार्यकारिणी में प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि जाखड़ व चौधरी पिछले काफी समय से छात्र हितों के लिए संघर्षरत थे। जाखड़ पाली के पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़ के पोते है।

जागरूक जनता jagrukjanta.net फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें
अपडेट जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

आयुष मंत्रालय भारत सरकार की पहल पर आम जन के बेहतर स्वास्थ्य के लिये वात, पित्त और कफ की प्रकृति को जानने के लिए किया जा रहा है प्रकृति परीक्षण

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के चिकित्सकों द्वारा 2 लाख से अधिक लोगों का बेहतर स्वास्थ्य के लिए हुआ प्रकृति परीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आयुष मंत्रालय भारत सरकार की पहल पर देश का प्रकृति परीक्षण अभियान के अंतर्गत पूरे देश में आमजन के स्वास्थ्य के लिए प्रकृति परीक्षण किया जा रहा है। देश का प्रकृति परीक्षण अभियान के अंतर्गत मंगलवार को युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव नीरज कुमार पवन का सवाई मानसिंह स्टेडियम में प्रकृति परीक्षण किया गया। जयपुर में सवाई मानसिंह स्टेडियम, हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, तकनीकी विश्वविद्यालय वाटिका, राजकीय महाविद्यालय रेनवाल जयपुर में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं खिलाड़ियों का प्रकृति परीक्षण करने के साथ जयपुर एवं अन्य जिलों के संस्थानों और कार्यालय में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों की टीम द्वारा बड़ी संख्या में प्रकृति परीक्षण किया गया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने बताया आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (NCISM) के सहयोग से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों द्वारा 'देश का प्रकृति परीक्षण अभियान' के अंतर्गत आमजन के बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रकृति परीक्षण किया जा रहा है। अब तक 2 लाख से अधिक लोगो का राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों द्वारा प्रकृति परीक्षण किया जा चुका है। इस अभियान के अंतर्गत 25 दिसंबर 2024 तक आमजन का प्रकृति परीक्षण किया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जन-स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, लोगों को उनकी दोष-प्रकृति (शारीरिक प्रकृति) को समझने में सहायता करना, और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करना है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर से देश का प्रकृति परीक्षण अभियान के नोडल अधिकारी डॉ भानु प्रताप सिंह ने बताया आयुष मंत्रालय भारत सरकार की पहल पर पूरे देश के आयुर्वेद संस्थानों के साथ राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर द्वारा आम जन का प्रकृति परीक्षण किया जा रहा है।मंगलवार को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से कुलसचिव डॉ अनिता शर्मा, डॉ. सी आर यादव, डॉ. एच. एम. एल. मीणा, डॉ सुनील यादव ,डॉ. निशा ओझा, डॉ निशा गुप्ता, डॉ के भारती, डॉ. सुमन शर्मा, डॉ गुलाब पमनानी, डॉ सुदीप्त रथ, डॉ. गोपेश मंगल, डॉ राकेश नागर, डॉ महेंद्र प्रजापति, डॉ अनमोल, डॉ प्रीति, डॉ रितेश रमनानी, डॉ विशाल प्रजापति, डॉ वैभव बापट एवं अन्य चिकित्सकों एवं संयुक्त निदेशक जे पी शर्मा, उपनिदेशक चंद्रशेखर शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी नरेश कुमार गुप्ता के सहयोग से जयपुर के साथ अन्य जिलों में आमजन एवं युवाओं का बड़ी संख्या में प्रकृति परीक्षण किया गया।

हमारे अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमारे शरीर की प्रकृति को जानना हम सभी के लिये बहुत जरूरी है इसके लिए इस अभियान को चलाया गया है। 25 दिसंबर तक अभियान के अंतर्गत सरकारी एवं निजी कार्यालय, संस्थानों, सार्वजनिक स्थानो पर आमजन का राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के चिकित्सकों द्वारा उनका प्रकृति परीक्षण करने के साथ उनके स्वास्थ्य से संबंधित सलाह भी दी जा रही है।

महापौर डॉ. सौम्या ने मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र का किया उद्घाटन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र का उद्घाटन किया। इस दौरान चैयरमेन लक्ष्मण नूनीवाल, अतिरिक्त आयुक्त सीमा कुमार, उपायुक्त स्वास्थ्य ओम प्रकाश थानवी, वित्तीय सलाहकार सुनील सोनी सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान कलेक्शन ड्राइव भी आयोजित की गई। जिसमें महापौर ने घर से लाया हुआ सामान जमा करवाया।

महापौर ने इस अवसर पर बताया कि मुख्यमंत्री की यह अभिनव पहल है जिसके माध्यम से जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशियां लाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र मुख्यालय सहित 8 स्थानों पर बनाये गये है। मालवीय नगर जोन कार्यालय, निगम मुख्यालय, सांगानेर जोन कार्यालय, जगतपुरा जोनः वार्ड क्र. 112, मैन मार्केट रेलवे स्टेशन के सामने, विद्याधर नगर जोनः अम्बाबाड़ी सर्किल, मुरलीपुरा जोन कार्यालय, झोटवाडा जोनः नीयर पार्षद कार्यालय वार्ड संख्या 64, मानसरोवर जोनः पार्षद कार्यालय थड़ी मार्केट में मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र स्थापित किये गये है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र का पता चलते ही दूर-दूर से लोग आकर खिलौने, कपड़े, जूते इत्यादि सामान जमा करवा रहे है। उन्होंने आमजन से अपील की आपके घर में अनुपयोगी सामान, वस्तुएं, सर्दी के कपड़े नगर निगम मुख्यालय पर मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र पर आकर जमा करवा सकते है। उन्होंने बताया कि आप द्वारा दिये गये सामान किसी जरूरतमंद लोगों के काम आयेगा।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों हेतु ऐसे सामुदायिक केन्द्रों, सार्वजनिक स्थलों, अनुपयोगी सरकारी भवनों, आश्रय स्थलों पर स्थापित किया जाये जहां पर शहरी गरीबों का घनत्व अधिक हो। उन्होंने बताया कि केन्द्रों का संचालन सोमवार से शनिवार तक प्रातः 10 बजे से 06 बजे तक किया जायेगा।

केन्द्रों में लोग पुराने कपड़े, किताबें, जूते, खिलौने, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सजावटी सामग्री, प्लास्टिक अथवा धातुओं से बनी अन्य वस्तुएं जमा करवा सकेंगे जिसका वर्गीकरण कर पृथक रूप से संधारित किया जायेगा। केन्द्रों में प्राप्त होने वाले सामग्री का रिकॉर्ड रजिस्टर में दर्ज किया जायेगा जिसमें दानदाता का नाम, मोबाइल नम्बर, पता एवं उपलब्ध करवाये गये सामान का विवरण आदि अंकित किया जावेगा तथा प्राप्त किये गये सामान की रसीद भी दी जायेगी।

आज नगर निगम मुख्यालय पर आयोजित की गई कलेक्शन ड्राइव में 587 जोड़ी कपड़े और जूते, खिलौने, स्वेटर और शॉल जमा की गई सामग्री को आंगनवाड़ी केंद्रों और ज़रूरतमंदों तक पहुँचाया जाएगा। इस अभियान ने न केवल समाज में दान और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित किया है, बल्कि सद्भावना और सेवा के संदेश को भी जन-जन तक पहुँचाया हैं।

इस अभियान में विभिन्न स्कूलों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जमा किया गया सामान निगम मुख्यालय तक पहुँचाया। इसके अलावा, आमजन ने भी अपनी भूमिका निभाते हुए अपनी ओर से सामान दान किया।

ई-दाखिल में राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर, मध्यस्थता लोक जीवन की महत्वपूर्ण व्यवस्था

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खाद्य ,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने मंगलवार को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राज्य एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में मध्यस्थता व्यवस्था एवं कंज्यूमर केयर कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया। गोदारा ने कहा कि मध्यस्थता व्यवस्था उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में बड़ा नवाचार है। यह लोक जीवन में समस्या सुलझाने की सदियों पुरानी व क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली कारगर व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि इसके लिए लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कोई विवाद हो तो मध्यस्थ व्यक्ति पर विश्वास करना आवश्यक है, इसमें समाधान अवश्य निकलता है।

गोदारा ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में भारत की न्यायपालिका का बहुत बड़ा योगदान है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में न्यायपालिका ने महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं। अगली बार प्रयास किये जाय कि जिला फोरम के रोचक निर्णयों को प्रेरणा स्वरूप लोगों को बताए जाएं, इससे लोगों में उत्साह बढ़ेगा । न्यायपालिका के निर्णयों से पिछले 15-20 वर्षों में बड़ा परिवर्तन गुणवत्ता बढ़ोतरी में आया है। इससे उपभोक्ताओं को गुणवत्ता का सामान मिलने लगा है। इसी के आधार पर भारत की अर्थव्यवस्था 12वीं नंबर से पांचवें नंबर पर आई है, इसी की बदौलत भारत आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ई-केवाईसी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार करवाई जा रही है जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लाभार्थियों को 31 दिसंबर, 2024 तक करवानी है अन्यथा सूची से उनका नाम हटा दिया जाएगा। जिला उपभोक्ता संरक्षण मंचों में अध्यक्ष व सदस्यों के लिए नया परिवर्तन किया गया है। इसमें मार्च तक 87 सदस्यों की नियुक्तियां की जाएगी। उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों की जागरूकता के लिए उचित मूल्य की प्रत्येक दुकान पर हेल्पलाइन नंबर का ज्यादा प्रचार किया जाएगा जिससे गांव–ढाणी में बैठा व्यक्ति भी लाभ ले सके। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जागो ग्राहक जागो अभियान को और अधिक सफल बनाएंगे। साथ ही, विभाग के अधिकारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा ।

न्यायाधिपति इंद्रजीत सिंह ने कहा कि किसी भी विवाद का निस्तारण मुख्यतः दो प्रकार से होता है, प्रथम निर्णय से तथा द्वितीय समझौतावादी प्रक्रिया से। आज के समय में समझौतावादी प्रक्रिया को अपनाना समाज के हित में महत्वपूर्ण है। इसमें एक तटस्थ व्यक्ति दोनों पक्षों के बीच आपसी बातचीत व समझौते के माध्यम से समाधान तक पहुंचाने में मदद करता है। मध्यस्थता वह कला है जिसमें समझौता नहीं समाधान खोजा जाता है। मध्यस्थता से समय की बचत होती है, आर्थिक दृष्टि से लाभकारी भी है। इससे रिश्तों की रक्षा, गोपनीयता व निष्पक्षता बनी रहती है। न्यायाधिपति एवं राजस्थान राज्य उपभोक्ता प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष श्री देवेंद्र कच्छावा ने कहा कि उपभोक्ता मामलों में तीव्र गति से सुनवाई हो रही है। लोग न्याय की अभिलाषा से आते हैं। उन्हें शीघ्रता से न्याय नहीं मिल पाता। इसके लिए मध्यस्थता व्यवस्था के माध्यम से प्रकरणों का निस्तारण किए जाने के प्रयास किए जाएं। राज्य - जिला विधिक प्राधिकरणों में मध्यस्थता अब विधिक प्रक्रिया के माध्यम से की जा रही है।

वरिष्ठ न्यायाधीश हरि ओम अत्रि ने कहा कि मध्यस्थता व्यवस्था के लिए विस्तृत नीति तैयार की गई है। उपभोक्ता विषयों के लिए राज्य- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में मिडिएशन सेंटर शुरू किए गए हैं। यह अपेक्षा करते हैं कि राज्य प्रतितोष आयोग एवं जिला प्रतितोष मंच से प्राप्त प्रकरणों में मध्यस्थता के माध्यम से उच्च सेवाएं प्रदान करेंगे। जिससे लंबित प्रकरणों की संख्या कम हो सके। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उपभोक्ता जागृति का संदेश दिया गया एवं ''मिडीएशन ईज ऑफ़ लिविंग -ईज ऑफ़ जस्टिस'' नामक पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में उल्लेखनीय एवं उपलब्धि पूर्ण कार्यों के लिए सुश्री रुखसार, भावना दयाल, मनीष भटनागर, जय शर्मा एवं देवेंद्र मोहन माथुर को प्रशस्ति पत्र के साथ शाल ओढ़ाकर एवं पौधा देकर सम्मानित किया गया। रजिस्ट्रार अशोक शर्मा ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विभाग की निदेशक पूनम प्रसाद सागर ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

अम्बेडकर पर आपत्तिजनक बयान के लिए माफी मांगे शाह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

रावतसर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं युवा नेता आजाद सिंह राठौड़ ने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर दिए गए बयान को घृणित, शर्मनाक व आपत्तिजनक बताया है। उन्होंने बताया कि अमित शाह को तुरंत अपने पद से इस्तीफा देकर सम्पूर्ण देश से माफ़ी माँगनी चाहिए।

संसद में चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर आपत्तिजनक बयान देना और उसके बाद उनके पक्ष में संपूर्ण भाजपा सांसदो का उतरना भारतीय जनता पार्टी की अंबेडकर विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। राठौड़ ने बताया कि बाबा साहब द्वारा स्थापित किए गए आदर्श मूल्य सदैव प्रेरणादायी रहेंगे, भाजपा के कुत्सिक प्रयासों को जनता देख रही है और समय आने पर जवाब देगी।

राठौड़ बोले कि संसद में गरिमामयी व संवैधानिक पद पर बैठे नेताओं द्वारा ऐसे ओच्छे बयान देना दुर्भाग्यपूर्ण है, इस बयान से ना सिर्फ अंबेडकर का अपमान हुआ है बल्कि बाबा साहब द्वारा प्रदत संविधान में आस्था रखने वाले करोड़ों देशवासियों की भावनाओं को ठेस पहुंचा है। ऐसे में गृहमंत्री को इस्तीफा देकर अविलंब देश से माफी मांगनी चाहिए।

संत महंतों की गरिमामयी उपस्थिति एवं मुख्य आतिथ्य में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

शेखावाटी रत्न सम्मान से सुशोभित हुई प्रतिभाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विप्र इंडिया वेलफेयर फाउण्डेशन द्वारा आयोजित शेखावाटी रत्न सम्मान समारोह का आयोजन जयपुर स्थित होटल स्टारडम में भव्यता के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ फाउंडर डायरेक्टर पं.अनिल शर्मा भारती एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष निकिता शर्मा के निर्देशन तथा साध्वी प्रज्ञा भारती जी दिल्ली, महंत दीपक वल्लभ गोस्वामी जी, महामंडलेश्वर आत्मानंद जी महाराज, श्री अवधेशाचार्य जी महाराज लोहार्गल धाम के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच व अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद (रजि) की राष्ट्रीय अध्यक्षा अंतिमा इंदौरिया के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर के सीनियर एडवोकेट संजय महला, इंटरनेशनल मूर्तिकार मातूराम वर्मा, शिक्षाविद जगदीश प्रसाद जोशी, रावत एम्पायर ग्रुप के चेयरमैन भूदेव, कार्यक्रम के संयोजक जेजे कश्यप व महेश बसावतिया ने दीप प्रज्वलन कर किया, तत्पश्चात गणेश वंदना के साथ समारोह का आरम्भ करते हुए फाउंडर अनिल शर्मा ने आए हुए अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया एवं स्मृति चिन्ह और शॉल देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में शिक्षा, चिकित्सा, समाज सेवा, कला, अभिनय, गायन, नृत्य, व्यवसाय, लेखन आदि विधाओं में कीर्तिमान स्थापित कर समाज के लिए प्रेरणा बनी विभूतियो, शिक्षाविद् जगदीश प्रसाद

जोशी पिलानी, मूर्तिकार मातूराम वर्मा पिलानी, भंवरी देवी इंटरनेशनल फोक आर्टिस्ट, कंपनी सचिव सुनील शर्मा चिड़ावा, डॉ.विक्रम सोनी सीकर, डॉ.रमाकांत शर्मा बगड़, अनिता पुनिया चिड़ावा, कवि नागेंद्र शर्मा निकुंज चिड़ावा, मदन लाल यादव जयपुर, मुकेश सोनी सीकर, डॉ.राजकुमार शर्मा भरतपुर, प्रमोद कुमार गौड चूरू, जाकिर भाटी रतनगढ़, डॉ.सचिन शर्मा खाटूश्याम जी, आशीष जैन सीकर, डॉ.अंशुल चाहर झुंझुनूं, गणेश शेखावत बीकानेर, मो.दयार नूरानी चूरू, डॉ.प्रेमलता स्वामी चुरु, कैलाश व्यास लिखवा, साहिल सोनी चिड़ावा, जाकिर अब्बासी झुंझुनूं, मोहरपाल सैन जयपुर, डॉ.अमृता चौधरी चूरू, राकेश शर्मा झुंझुनूं, मुकेश बगड़, वंशिका चिड़ावा, संजय दाधीच चिड़ावा, बिहारी लाल झुंझुनूं, श्याम जोशी अहमदाबाद, डब्ल्यू शर्मा झुंझुनूं, अल्का सुरोलिया झुंझुनूं, धीरज सोनी बगड़, सुमन कुमावत सीकर, अमित बुडानिया सीकर, सोनू पुनिया कासनी सूरजगढ़, डॉ.अल्का जयपुर, इमरान पठान नरहड़, पत्रकार कृष्ण ढसा चिड़ावा, योगेंद्र कटेवा चिड़ावा, डॉ.कुसुमलता शर्मा चिड़ावा, शांतनु उपाध्याय बीकानेर, गुड्डू बाई किन्नर फतेहपुर शेखावाटी, पवन सहल बगड़, रमेश शून्य चिड़ावा, देवेश पंवार जयपुर, अमित बुडानिया सीकर, कविता शर्मा जयपुर को सम्मानित किया गया। मुख्य आतिथ्य में साध्वी प्रज्ञा भारती, महंत मनोहर शरण शास्त्री पलसाना, महंत दीपक वल्लभ गोस्वामी, महामंडलेश्वर आत्मानंद सरस्वती, लोहार्गल पीठाधीश्वर महंत अवधेशाचार्य जी महाराज तथा विशिष्ट आतिथ्य में प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच व अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद (रजि) की राष्ट्रीय अध्यक्षा अंतिमा इंदौरिया तथा अन्य सम्माननीय अतिथियों में डायरेक्टर सेंट्रल सर्किट सिने एसोसिएशन आरके सारा, एडवोकेट संजय महला ने विभूतियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि विप्र इंडिया वेलफेयर फाउंडेशन ने शेखावाटी के उन विशिष्ट लोगों को, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से शेखावाटी का नाम रोशन किया, उनको सम्मान देकर एक नई पहल की है। इससे क्षेत्र के लोगों का गौरव बढ़ा और एक नई प्रेरणा मिली।

अंतिमा इंदौरिया ने इसे सराहनीय पहल बताया और कहा कि इस तरह के आयोजन समय समय पर होने से उभरती हुई विभूतियों का मार्गदर्शन होता है। साध्वी प्रज्ञा भारती ने संबोधित करते हुए कहा कि आज के परिवेश में संत समाज को सम्मान देकर फाउंडेशन ने एक पुनीत कार्य किया एवं भविष्य में संगठन द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों को संत समाज का आशीर्वाद एवं सहयोग सदैव मिलता रहेगा। महामंडलेश्वर आत्मानंद सरस्वती, महंत मनोहर शरण दास, महंत दीपक वल्लभ, लोहार्गल पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य ने भी अपने उद्बोधन में विप्र इंडिया के इस अनूठे कार्य और विभूतियों का गौरव बढ़ाने के लिए एक सराहनीय पहल बताया और सदैव अपने सहयोग के आश्वासन की घोषणा की।

धन्यवाद ज्ञापन देते हुए संस्था के फाऊंडर अनिल भारती ने संस्था के गठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समाज के गरीब एवं जरूरतमंद लोगो की सहायतार्थ एवं महिला विकास को बढ़ावा देते हुए समाज की मुख्य धारा से जोड़ते हुए प्रयास एवं कभी कोई भूखा ना सोए, सबको भोजन उपलब्ध हो, ऐसी सोच के साथ संगठन व समाज में व्याप्त कुरीतियों की रोकथाम, सम्मानित विभूतियों को सम्मानित करने का कार्य निरंतर जारी रहेगा। इसके साथ कार्यक्रम में आए हुए विशिष्ट अतिथियो में अंतिमा इंदौरिया, डॉ.मनोज सिंह चेयरमैन टीकेएन ग्रुप झुंझुनूं, नवीन शर्मा मास्टर सोलर ग्रुप, सजन गोदारा चिड़ावा, गोविंद शर्मा पलसाना, नरेंद्र सामोता, आशीष अग्रवाल, उमाशंकर महमियां, डॉ.सुरेंद्र वरबाड, पत्रकार राजेंद्र शर्मा झेरलीवाला, रमेश स्वामी, अरुण गुप्ता, महेश आजाद, चंद्रमौली पचरंगिया, समीर सैयद का विशेष सम्मान कर राष्ट्रीय अध्यक्ष निकिता शर्मा ने कार्यक्रम समापन की घोषणा की। इस कार्यक्रम का सफल संचालन संजय कुमार शर्मा ने किया। इस कार्यक्रम में प्रमुख मैक्स हाइट रहे, मैक्स हाइट जयपुर को रियल स्टेट क्षेत्र में शेखावाटी की शान अवार्ड से नवाजा गया।

पूर्व केबिनेट मंत्री ने किया ई-मित्र सेवा केन्द्र का शुभारंभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

रावतसर। बाड़मेर के सिणधरी रोड़ पर स्थित महादेव मार्केट में रविवार को पूर्व केबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी ने केदार स्टेशनरी एवं ई मित्र सेवा केन्द्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर चौधरी ने कहा कि तय सरकारी राशि लेकर ही ग्राहकों के कार्य निपटाकर उन्हें संतुष्ट करे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णसिह महेचा,सीबीइओ देवाराम चौधरी, बेरीवाला तला सरपंच खरथाराम चौधरी,एसीबीओ भंवरलाल डूडी, जिला खेल अधिकारी दलपतसिह राठौड़,एसीबीइओ रामसर पनाराम चौधरी,शिक्षक नेता शेरसिह भुरटिया, दीपक ठक्कर,भगवानाराम जाखड़,चुतराराम सियाग,बार एसोसिएशन सचिव मेघाराम जाखड़, सामाजिक कार्यकर्ता डालू जाखड़,पीईओ गौतम गोदारा, अमरसिंह गोदारा, उम्मेदाराम डऊकिया,महेंद्र डऊकिया, एडवोकेट डालूराम, विकास अधिकारी आईदानराम सऊ, हितेश लूखा,रुकमणसिह लूखा, घनश्यामसिंह सारण सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) संवीक्षा परीक्षा-2021, पात्रता जांच हेतु एनाटॉमी, रेडियोथेरेपी की विचारित सूची जारी

» जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य- ब्रॉड स्पेशलिटी (चिकित्सा शिक्षा विभाग) संवीक्षा परीक्षा-2021 के तहत पात्रता जांच हेतु एनाटॉमी एवं रेडियोथेरेपी के पदों की विचारित सूची जारी की गई है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि 25 अगस्त, 2022 को आयोजित संवीक्षा परीक्षा के फलस्वरूप एनाटॉमी के पदों हेतु 23 एवं रेडियोथेरेपी के पदों हेतु 9 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच हेतु अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है। विचारित सूची चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित किये जाने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है तथा यह साक्षात्कार हेतु सफल अभ्यर्थियों की सूची नहीं है। साक्षात्कार हेतु अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के पश्चात जारी की जायेगी।